RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्षः 11 अंकः 63 | जयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ ,सोमवार, 31 अगस्त 2026 | मूल्यः 4 रुपए | पृष्ठः 08

पीएम मोदी को उज्बेकिस्तान का सर्वोच्च सम्मान, यह उन्हें मिला 36वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान

दोनों देशों के बीच यूरेनियम सप्लाई पर बनी सहमति

एजेंसी। ताशकंद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उज्बेकिस्तान के सर्वोच्च राजकीय सम्मान 'ओली दराजाली दोस्तलिक' से सम्मानित किया गया। उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने रविवार को प्रधानमंत्री मोदी को इस सम्मान से नवाजा। जुलाई 2026 में इंडोनेशिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'बिंतांग आदिपूर्णा ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया' मिलने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विदेशी देशों से मिले अंतरराष्ट्रीय सम्मानों की संख्या 35 हो गई है। भारत और उज्बेकिस्तान ने रविवार को व्यापार और निवेश, डिजिटल संपर्क, रक्षा और ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ताशकंद में उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने और साझा विकास लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में काम करने पर जोर दिया।

भारत को उज्बेकिस्तान से मिलेगा यूरेनियम

दोनों देशों ने सिविल न्यूक्लियर एनर्जी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति जताई। इसके तहत उज्बेकिस्तान से भारत को लंबे समय तक यूरेनियम की आपूर्ति के लिए एक विशेष व्यवस्था तैयार की जाएगी। यह समझौता भारत की परमाणु ऊर्जा जरूरतों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

रक्षा क्षेत्र में मिलकर हथियार बनाने पर जोर

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग आपसी भरोसे को दर्शाता है। अब भारत और उज्बेकिस्तान की रक्षा कंपनियों को सैन्य उपकरणों के संयुक्त विकास और संयुक्त उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। पीएम मोदी ने कहा कि आने वाले समय में दोनों देशों की रक्षा कंपनियों के बीच सीधे संपर्क बढ़ाए जाएंगे और मिलकर रक्षा उपकरण विकसित और तैयार किए जाएंगे।

पीएम मोदी ने उज्बेक राष्ट्रपति की तारीफ की

राष्ट्रपति मिर्जियोयेव के विकास मॉडल का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'मेरे मित्र और उज्बेकिस्तान के आर्थिक विकास के जनक ने इस पूरे क्षेत्र में एक रोल मॉडल के तौर पर काम करके दिखाया है। ये दो दिन की मेरी यात्रा हमेशा याद रहेगी। मेरा और डेलिगेशन का स्वागत जिस गर्मजोशी के साथ किया गया है, उससे अपनापन महसूस हो रहा था। इसके लिए मैं राष्ट्रपति का आभार व्यक्त करता हूं'।

राष्ट्रपति मिर्जियोयेव ने भी पीएम मोदी की तारीफ

वहीं राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने कहा, 'हम आपको न केवल एक बेहतरीन राजनेता और समझदार राजनीतिक लीडर के तौर पर जानते हैं, जिन्हें भारत के लोगों का गहरा भरोसा और सम्मान हासिल है, बल्कि एक ऐसे लीडर के तौर पर भी जानते हैं जिनकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत बड़ी पहचान है। हाल के वर्षों में भारत का तेजी से विकास और अंतरराष्ट्रीय मंच पर उसका लगातार बढ़ता प्रभाव सीधे तौर पर आपके नाम और लीडरशिप से जुड़ा है। देश को आधुनिक बनाने की आपकी असरदार रणनीति और कार्यक्रमों की वजह से, आज का भारत हर क्षेत्र में शानदार उपलब्धियां हासिल कर रहा है। सच्चे भाइयों के तौर पर, हमें आपकी शानदार उपलब्धियों पर हमेशा बहुत खुशी होती है और हम आपको एक बार फिर बधाई देना चाहते हैं'।

हमारे संबंध लगातार मजबूत हुए हैं: पीएम मोदी

उन्होंने आगे कहा, आपकी दूरदर्शी लीडरशिप और भारत के प्रति आपकी दोस्ती से हमारे संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। ये संबंध नई ऊंचाइयां छू रहे हैं और इसी का नतीजा है कि आज हमारे संबंधों को 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' का नया स्तर दिया गया है। पुरस्कार से गौरव और सम्मान लाता है, लेकिन मैं अच्छी तरह जानता हूं कि यह अपने साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी आता है। उज्बेकिस्तान की इस ऐतिहासिक धरती से, मैं उज्बेकिस्तान के लोगों को भरोसा दिलाना चाहता हूं कि भारत अपनी जिम्मेदारियों से कभी पीछे नहीं हटेगा और इस दोस्ती को निभाएगा।

'दोनों देशों की सोच और आकांक्षाओं में गहरी समानताएं'

प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा, उज्बेकिस्तान मध्य एशिया और इस क्षेत्र के साथ भारत के जुड़ाव के केंद्र में है। भारत और उज्बेकिस्तान की सोच और आकांक्षाओं में गहरी समानताएं हैं। युवा, इनोवेशन, समावेशी विकास और आधुनिक तकनीक 'युवा उज्बेकिस्तान' और 'विकसित भारत 2047' दोनों के मूल में हैं। इसी साझा विजन को अपनाते हुए, हम दोनों देशों के लोगों की भलाई के लिए लगातार काम कर रहे हैं। इस साल हमारी रणनीतिक साझेदारी के 15 साल पूरे हो रहे हैं। इस खास मौके पर, हमने अपने संबंधों को 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक ले जाने का फैसला किया है।

'हमने भविष्य के लिए एक रोडमैप तैयार किया'

राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने कहा, 'मैं भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उनकी राजकीय यात्रा के लिए दिल से आभार व्यक्त करना चाहता हूं। हमने आज बहुत ही सार्थक बैठक की और महत्वपूर्ण निर्णय लिए। आज हमारी सीधी और ठोस बातचीत हमारे बीच की गहरी दोस्ती और रणनीतिक साझेदारों के रूप में हमारी स्थिति का प्रमाण है, जिसमें अपार आपसी संभावनाएं हैं। हमने कई संभावनाओं पर चर्चा की और हर क्षेत्र पर विचार-विमर्श करते हुए भविष्य के लिए एक रोडमैप तैयार किया... हमें खुशी है कि भारत ने डिजिटल इनोवेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और स्टार्टअप्स में प्रगति की है और खुद को सतत विकास में एक वैश्विक नेता के रूप में स्थापित किया है।

योग और संस्कृति से भी जुड़े हैं दोनों देश

उज्बेक राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों का भी उल्लेख किया। उन्होंने ताशकंद में लाल बहादुर शास्त्री सेंटर फॉर इंडियन कल्चर और महात्मा गांधी सेंटर फॉर इंडियन स्टडीज की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि उज्बेकिस्तान में योग भी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। वर्ष 2018 से वहां एक अलग योग महासंघ काम कर रहा है। इसी साल जून में पूरे उज्बेकिस्तान में योग महोत्सव भी आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि भारतीय नागरिकों के लिए 30 दिन की वीजा-मुक्त व्यवस्था शुरू करने से दोनों देशों के बीच पर्यटन, कारोबार और लोगों के आपसी संपर्क को बढ़ावा मिलेगा। पीएम मोदी ने अपनी यात्रा के दौरान ताशकंद में उज्बेकिस्तान की योग फेडरेशन की ओर से आयोजित एक योग कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया।

व्यापार लक्ष्यों पर क्या बोले राष्ट्रपति मिर्जियोयेव?

उन्होंने आगे कहा, 'आज की ऐतिहासिक यात्रा और हमारी सार्थक बातचीत के नतीजे के तौर पर, हमने अपने दोस्ताना देशों के बीच संबंधों को 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक पहुंचाया है। यह वाकई ऐतिहासिक है, और यह कहना बिल्कुल भी बढ़ा-चढ़ाकर कहना नहीं होगा कि भारत के प्रधानमंत्री ने इस अहम पड़ाव तक पहुंचने में बहुत बड़ा व्यक्तिगत योगदान दिया है। आज हमारे द्विपक्षीय संबंधों के विकास में एक यादगार और ऐतिहासिक दिन है। एक अरब अमेरिकी डॉलर का मौजूदा व्यापार टर्नओवर कोई सीमा नहीं है। हम अभी भी अपने लक्ष्यों को हासिल करने से काफी दूर हैं। हमारा लक्ष्य पहले बेंचमार्क के तौर पर पांच अरब अमेरिकी डॉलर है, और मुझे पूरा भरोसा है कि भविष्य में हम आसानी से दस अरब अमेरिकी डॉलर का व्यापार टर्नओवर हासिल कर सकते हैं'।

1992 में स्थापित हुए थे राजनयिक संबंध

भारत और उज्बेकिस्तान के बीच राजनयिक संबंध 18 मार्च 1992 को स्थापित हुए थे। उज्बेकिस्तान की आजादी के बाद भारत उसके संप्रभु अस्तित्व को मान्यता देने वाले शुरुआती देशों में शामिल था। दोनों देशों ने वर्ष 2011 में अपने संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक बढ़ाया था। अब इसे 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' में बदलने से दोनों देशों के बीच राजनीतिक, आर्थिक, रक्षा और अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदा यात्रा 2015 के बाद उज्बेकिस्तान की पहली द्विपक्षीय यात्रा है। ताशकंद के बाद पीएम मोदी अब किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक जाएंगे, जहां वह 26वें शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इस साल एससीओ की स्थापना के 25 वर्ष भी पूरे हो रहे हैं।

एनआईए कोर्ट का बड़ा फैसला: आईएसआईएस साजिश में दोषी सैयद फासिउर को सात साल की सश्रम कैद, 48 हजार का जुर्माना

'एजेंसी। नई दिल्ली

आईएसआईएस से जुड़ी आतंकी साजिश के मामले में एनआईए की विशेष अदालत ने सैयद फासिउर रहमान उर्फ सैयद फसीह उर रहमान को सात साल की सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने उस पर 48 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के अनुसार, मामले में साजिश का उद्देश्य लक्षित हत्याओं को अंजाम देकर सांप्रदायिक दंगे भड़काना और प्रतिबंधित आतंकी संगठन आईएसआईएस के एजेंडे को आगे बढ़ाना था।

मेहबूब पाशा पर साजिश रचने का आरोप

एनआईए की जांच के मुताबिक, इस मामले में मुख्य आरोपी मेहबूब पाशा ने बंगलूरू के गुरप्पनपाल्या स्थित अपने घर पर कई बैठकें की थीं। इन्हीं बैठकों में कथित तौर पर लक्षित हत्याओं की योजना बनाई गई थी। जांच एजेंसी का कहना है कि इस साजिश का मकसद सांप्रदायिक तनाव भड़काने के साथ ढ्स्ढ्स के लिए एक विलायत यानी प्रांत स्थापित करना था।

साजिश की बैठकों में शामिल था सैयद फासिउर

एनआईए के मुताबिक, दोषी सैयद फासिउर रहमान ने इन बैठकों में हिस्सा लिया था। उस पर अल-हिंद समूह के सदस्यों के जंगल कैंप प्रशिक्षण के लिए डेकाथलॉन स्टोर से टेंट और चाकू खरीदने का भी आरोप था। अदालत ने इन आरोपों के आधार पर उसे दोषी ठहराते हुए सात साल की सश्रम कैद की सजा सुनाई।

2020 में दर्ज हुआ था मामला

यह मामला कर्नाटक पुलिस ने 10 जनवरी 2020 को बंगलूरू में दर्ज किया था। इसके बाद एनआईए ने 23 जनवरी 2020 को जांच अपने हाथ में लेकर मामले को फिर से दर्ज किया। एनआईए अब तक इस मामले में 20 आरोपियों के खिलाफ तीन आरोपपत्र दाखिल कर चुकी है। इससे पहले हनीफ खान को 14 जुलाई 2026 को मुकदमे के दौरान अपना अपराध स्वीकार करने के बाद दोषी ठहराया गया था। मामले की सुनवाई अक्तूबर 2025 में शुरू हुई थी। एनआईए ने बताया कि मामले की जांच अभी जारी है। एजेंसी उस ऑनलाइन हैंडलर का पता लगाने की कोशिश कर रही है, जो कथित तौर पर इस आतंकी मॉड्यूल को तैयार करने और उसकी गतिविधियों के समन्वय में शामिल था।

सवाल पूछना विद्रोह नहीं: सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्जल भुइयां ने कहा, लोकतंत्र में अलग आवाजों को सुना जाए

एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश उज्जल भुइयां ने रविवार को कहा कि अलग राय रखने या सवाल पूछने वाले छात्रों को दंडात्मक कार्रवाई की धमकी नहीं दी जा सकती। ऐसा करना असांविधानिक और सत्ता का दुरुपयोग है। न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा कि विश्वविद्यालय ऐसी जगह होनी चाहिए, जहां 'स्थापित धारणाओं' की 'जांच और सवाल' किए जा सकें तथा असहमति का जवाब दुश्मनी से नहीं दिया जाए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय वह जगह है, जहां स्वतंत्र रूप से सोचने की आदत विकसित होती है और छात्र कठिन सवाल पूछने में संकोच नहीं करता। उन्होंने कहा कि सवाल पूछने का अधिकार विद्रोह नहीं है और 'असहिष्णु सोच' भारतीय संविधान की भावना के विपरीत है। शीर्ष

अदालत के न्यायाधीश दिल्ली स्थित राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर छात्रों के 13वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।

विधि छात्रों से जस्टिस भुइयां ने क्या-क्या कहा?

न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा, 'जब छात्र अलग दृष्टिकोण रखते हैं, जब छात्र सवाल पूछते हैं, तो उन्हें दंडात्मक कार्रवाई की धमकी नहीं दी जा सकती। यह असांविधानिक है। यह सत्ता और पद का दुरुपयोग है।' उन्होंने कहा, 'विश्वविद्यालय वह जगह है, जहां व्यक्ति ऐसे विचारों से रूबरू होते हैं, जो उनके अपने विचारों से अलग हो सकते हैं। जहां स्थापित धारणाओं की जांच और सवाल किए जा सकते हैं और जहां असहमति दुश्मनी के बजाय तर्क के जरिए व्यक्त की जा सकती है। अगर हम ऐसा लोकतांत्रिक समाज चाहते हैं, जो स्वतंत्रता और भिन्नता का सम्मान करता हो, तो इस संस्कृति की शुरुआत विश्वविद्यालयों से होनी चाहिए।'

असहिष्णु सोच को लेकर क्या बोले जस्टिस उज्जल भुइयां?

दीक्षांत समारोह में अपने संबोधन के दौरान न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा कि भारतीय संविधान यह मानता है कि एक स्वतंत्र समाज में अलग-अलग विचार और मान्यताएं होंगी। सार्वजनिक जीवन में सार्थक भागीदारी तभी संभव है, जब असहमति के लिए जगह हो। उन्होंने कहा कि सहिष्णुता एक 'सांविधानिक मूल्य' है। बुद्ध और गांधी की भूमि भारत में 'असहिष्णु सोच' के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए, क्योंकि यह भी एक तरह की हिंसा है। न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा, 'हमारा संविधान अलग तरीके से बोलने, सोचने और विश्वास करने की स्वतंत्रता की रक्षा करता है। असहिष्णुता उस व्यवस्था को कमजोर करने लगती है, जब असहमति या विरोध को वैध मतभेद के रूप में स्वीकार करने के बजाय उसे दबाने, खारिज करने या दंडित करने की कोशिश की जाती है। इसलिए असहमति के साथ जीने की क्षमता केवल सामाजिक गुण नहीं है। यह उदार सांविधानिक लोकतंत्र का मूल तत्व है।'

मणिपुर में फिर हिंसा: नोनी में उग्रवादी गुटों के बीच गोलीबारी, एक की मौत और छह घायल

'एजेंसी। इंफाल

मणिपुर में हिंसा की दो अलग-अलग घटनाओं ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है। नोनी जिले में एक सशस्त्र संगठन के दो गुटों के बीच हुई गोलीबारी में एक उग्रवादी की मौत हो गई, जबकि छह अन्य घायल हुए हैं। वहीं, थौबल जिले में एक तेल पंप के भीतर ग्रेनेड फेंके जाने से धमाका हुआ, हालांकि इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

नोनी में दो गुटों के बीच क्यों हुई गोलीबारी?

पुलिस के मुताबिक, शनिवार तड़के

नोनी जिले में जेलियांगरोंग यूनाइटेड फ्रंट-कामसन और जेलियांगरोंग यूनाइटेड फ्रंट-जेंचुई के कैडरों के बीच टकराव हुआ। इस दौरान दोनों पक्षों में गोलीबारी हुई, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह लोग घायल हो गए। पुलिस ने मृतक की पहचान 37 वर्षीय जांगैलिंग गोनमेई के रूप में की है। पुलिस के अनुसार, घायलों में से पांच को इंफाल स्थित जवाहरलाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि सभी की हालत फिलहाल स्थिर है। एक अन्य घायल को इंफाल के ही एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

थौबल में तेल पंप पर ग्रेनेड से धमाका

मणिपुर के थौबल जिले में भी शनिवार शाम एक अलग घटना सामने आई। पुलिस के मुताबिक, कुछ अज्ञात लोगों ने एक तेल पंप पर ग्रेनेड फेंका। आरोपी शाम करीब 6:30 बजे एक कार से वहां पहुंचे और परिसर के अंदर खड़े एक तेल टैंकर के पास ग्रेनेड फेंक दिया। धमाके से इलाके में अफरा-तफरी मच गई, लेकिन घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के मुताबिक, आरोपियों की पहचान के लिए तेल पंप और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि हमले के पीछे कौन लोग थे और घटना का मकसद क्या था।

अभिषेक बनर्जी की बढ़ीं मुश्किलें: बिलबोर्ड विवाद मामले में टीएमसी सांसद को पुलिस का नोटिस, अब तक 14 गिरफ्तार

'एजेंसी। कोलकाता

इस हफ्ते की शुरुआत में पार्टी के निशान वाले बिलबोर्ड को हटाने के विवाद में कोलकाता पुलिस ने टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी को नोटिस जारी किया है। इस विवाद के दौरान अभिषेक बनर्जी के कार्यालय में अधिकारियों और प्राइवेट गार्ड्स के बीच हाथापाई हुई थी। शनिवार देर शाम बनर्जी को उनके घर पर यह नोटिस दिया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि डायमंड हार्बर के सांसद से कहा गया है कि वे इस मामले के सिलसिले में शेक्सपियर सरणी पुलिस स्टेशन में पेश हों।

अभिषेक बनर्जी की बढ़ीं मुश्किलें

अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के सिलसिले में तीन एफआईआर दर्ज की गई हैं, जिनमें से दो में बनर्जी को आरोपी बनाया गया है। एफआईआर में डेरेक ओ'ब्रायन और हुमायूं कबीर समेत पार्टी के अन्य नेताओं के नाम भी शामिल हैं। अधिकारियों के मुताबिक, डेरेक ओ'ब्रायन को रविवार को नोटिस दिया गया।

डेरेक ओ ब्रायन ने हाथापाई की खबरों को नकारा

अभिषेक बनर्जी के ऑफिस के प्राइवेट गार्ड्स, उनके समर्थकों और पार्टी के कुछ नेताओं की पुलिस और कोलकाता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों के साथ हाथापाई हुई थी। वे उन्हें कैमक स्ट्रीट पर स्थित इमारत में घुसने और एक अनधिकृत बिलबोर्ड को हटाने से रोकने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि वहां मौजूद टीएमसी के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने प्राइवेट गार्ड्स द्वारा विरोध की कोशिशों की खबरों को फर्जी बताया। उन्होंने कहा कि गार्ड्स इमारत के प्रवेश द्वार पर ड्यूटी पर तैनात थे। इमारत की सबसे ऊपरी मंजिल पर सड़क की ओर बने लोहे के ढांचे पर लगे टीएमसी के निशान वाले बिलबोर्ड को ञ्स्ब्द्दष्ट के कर्मचारियों ने हटा दिया, जब पुलिस ज़बरदस्ती अंदर घुस गई। डेरेक ओ'ब्रायन ने आरोप लगाया था कि पुलिस एक गैर-कानूनी नोटिस लेकर ऑफिस में घुस गई, वरिष्ठ नेताओं के साथ मारपीट की और पार्टी समर्थकों व ऑफिस के कर्मचारियों के साथ बदसलूकी की।

डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर अपराध पर न्यायपालिका सक्रिय, संसद के फैसले का इंतजार नहीं: सीजेआई सूर्यकांत

'एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा है कि भारतीय न्यायपालिका डिजिटल अरेस्ट जैसे तेजी से उभरते धोखाधड़ी के तरीकों से निपटने के लिए सक्रिय रूप से कदम उठा रही है और ऐसे मामलों में संसद की ओर से कानून बनाए जाने का इंतजार नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि बदलती तकनीक के साथ आर्थिक अपराधों के स्वरूप में भी तेजी से बदलाव हो रहा है और न्यायपालिका को इन चुनौतियों के अनुरूप अपनी भूमिका निभानी होगी। लंदन में आयोजित 43वें इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन इकोनॉमिक क्राइम के समापन सत्र को संबोधित करते हुए सीजेआई सूर्यकांत ने शनिवार को (ब्रिटिश समय) डिजिटल अरेस्ट का उदाहरण देते हुए बताया कि ऐसे मामलों में

साइबर ठग पुलिस अधिकारियों, न्यायिक अधिकारियों या सरकारी नौकरशाहों का रूप धारण कर वीडियो कॉल के जरिए लोगों को डराते हैं और उनसे पैसे ऐंठते हैं।

न्यायपालिका ने क्या किया?

न्यायपालिका की तरफ से की गई पहल का उल्लेख करते हुए चीफ जस्टिस ने कहा, डिजिटल अरेस्ट मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्यों को इस समस्या का आकलन विस्तार से करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा, यह भारतीय न्यायपालिका के उस व्यापक दृष्टिकोण को दर्शाता है, जिसमें न्यायपालिका उभरते हुए धोखाधड़ी के तरीकों पर समय रहते प्रतिक्रिया देती है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि भारत में आर्थिक अपराधों से निपटने की व्यवस्था किसी एक कानून तक सीमित नहीं है।

चीफ जस्टिस ने किन बातों को रेखांकित किया?

- सुप्रीम कोर्ट ने इस उभरते साइबर फ्रॉड को गंभीरता से लेते हुए स्वतः संज्ञान लिया है।
- ऐसे मामलों में अपराध निर्धारित करने के अलग प्रावधान और नुकसान के अनुरूप सजा के नियम बनाने चाहिए।
- आरोपी को गिरफ्तारी के कारण लिखित रूप में बताए जाने चाहिए।
- बड़े पैमाने पर मनी लॉन्ड्रिंग के बावजूद वैश्विक पैमाने पर अवैध धन की बरामदगी बेहद कम, ये चिंताजनक।
- आर्थिक अपराध और अवैध संपत्ति की वापसी के लिए देशों के बीच सहयोग अहम।

गिरफ्तारी पर चीफ जस्टिस ने क्या कहा?

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का भी उल्लेख किया, जिसमें कहा गया है कि आरोपी को उसकी गिरफ्तारी के आधार लिखित रूप में उपलब्ध कराए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल मौखिक रूप से गिरफ्तारी के कारण पढ़कर सुना देना पर्याप्त नहीं है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बनाम केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के मामले में दिए गए फैसले का उल्लेख करते हुए सीजेआई ने बताया कि इस मामले में अदालत ने गिरफ्तारी को कानूनी माना, लेकिन इसके बावजूद जमानत दी।

मनी लॉन्ड्रिंग पूरी दुनिया के लिए कितनी बड़ी चुनौती?

मनी लॉन्ड्रिंग के वैश्विक स्तर को बेहद गंभीर चुनौती बताते हुए चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, अगर मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े वैश्विक अनुमान मोटे तौर पर भी सही हैं, तो दुनिया में एक साल में जितने पैसों का अवैध लेन-देन किया जाता है, उससे धरती पर मौजूद करीब आठ अरब लोगों में से हर एक के लिए एक सामान्य लैपटॉप खरीदा जा सकता है। इसके बाद भी पैसा बच सकता है। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी मात्रा में अवैध धन के प्रवाह के बावजूद, केवल एक प्रतिशत से कम अवैध संपत्ति ही बरामद हो पाती है।

रोबोट सैनिकों की फौज तैयार कर रहा चीन

'एजेंसी। नई दिल्ली

चीन भविष्य के युद्ध में रोबोट को सैनिकों के मोर्चे पर उतारने की तैयारी में जुट गया है। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के आधिकारिक अखबार पीएलए डेली में 28 अगस्त को प्रकाशित एक लेख में एआई और रोबोटिक्स को सैन्य विकास की क्रांतिकारी ताकत बताते हुए सीधे युद्धक क्षमता में बदलने पर जोर दिया गया है। लेख में रोबोट्स को युद्ध जीतने में सक्षम और लड़ाकू बनाने के लिए सैन्य जरूरतों और तकनीकी शोध करने की बात कही गई है। जाहिर है निकट भविष्य में सीमा पर सैनिकों के साथ ड्रोन, चार पैरों वाले रोबोट, ह्यूमनॉइड मशीनें और एआई आधारित स्वायत्त सिस्टम मिलकर काम कर सकते हैं। चीन की मौजूदा दिशा इसी संभावना की ओर इशारा करती है।

विशाल निर्माण क्षमता

तो क्या जल्द भारत-चीन सीमा पर रोबोट सैनिक दिखाई दे सकते हैं? मौजूदा ह्यूमनॉइड रोबोट अभी ऊर्जा, विश्वसनीयता, जटिल परिस्थितियों में निर्णय लेने और लंबे समय तक स्वायत्त संचालन जैसी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। लेकिन खतरा केवल इस बात में नहीं है कि चीन कब एक रोबोट सैनिक तैयार कर पाता है।

व्हाट्सएप पर आया स्क्रीनशॉट नहीं है वैध रेल टिकट, डिजिटल टिकट के नियम जानना जरूरी

रेलवन ऐप से बुक अनारक्षित टिकट उसी पंजीकृत मोबाइल में होना जरूरी, यात्रा शुरू होने से पहले लें टिकट

बिना उचित टिकट यात्रा पर अब न्यूनतम 500 का जुर्माना, थोड़ी सी जानकारी बचा सकती है परेशानी

स्मार्ट हलचल

कोटा। रेल यात्रियों के बीच डिजिटल माध्यम से टिकट लेने का चलन तेजी से बढ़ा है। मोबाइल ऐप से टिकट लेना सुविधाजनक है, लेकिन डिजिटल टिकट से जुड़े नियमों की जानकारी न होने पर यात्री को यात्रा के दौरान परेशानी के साथ जुर्माना भी भरना पड़ सकता है। कोटा मंडल ने यात्रियों से अपील की है कि रेलवन ऐप के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुक करते समय निर्धारित नियमों का विशेष ध्यान रखें। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ जैन ने बताया कि रेलवन ऐप से बुक किया गया अनारक्षित टिकट उसी मोबाइल फोन में मान्य होता है, जिसमें ऐप पंजीकृत है और जिससे टिकट बुक किया गया है। किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपने मोबाइल से टिकट बुक कर उसका स्क्रीनशॉट व्हाट्सएप अथवा अन्य माध्यम से भेज देना वैध यात्रा प्राधिकार नहीं माना जाता। इसलिए यात्री स्वयं अपने पंजीकृत मोबाइल से टिकट बुक करें और यात्रा के दौरान वही मोबाइल अपने पास रखें। उन्होंने बताया कि यात्री को यात्रा प्रारंभ करने से पहले ही वैध टिकट लेना आवश्यक है। ट्रेन में सवार होने के बाद टिकट जांच कर्मचारी को देखकर मोबाइल से टिकट बनाना अथवा किसी अन्य व्यक्ति से टिकट बनवाकर उसका स्क्रीनशॉट मंगाना नियमों के अनुरूप नहीं है। डिजिटल टिकट दिखाने के लिए संबंधित मोबाइल फोन का चालू एवं पर्याप्त रूप से चार्ज होना भी आवश्यक है।

डिजिटल टिकट लेते समय इन बातों का रखें ध्यान

यात्रा शुरू करने से पहले ही वैध टिकट प्राप्त कर लें।

रेलवन ऐप से अनारक्षित टिकट अपने पंजीकृत मोबाइल से ही बुक करें।

टिकट उसी मोबाइल में उपलब्ध होना चाहिए, जिससे उसे बुक किया गया है।

व्हाट्सएप पर प्राप्त टिकट अथवा उसका स्क्रीनशॉट वैध यात्रा प्राधिकार नहीं है।

पंजीकृत मोबाइल से बुक टिकट संबंधित मोबाइल धारक के लिए ही मान्य है।

यात्रा के दौरान संबंधित मोबाइल अपने साथ रखें और उसे पर्याप्त चार्ज रखें।

रेल प्रशासन ने यात्रियों का ध्यान इस ओर भी आकर्षित किया है कि 19 जून 2026 से बिना उचित टिकट अथवा अनियमित टिकट पर यात्रा करने की स्थिति में न्यूनतम जुर्माना ?250 से बढ़ाकर ?500 किया गया है। ऐसे में छोटी सी लापरवाही यात्री पर अतिरिक्त आर्थिक भार डाल सकती है। कोटा मंडल ने यात्रियों से अपील की है कि 'पहले टिकट, फिर यात्रा' के सिद्धांत का पालन करें। डिजिटल टिकट सुविधा यात्रा को सरल बनाने के लिए है, लेकिन इसका लाभ तभी मिलेगा जब टिकट निर्धारित प्रक्रिया और नियमों के अनुसार लिया जाए। सही जानकारी और वैध टिकट के साथ यात्रा कर यात्री जुर्माने तथा अनावश्यक असुविधा से बच सकते हैं।

पोटलां में जंगली सुअरों का आतंक

बारिश के इंतजार के बीच किसानों की फूटी चीत्कार, दर्जनों बीघा फसलें चौपट

स्मार्ट हलचल

पोटलां। कस्बे सहित क्षेत्र किसानों पर एक तरफ आसमान से बरसने वाली बूंदों के इंतजार में किसान नंगे पांव खेतों में आंखें बिछाए बैठे हैं, वहीं दूसरी तरफ खेतों में खड़ी बची-कुची फसलों पर जंगली सुअरों का कहर टूट पड़ा है। पोटलां क्षेत्र में रात के अंधेरे में आने वाले सुअरों के झुंड ने दर्जनों बीघा फसलों को पूरी तरह रोंदकर तबाह कर दिया है। पसीने से सींची गई मेहनत को आंखों के सामने बर्बाद होता देख अब बेबस किसान सिर्फ भगवान के भरोसे दिन काटने को मजबूर हैं। क्षेत्र के किसानों का कहना है कि उन्होंने मक्का, मुंगफली, ज्वार, बाजरा, मूंग और अन्य खरीफ फसलें बड़ी उम्मीदों के साथ बोई थीं। बारिश की खींचतान ने पहले ही फसलों की रंगत छीन ली है, और अब रही-सही कसर जंगली सुअरों के झुंड पूरी कर रहे हैं। किसान रातों में खेतों पर मचान बनाकर, टॉर्च और लाठियां लेकर पहरा दे रहे हैं, लेकिन सुअरों के बड़े झुंड के आगे उनकी हर कोशिश नाकाम साबित हो रही है। गांव के कई किसानों के खेतों में सुअरों ने पूरी फसल को उखाड़कर फेंक दिया है। फसलें पकने की स्थिति में आने से पहले ही बर्बाद हो जाने से किसानों के सामने लागत निकालना भी मुश्किल हो गया है। खाद, बीज और जुताई में लगा हजारों रुपये का कर्जा अब किसानों के गले की फांस बन चुका है। रिटायर्ड फौजी रतनलाल आचार्य, देवकिशन रेगर, लादू लाल नई, रतनलाल जाट जैसे पीड़ित किसानों का कहना है कि प्राकृतिक मार के साथ-साथ यह वन्यजीवों का आतंक उनकी कमर तोड़ रहा है। पिछले साल भी किसानों को सुअरों के आतंक का दंश झेलना पड़ा था वहीं कई बार आवाज उठाने के बावजूद प्रशासनिक या वन विभाग के स्तर पर कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए। खेतों की सुरक्षा के लिए ना तो कोई स्थाई समाधान मिला है और ना ही नुकसान का कोई आंकलन करने आया है। शासन व प्रशासन तुरंत गिरदावरी करवाकर पीड़ित किसानों को उचित मुआवजा दे। जंगली सुअरों को आबादी और कृषि क्षेत्रों से दूर खदेड़ने के लिए वन विभाग की टीम तैनात की जाए। खेतों की तारबंदी (फेंसिंग) के लिए अनुदान योजना को धरातल पर तेजी से लागू किया जाए। ?अगर जल्द ही इस आतंक पर लगाम नहीं लगाई गई और बारिश की मेहरबानी नहीं हुई, तो पोटलां का किसान पूरी तरह बर्बादी के कगार पर पहुंच जाएगा।

जीत्या माफी में 75 युवाओं ने किया रक्तदान 163 ने कराया नि :शुल्क नेत्र परीक्षण

26 के होंगे मोतियाबिंद के नि: शुल्क ऑपरेशन

स्मार्ट हलचल

आकोला / समस्त ग्रामवासी एवं क्षेत्रवासी जीत्या माफी (रेणवास) एवं सहयोग सेवार्थ फाउंडेशन भीलवाड़ा तत्वावधान में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय जीत्यामाफी में राष्ट्रनायकों को समर्पित विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 75 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया । शिविर में क्षेत्रवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर रक्तदान के माध्यम से मानव सेवा का संदेश दिया। आयोजन में युवाओं एवं ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की और रक्तदान को महादान बताते हुए अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया गया। इसी अवसर पर गोमाबाई नेत्रालय, नीमच एवं जिला अंधता निवारण सोसायटी, भीलवाड़ा तथा सहयोग सेवार्थ फाउंडेशन, भीलवाड़ा के सहयोग से विशाल नि:शुल्क नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर भी आयोजित किया गया। नेत्र शिविर में 163 मरीजों की आंखों की नि:शुल्क जांच की गई तथा 26 जरूरतमंद मरीजों के मोतियाबिंद ऑपरेशन एवं लेंस प्रत्यर्पण हेतु चयनित किया गया जिनका निशुल्क ऑपरेशन दिनांक 31 अगस्त को किया जाएगा । गोपाल विजयवर्गीय ने बताया कि शिविर में प्रकाश शर्मा ने 23 वी बार , भैरू नोरिया ने 21वी बार , उदय लाल जाट ने 13वी बार , संजय पांडिया, शिव पालड़िया , शांतिलाल सालवी , राजू पहाड़िया , योगेश शर्मा , पप्पू जाट , भैरू प्रजापत , बबलू खटीक, आदि ने रक्तदान किया । शिविर में अनिल जाट ने दुर्लभ रक्त समूह का दान किया ।। मुरलिया , आमा सुठेपा से लोगो का विशेष सहयोग रहा शिविर में , उदय लाल धीनावत , रोहित शर्मा ,भेरु शंकर शर्मा , प्रकाश शर्मा , भैरू नोरिया , रामप्रसाद , नंदलाल , शिव व्यास , का सहयोग रहा ।। शिविर में सभी चयनित मरीजों को निशुल्क दवाई एवं चश्मे भी वितरित किए गए । सभी रक्तदाताओं का सम्मान पत्र प्रदान कर अभिनंदन किया गया एवं आभार व्यक्त किया गया ।

Gen-Z के हाथ में वोट की ताकत, सवालों के घेरे में

शहर की व्यवस्था-न्यास की बहुचर्चित लॉटरी से लेकर अधूरे नाले और टूटी सड़कों तक युवा बोले, अब वादे नहीं, पांच साल का हिसाब चाहिए

अतिक्रमण हटाया, नालियां तोड़ दीं... बनाने की सुध नहीं; रोडवेज के पास चार माह से खुदा नाला बना परेशानी का सबब

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा (महेन्द्र नागौरी)। निकाय चुनाव की सरगर्मी के बीच राजनीतिक दल टिकट और समीकरणों में उलझे हैं, लेकिन शहर का युवा इस बार अलग मूड में है। खासकर पहली बार मतदान करने जा रही लद्गठ्ठ- पीढ़ी का सवाल सीधा है–जिसे पांच साल के लिए सत्ता देंगे, वह शहर को पांच साल में देगा क्या? शहर के अलग-अलग इलाकों में युवाओं से बातचीत में यह बात सामने आई कि नई पीढ़ी अब केवल पार्टी के निशान, जातीय समीकरण या चुनावी भाषणों से प्रभावित होने के मूड में नहीं है। उसकी प्राथमिकता बेहद व्यावहारिक है–साफ शहर, ठीक सड़कें, सुरक्षित गलियां, अच्छे पार्क, ऑनलाइन शिकायत व्यवस्था और जनप्रतिनिधि की जवाबदेही। लेकिन इन सवालों के बीच शहर में वर्षों से चली आ रही अव्यवस्था की कई ऐसी तस्वीरें भी सामने हैं, जिन्हें युवा निकाय व्यवस्था की असली परीक्षा मान रहे हैं।

'लॉटरी में भूखंड नहीं निकला, रिफंड के लिए भी चक्कर'–न्यास की चर्चित लॉटरी फिर चर्चा में

निकाय चुनाव के बीच न्यास की बहुचर्चित लॉटरी का मुद्दा भी लोगों की बातचीत में फिर उभर रहा है।

तिलक नगर के मोहन बताते हैं कि उन्होंने न्यास की लॉटरी में भूखंड के लिए आवेदन किया था। भूखंड नहीं निकला तो रकम वापस पाने के लिए भी उन्हें काफी चक्कर लगाने पड़े। उनका कहना है कि आम आदमी के लिए आवेदन करना जितना आसान बताया जाता है, काम पूरा होने के बाद व्यवस्था से अपना पैसा वापस लेना उतना ही मुश्किल नजर आता है। मोहन की शिकायत केवल रिफंड तक सीमित नहीं है। वे तत्कालीन निगम बोर्ड की कार्यशैली और भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर भी अपनी नाराजगी जाहिर करते हैं।

युवाओं की नजर में यह पूरा मामला एक बड़े सवाल में बदल गया है–

'जब आम आदमी अपना पैसा जमा करता है तो व्यवस्था तुरंत ले लेती है, लेकिन पैसा वापस करने में महीनों क्यों लगते हैं?'

यही सवाल अब निकाय चुनाव में प्रत्याशियों की जवाबदेही से भी जुड़ रहा है।

अतिक्रमण हटाया, नालियां तोड़ीं... फिर निर्माण क्यों नहीं?

शहर के विभिन्न हिस्सों में अतिक्रमण हटाने के दौरान निगम की कार्रवाई ने कई जगह रास्ते और नालियां खुलवाने की कोशिश की, लेकिन व्यापारियों और स्थानीय लोगों की शिकायत है कि तोड़फोड़ के बाद कई नालियां आज तक व्यवस्थित नहीं की गईं।

इसका सीधा असर व्यापारियों और आम राहगीरों पर पड़ रहा है। कहीं खुली नालियां परेशानी बन रही हैं तो कहीं अधूरे निर्माण से आवागमन प्रभावित है।

व्यापारियों का सवाल है कि यदि अतिक्रमण हटाना जरूरी था तो उसके बाद नाली निर्माण और सड़क बहाली की पूरी योजना क्यों नहीं बनाई गई?

युवाओं की भाषा में यह प्रशासनिक कार्रवाई से ज्यादा 'अधूरे काम की संस्कृति' का उदाहरण बन चुका है।

रोडवेज के पास चार माह से खुदा नाला, रास्ता बना मुसीबत

रोडवेज बस स्टैंड के निकट नाले की खुदाई को चार महीने से ज्यादा समय बीत चुका है, लेकिन स्थानीय लोगों के अनुसार अब तक इसका निर्माण पूरा नहीं हो पाया है।

नाला खुदा पड़ा है और लोगों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के दौरान स्थिति और गंभीर होने का खतरा बना रहता है।

लोगों का सवाल सीधा है–

'नाला बनाने में चार महीने से ज्यादा लग रहे हैं तो शहर के बड़े विकास कार्यों का क्या होगा?'

यही सवाल अब चुनावी बहस का हिस्सा बन रहा है।

लद्गठ्ठ- की नाराजगी का केंद्र–'पहले बुनियादी सुविधाएं, फिर स्मार्ट सिटी के सपने'

बीकॉम प्रथम वर्ष के छात्र नरेश कच्छावा कहते हैं कि पार्टी से ज्यादा जरूरी योग्य और पढ़ा-लिखा प्रतिनिधि है। उनका कहना है कि युवा अब यह देखेगा कि प्रत्याशी के पास वार्ड के लिए ठोस योजना क्या है।

तिलक नगर की छात्रा हेमलता सफाई व्यवस्था को सबसे बड़ा मुद्दा मानती हैं। उनका कहना है कि सर्किलों और सार्वजनिक स्थानों पर नियमित सफाई होनी चाहिए और जाम नालियों की समस्या का स्थायी समाधान जरूरी है।

आरके कॉलोनी की पीएचडी छात्रा सुमन बदहाल पार्कों को लेकर नाराज हैं। उनका कहना है कि पार्कों में ओपन जिम, वॉकिंग ट्रैक और फिटनेस सुविधाएं होनी चाहिए।

युवा चाहते हैं पार्षद का 'परफॉर्मेंस कार्ड'

एमए छात्र श्रवण सिंह वार्ड स्तर पर डिजिटल और वाई-फाई रीडिंग जोन की मांग करते हैं।

पहली बार वोट करने जा रहीं सारिका जैन चाहती हैं कि पार्षद को हर छह महीने में अपने काम का सार्वजनिक ब्यौरा देना चाहिए।

छात्रा मोनिका चाहती हैं कि व्हाट्सऐप या ऑनलाइन पोर्टल से शिकायत दर्ज हो और 48 घंटे में समाधान की व्यवस्था हो।

डिम्पल महिलाओं की सुरक्षा के लिए डार्क स्पॉट पर बेहतर रोशनी और सीसीटीवी कवरेज की मांग करती हैं।

यानी युवाओं की मांग केवल सड़क-नाली तक सीमित नहीं है। वे डिजिटल जवाबदेही और पारदर्शिता भी चाहते हैं।

सबसे बड़ा मुद्दा–स्वच्छता

युवाओं से बातचीत में सफाई सबसे बड़ा मुद्दा बनकर उभरता है। कचरा उठाव की अनियमितता, जगह-जगह कचरे के ढेर, आवारा पशु, गंदा पानी और जाम नालियां उनकी नाराजगी बढ़ा रहे हैं।

संजय कॉलोनी के सुरेश शर्मा कहते हैं कि वे प्रत्याशी का केवल पोस्टर या भाषण देखकर वोट नहीं करेंगे। प्रत्याशी को पहले पांच साल का विजन डॉक्यूमेंट और स्वच्छता का स्पष्ट प्लान जनता के सामने रखना होगा।

अब सवाल सिर्फ 'कौन जीतेगा?' नहीं, 'जीतकर करेगा क्या?'

इस चुनाव में लद्गठ्ठ- का मूड राजनीतिक दलों के लिए संकेत है। युवा पूछ रहा है–

न्यास की लॉटरी में पैसा लगाने वाले को समय पर रिफंड क्यों नहीं?

अतिक्रमण हटाने के बाद नालियां अधूरी क्यों?

रोडवेज के पास चार महीने से खुदा नाला कब बनेगा?

सड़कों का पैचवर्क महीनों तक क्यों अटका रहता है?

कचरा नियमित क्यों नहीं उठता?

पार्कों में सुविधाएं कब आएंगी?

शिकायत का समाधान 48 घंटे में क्यों नहीं हो सकता?

और सबसे बड़ा सवाल–पार्षद पांच साल में आखिर करेगा क्या?

लद्गठ्ठ- का चुनावी संदेश साफ है–

'लॉटरी से लेकर नाले तक, पोस्टर से लेकर परफॉर्मेंस तक–अब हर चीज का हिसाब चाहिए।'

निकाय चुनाव में इस बार मुकाबला सिर्फ प्रत्याशियों के बीच नहीं है। एक तरफ राजनीतिक दलों के दावे हैं और दूसरी तरफ सवाल पूछती नई पीढ़ी।

युवा कह रहा है–वोट मांगने से पहले विजन दिखाओ, काम का रोडमैप बताओ और पांच साल बाद हिसाब देने की गारंटी दो।

दो दिन से लापता मासूम भाई बहन के तालाब में मिले शव,

देदपुरा गांव में पसरा मातम

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर/मसूदा। मसूदा थाना क्षेत्र की देवास ग्राम पंचायत के देदपुरा गांव में दो दिन से लापता चल रहे मासूम भाई-बहन के शव रविवार सुबह तालाब में मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर मसूदा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से दोनों शवों को तालाब से बाहर निकलवाकर मसूदा उप जिला चिकित्सालय की मोर्चरी में पहुंचाया। जानकारी के अनुसार जीवाना निवासी शंकरसिंह की पत्नी प्यारी देवी रक्षाबंधन के अवसर पर अपने बच्चों 7 वर्षीय रीना कुमारी और 5 वर्षीय नरेंद्र सिंह के साथ देदपुरा स्थित ननिहाल आई थीं। 28 अगस्त को दोपहर करीब एक बजे दोनों बच्चे अचानक घर से लापता हो गए। परिजनों ने तलाश के बाद पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस और ग्रामीणों ने क्षेत्र में सर्च अभियान चलाया। रविवार सुबह परिजन व ग्रामीण तालाब के आसपास बच्चों की तलाश कर रहे थे। इसी दौरान तालाब में दोनों बच्चों के शव दिखाई दिए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शवों को बाहर निकलवाया। दोनों शवों को मसूदा उप जिला चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया गया, जहां पुलिस ने पोस्टमार्टम की कार्रवाई करवाई। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिए गए। रामगढ़ चौकी प्रभारी ओमप्रकाश ने बताया कि बच्चों के लापता होने के बाद पुलिस की ओर से लगातार दो दिनों तक तलाश अभियान चलाया गया था। रविवार को दोनों बच्चों के शव तालाब में मिले। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंप दिए। मासूम भाई-बहन की मौत की खबर से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं घटना के बाद देदपुरा गांव में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

भवानी मंडी नगर निकाय चुनाव राजनीति में आया भूचाल

पूर्व पालिका अध्यक्ष रामलाल गुर्जर पुत्रवधू पिंकी गुर्जर तथा पूर्व पार्षद सुगना गुर्जर सहित कांग्रेस में शामिल

स्मार्ट हलचल

रणवीर सिंह चौहान भवानी मंडी भवानी मंडी नगर निकाय चुनाव की राजनीति में आज देर शाम शाम एक भूचाल आया जिसमें भाजपा के पूर्व पालिका अध्यक्ष रामलाल गुर्जर उनकी पुत्रवधू पूर्व पालिका अध्यक्ष पिंकी गुर्जर तथा पार्षद सुगना गुर्जर ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की भवानी मंडी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रोड सिंह ने दूरभाष पर जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व पालिका अध्यक्ष रामलाल गुर्जर उनकी पुत्रवधू पूर्व पालिका अध्यक्ष पिंकी गुर्जर तथा पार्षद श्रीमती सुगना गुर्जर ने आज कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की पूर्व विधानसभा कांग्रेस प्रत्याशी चेतराज गहलोत के प्रतिष्ठान भवानी रिजॉर्ट पर कांग्रेस नेताओं ने पूर्व पालिका अध्यक्ष रामलाल गुर्जर तथा पुत्रवधू पिंकी गुर्जर व पूर्व पार्षद सुगना गुर्जर का भव्य स्वागत किया ब्लॉक अध्यक्ष रोड सिंह ने बताया कि पूर्व पालिका अध्यक्ष रामलाल गुर्जर ने बिना किसी शर्त कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की है कांग्रेस परिवार में उनका स्वागत है इस संबंध में पूर्व पालिकाद्य अध्यक्ष रामलाल गुर्जर से बात करने का प्रयास किया तो उनसे बात नहीं हो पाई

आबकारी आयुक्त के निर्देशन में

अवैध मदिरा पर कार्रवाई जारी, वॉश एवं भट्टियां नष्ट

स्मार्ट हलचल

उदयपुर, आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशानुसार प्रदेश में निकाय चुनाव आदर्श आचार संहिता के तहत अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम के लिए जारी निरोधात्मक गतिविधियों के तहत नाकाबंदी, गश्त, दबिश की प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में अवैध मदिरा जब्त करते हुए हजारों लीटर वॉश नष्ट कर अभियोग दर्ज किए। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए अन्य राज्य की शराब की तस्करी, अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन व विक्रय पर आबकारी निरोधक टीमों द्वारा प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। श्रीगंगानगर जिले के रायसिंहनगर में ईपीएफ दल की कार्रवाई में 600 लीटर वॉश सहित एक कच्ची भट्टी नष्ट करते हुए 20 लीटर अवैध हथकड़ शराब जब्त की गई। श्रीगंगानगर में एक अन्य कार्रवाई के तहत लक्ष्मीनारायण नाहर ग्राम खश्रा में 3 हजार लीटर वॉश सहित 3 अवैध भट्टियां नष्ट की गई। भीलवाड़ा के कुवांडा खान, ग्राम कुवाडा में कोठारी नदी के पेटे में 4 हजार लीटर वॉश सहित 5 भट्टियां नष्ट की गई। मौके से 15 लीटर अवैध हथकड़ शराब भी जब्त की। बारां जिले के शाहबाद उपखंडमें ग्राम गाडीघाट के समीप के वन क्षेत्र में तलाशी के दौरान 1700 लीटर वॉश एवं 6 भट्टियां नष्ट की गई मौके से 30 लीटर अवैध हथकड़ शराब भी बरामद की गई। इसी प्रकार प्रदेश में समस्त अतिरिक्त आबकारी आयुक्त जोन, आबकारी उपायुक्त, जिला आबकारी अधिकारी, आबकारी निरीक्षक एवं आबकारी निरोधक दल द्वारा अवैध मदिरा के विरूद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्यवाही की जा रही है।

कालियास के बाहेती अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के सदस्य बने

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा /अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के मुख्य चुनाव अधिकारी रतनलाल मंडोवरा ने जिला स्तर पर हुरड़ा, आसींद, रायपुर करेड़ा कस्बे के कार्यकारी मंडल सदस्यों द्वारा चुने गए आसींद कालियास के समर्थ लाल बाहेती को अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा का सदस्य चुने जाने पर महासभा के जिलाध्यक्ष अशोक बाहेती, मंत्री रमेश चंद्र राठी, नवरत्न मल सोमानी ओम प्रकाश बिड़ला , कैलाश जी कचोलिया सहित ग्राम वासियों ने माहेश्वरी महासभा का आभार व्यक्त कर बाहेती को शुभकामनाएं प्रेषित की है चुनाव प्रभारी लक्ष्मी नारायण सोमानी ने बताया कि तहसील स्तर पर हुरड़ा,आसींद, रायपुर, करेड़ा कस्बे के सदस्यों द्वारा बाहेती को चुना गया इस अवसर पर उन्होंने कहा कि माहेश्वरी समाज के विकास एवं उत्थान के लिए वह हर संभव तत्पर रहेंगे और सामाजिक कार्यों को आगे बढ़ाना उनकी प्राथमिकता रहेगी ।

वार्ड 29 में सिंधी समाज की अनदेखी पर रोष, महेश परवानी को निर्दलीय उतारने पर बनी सहमति

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर। नगर परिषद चुनाव को लेकर वार्ड 29 में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। वार्ड में सिंधी समाज की कथित अनदेखी को लेकर समाज के लोगों ने नाराजगी जताते हुए आगामी चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी मैदान में उतारने का निर्णय लिया है। इसे लेकर आयोजित बैठक में महेश परवानी को निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतारने पर सर्वसम्मति से सहमति बनी। बैठक में समाज की ओर से वार्ड में प्रतिनिधित्व और भागीदारी को लेकर चर्चा की गई। समाजजनों ने एकजुट होकर चुनाव लड़ने और अपने प्रत्याशी के समर्थन में सक्रियता से कार्य करने का निर्णय लिया। बैठक में देवीदास सोनी, नरेंद्र जेसवानी, बाबू भाई वासवानी, प्रेम मंघलानी, नरेश रामचंदानी और राम भारती सहित समाज के अन्य लोग उपस्थित रहे।

करियाप पाबूजी धाम में सजेगा आस्था का भव्य मेला

श्री नागणेच्या माता मंदिर की मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा 13-14 सितंबर को, 13 को महायज्ञ व शोभायात्रा और 14 को होगी मूर्ति स्थापना

स्मार्ट हलचल

करियाप/जैसलमेर। करियाप पाबूजी धाम जैसलमेर में नव निर्मित श्री नागणेच्या माता मंदिर की मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। प्राण-प्रतिष्ठा समारोह 13 एवं 14 सितंबर को धार्मिक उत्साह के साथ आयोजित किया जाएगा। आयोजन को लेकर श्री पाबूजी शोध एवं विकास समिति करियाप जैसलमेर की बैठक दिलीप सिंह राजावत की अध्यक्षता तथा चंपत सिंह भंवरिया महाबार के निर्देशन में आयोजित हुई। बैठक में बताया गया कि 13 सितंबर को महायज्ञ एवं भव्य शोभायात्रा का आयोजन होगा, जबकि 14 सितंबर को श्री नागणेच्या माता की मूर्ति स्थापना की जाएगी। समारोह के दौरान भव्य मेले का भी आयोजन किया जाएगा। मेले एवं धार्मिक कार्यक्रमों की सभी व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी कार्यकर्ताओं को सौंपी गई। समिति पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने आयोजन को भव्य एवं सफल बनाने के लिए आवश्यक तैयारियों पर चर्चा की। साथ ही अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से करियाप पाबूजी धाम पहुंचकर धार्मिक आयोजन में भाग लेने का आह्वान किया गया। बैठक में सचिव जीवन सिंह पूनमनगर, पूर्व अध्यक्ष सवाई सिंह म्याजलार, कोषाध्यक्ष पाबूदान सिंह, कान सिंह महाबार, शोभ सिंह चौसरा, माधो सिंह किता, शैतान सिंह सिपला, चंदन सिंह सिपला, भुराराम, फतेह सिंह सहित कई भगत उपस्थित रहे। अंत में समिति उपाध्यक्ष विशन सिंह लुद्रवा ने सभी उपस्थित सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

आसींद निकाय चुनाव में नामांकन का उफान, दूसरे दिन 33 पर्चे

पहले दिन 4, दूसरे दिन 33 आवेदन; अंतिम दिन बागियों और दावेदारों की भीड़ के आसार

आसींद में दूसरे दिन गरमाया चुनावी मैदान, 33 नामांकन दाखिल

स्मार्ट हलचल

आसींद भीलवाडा (महेन्द्र नागौरी)। नगर निकाय चुनाव 2026 में नामांकन के दूसरे दिन ही सियासी हलचल तेज हो गई। शनिवार को उपखंड कार्यालय में प्रत्याशियों और समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ी और विभिन्न वार्डों से 33 नामांकन आवेदन दाखिल हुए। पहले दिन महज 4 आवेदन आए थे। निर्वाचन अधिकारी एवं एसडीएम विकास मोहन भाटी ने नामांकन प्राप्त किए। पुलिस-प्रशासन की टीम व्यवस्था संभालती नजर आई। 85 वर्षीय दादी के साथ पहुंचा पौता बना आकर्षण: वार्ड 18 से निर्दलीय टीकमचंद सोनी अपनी 85 वर्षीय दादी गीता देवी और परिजनों के साथ नामांकन दाखिल करने पहुंचे। उन्होंने विकास और जनसेवा को प्राथमिकता बताया। दूसरे दिन कांग्रेस, भाजपा और निर्दलीय प्रत्याशियों ने कई वार्डों में पर्चे भरे। वार्ड 19 में भाजपा के भानु प्रताप सिंह, गजेन्द्र सिंह शेखावत और मूलसिंह काठेड़ सहित कई दावेदारों ने नामांकन किया, जबकि वार्ड 25 में कांग्रेस, भाजपा और निर्दलीय प्रत्याशियों ने पर्चे दाखिल किए। अब आखिरी दिन पर नजर: नामांकन की अंतिम तारीख सोमवार है। ऐसे में अंतिम दिन सबसे ज्यादा पर्चे दाखिल होने और टिकट से वंचित दावेदारों के निर्दलीय मैदान में उतरने से मुकाबला और रोचक होने के आसार हैं।

साइकिल पर निकली पुलिस, शहर को दिया फिटनेस का संदेश

'संडे ऑन साइकिल' में अफसरों से जवानों तक ने थामी साइकिल, 'फिट इंडिया-फिट भीलवाड़ा' का दिया संदेश

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा / रविवार सुबह शहर की सड़कों पर पुलिस अफसरों से लेकर जवानों और साइकिल प्रेमियों तक का अलग अंदाज नजर आया। पुलिस प्रशासन एवं भीलवाड़ा साइकिल क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'संडे ऑन साइकिल' रैली में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लेकर फिटनेस, स्वस्थ जीवनशैली और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। डिप्टी एसपी गजेंद्र सिंह, सीओ सिटी सज्जन सिंह सांकड़ा, शहर कोतवाल हनुमान सिंह, प्रतापनगर कोतवाल सुनील ताड़ा एवं वरिष्ठ नागरिक मंच अध्यक्ष मदन खटोड़ ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पुलिस अधिकारियों और विभिन्न थानों के जवानों ने भी साइकिल चलाकर अभियान में भाग लिया। साइकिल क्लब प्रभारी अरुण संतोष मुछाल ने कहा कि पुलिस की भागीदारी से अभियान को नई ऊर्जा मिली। अतिथियों ने साइकिल को स्वस्थ जीवन और स्वच्छ पर्यावरण का माध्यम बताते हुए इसे दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। रैली सिटी कंट्रोल रूम से शुरू होकर सदर बाजार, गोल प्याऊ चौराहा, सूचना केंद्र, भीमगंज थाना, अर्बन बैंक रोड, सिटी कोतवाली, राजेंद्र मार्ग और मुरली विलास रोड होते हुए वापस कंट्रोल रूम पहुंची। इस दौरान 'साइकिल का डोज–आधा घंटा रोज' और 'फिट इंडिया, फिट भीलवाड़ा' जैसे नारों से शहरवासियों को फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

चेहरा नहीं, वाणी बताती है इंसान के संस्कार : युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी

'रूप आंखों को भाता है, मधुर वाणी हृदय में घर बनाती है' शांतिभवन में धर्मसभा के दौरान दिया वाणी संयम का संदेश...

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा (महेन्द्र नागौरी) रूप कुछ पल के लिए आकर्षित कर सकता है, लेकिन मधुर वाणी वर्षों तक दिल में जगह बनाए रखती है। मनुष्य का चेहरा उसका बाहरी परिचय है, जबकि उसकी वाणी भीतर के संस्कारों का आईना है। यह संदेश श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी ने रविवार को शांतिभवन में आयोजित धर्मसभा में दिया। युवाचार्यश्री ने कहा कि वाणी की मधुरता केवल आवाज में नहीं, मन की निर्मलता में होती है। क्रोध शब्दों में ताप, अहंकार में कठोरता, माया में बनावट और लोभ में स्वार्थ भर देता है। इसलिए शब्दों को सुधारने से पहले मन के भावों को सुधारना जरूरी है। उन्होंने कहा कि कोयल अपने रूप से नहीं, स्वर से पहचानी जाती है। इसी तरह इंसान की पहचान भी उसके चेहरे से ज्यादा उसके व्यवहार और बोलने के तरीके से बनती है। कठोर शब्द पलभर में निकलते हैं, लेकिन उनकी चोट वर्षों तक रह सकती है। युवाचार्यश्री ने रंग-रूप को लेकर हीनभावना से बचने की सीख देते हुए कहा कि गोरा-काला, मोटा-पतला या बाहरी बनावट किसी की श्रेष्ठता तय नहीं करती। जो मिला है उसे स्वीकारें, जो सुधर सकता है उसे सुधारें और अपनी श्रेष्ठता को सही दिशा दें। उन्होंने वाणी को सत्य, स्पष्ट और जिम्मेदार बनाने पर जोर दिया। कहा कि अधूरी और अपुष्ट बात समाज में भ्रम फैलाती है। अनावश्यक निंदा, विवाद और चर्चाओं में शब्दों के साथ मानसिक ऊर्जा भी नष्ट होती है। गुरु आनन्द ऋषिजी का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी वाणी में केवल स्वर नहीं, वात्सल्य था। तानसेन-अकबर के प्रसंग के जरिए उन्होंने समझाया कि दुनिया को प्रभावित करने के लिए किया गया गायन कला है, जबकि परमात्मा में तल्लीन होकर किया गया गायन साधना बन जाता है।

सिद्धितप की आराधना का अनुमोदन

इस अवसर पर युवाचार्यश्री सहित साधु-साध्वीवृंद और श्रीसंघ ने सिद्धितप में रत तप आराधकों की सुखसाता पूछकर तप की अनुमोदना की। तप आराधकों ने एक, तीन एवं पांच उपवास सहित विभिन्न तपों के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। शांतिभवन वर्षावास समिति एवं विभिन्न मंडलों के पदाधिकारियों और श्रद्धालुओं ने युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी, नवदीक्षित महक ऋषिजी, उपप्रवर्तिनी दिव्य ज्योतिजी, साध्वी रोचक दर्शनाजी व साध्वी सुबोधीजी आदि की तप आराधना की अनुमोदना की। मंत्री नवरतनमल भलावत ने बताया कि 8 से 15 सितंबर तक पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व के तहत शांतिभवन में प्रतिदिन प्रवचन, तप और विविध धार्मिक आयोजन होंगे।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजस्थान (विद्यालय शिक्षा) खण्ड चित्तौड़गढ़ की साधारण सभा की बैठक रविवार को राउप्रावि कुंभानगर में आयोजित हुइ

स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़ । अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजस्थान (विद्यालय शिक्षा) खण्ड चित्तौड़गढ़ की साधारण सभा की बैठक रविवार को राउप्रावि कुंभानगर में आयोजित हुई। बैठक में सर्वसम्मति से नई खण्ड कार्यकारिणी का गठन किया गया। कालूलाल रायका को दूसरी बार खण्ड अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष उदयपुर संभाग पूरणमल लौहार, पूर्व जिलाध्यक्ष तेजपाल सिंह शक्तावत तथा अतिरिक्त जिला मंत्री एवं खण्ड पालक राजेंद्र कुमार गगरानी के निर्देशन में संगठन की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई। प्रथम सत्र में पूरणमल लौहार ने संगठन के परिचय एवं वार्षिक कार्ययोजना पर प्रकाश डाला। खण्ड पालक राजेंद्र कुमार गगरानी ने पांच प्रमुख दायित्वों की घोषणा की। इनमें अध्यक्ष पद पर कालूलाल रायका, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शेर सिंह शक्तावत, महिला उपाध्यक्ष सुषमा पुरोहित, मंत्री केशव व्यास तथा कोषाध्यक्ष महावीर प्रसाद शर्मा निर्वाचित हुए। द्वितीय सत्र में तेजपाल सिंह शक्तावत ने कार्यकर्ताओं के आचरण एवं व्यवहार से संबंधित जानकारी दी। जिला संगठन मंत्री जोगेंद्र सिंह राणावत ने सम्पूर्ण खण्ड कार्यकारिणी की घोषणा की। नई कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष पुरुष पद पर देवकीनंदन वैष्णव, महिला मंत्री प्रवीण चौधरी, अध्यापक सदस्य शांति लाल बैरागी, वरिष्ठ अध्यापक सदस्य राजेंद्र व्यास, प्राध्यापक सदस्य ओमप्रकाश चिमनानी, प्रधानाचार्य सदस्य ओमप्रकाश छीपा, शारीरिक शिक्षा सदस्य दिलीप सिंह शक्तावत, महिला शिक्षक सदस्य प्रमिला गदिया, संस्कृत शिक्षा सदस्य लखन सिंह जाटव, प्रयोगशाला सहायक पुष्कर धाकड़, पुस्तकालयाध्यक्ष अजीत कुमार, सेवानिवृत्त शिक्षक महेश नुवाल, कम्प्यूटर शिक्षक लादू लाल भील तथा पंचायत शिक्षक प्रमोद कुमार वैष्णव निर्वाचित किए गए। बैठक को जिला महिला संगठन मंत्री मधु जैन, नवनिर्वाचित अध्यक्ष कालूलाल रायका एवं मंत्री केशव व्यास ने भी संबोधित किया। मंच संचालन देवकीनंदन वैष्णव ने किया। कार्यक्रम में जिला संगठन मंत्री जोगेंद्र सिंह राणावत एवं जिला महिला संगठन मंत्री मधु जैन का स्वागत किया गया। कोषाध्यक्ष महावीर प्रसाद शर्मा ने आभार व्यक्त किया। इस दौरान राजेश कुमार दाधीच, शंभूलाल जाट, नन्द किशोर धाकड़, नोसर जाट, मुबारक खान, भैरवदत्त राव, महिपाल चौधरी, रामेश्वर लाल जाट, नरेश कुमार गोस्वामी, निर्मल धाकड़, देवीलाल मीणा, पंकज दशोरा, ऋषिराज जोशी, विनय त्रिपाठी, लोकेश कुमार सोनी, गणपत लाल रेबारी, लादू लाल रायका, मनमोहन बैरवा, विजय मीणा, बाबूलाल धाकड़, भारत सिंह, अर्जुन सिंह, किशन लाल, पारस टेलर सहित अन्य शिक्षक एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बैडमिंटन के सितारों से सजेगा भीलवाड़ा, जुटेंगे उत्तर भारत के धुरंधर शटलर, 2 सितंबर से नॉर्थ जोन चैंपियनशिप

छह राज्यों के खिलाड़ी उतरेंगे कोर्ट पर, फोरआर्म्स एकेडमी में राष्ट्रीय स्तर के मुकाबलों की तैयारी पूरी

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । भीलवाड़ा में अगले पांच दिन बैडमिंटन के रोमांच से सराबोर रहने वाले हैं। सांगानेर रोड स्थित फोरआर्म्स बैडमिंटन एकेडमी में 2 से 6 सितंबर तक योनेक्स-सनराइज नॉर्थ जोन बैडमिंटन चैंपियनशिप के मुकाबले खेले जाएंगे। राजस्थान बैडमिंटन संघ के तत्वावधान में और भीलवाड़ा जिला बैडमिंटन संघ की मेजबानी में होने वाली इस प्रतियोगिता में उत्तर भारत के प्रमुख राज्यों के खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। आयोजन सचिव अभिषेक शर्मा ने बताया कि राजस्थान के कई स्टार खिलाड़ी भीलवाड़ा पहुंच चुके हैं। इनमें भारतीय टीम के पूर्व जूनियर सदस्य शुभम पटेल, डेनिष श्रीवास्तव, भुवन सिंह, आयुष भाम्भू, जागृत बिनानी और आर्यन त्यागी शामिल हैं। महिला वर्ग में ऑल इंडिया जूनियर रैंकिंग विजेता पारुल चौधरी के साथ स्नेहा लांबा, तनिषा सिंह, काव्या स्वामी, शिरिल चौधरी, रितिका झामनानी, देशना जैन और आराध्या जोधा भी पहुंच चुकी हैं। खिलाड़ियों ने कोच सौरभ चंदेल के मार्गदर्शन में एकेडमी के आधुनिक कोर्ट पर अभ्यास शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया कि राजस्थान के शेष खिलाड़ी भी 31 अगस्त तक भीलवाड़ा पहुंचेंगे। वहीं दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और चंडीगढ़ की टीमें 1 सितंबर तक यहां पहुंच जाएंगी। आयोजन समिति के अध्यक्ष मुकेश खंडेलवाल ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। बाहर से आने वाले खिलाड़ियों, कोचों और मैच ऑफिशियल के ठहरने, सात्विक एवं पौष्टिक भोजन तथा मैच स्थल तक परिवहन की समुचित व्यवस्था की गई है। चैंपियनशिप में विभिन्न जूनियर एवं सीनियर आयु वर्गों में एकल और युगल मुकाबले होंगे। पांच दिनों तक चलने वाले इन मुकाबलों में उत्तर भारत के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ साधारण सभा खंड शाहपुरा बैठक संपन्न

नयनबुला अध्यक्ष, संजय त्रिपाठी मंत्री मनोनीत

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा (भीलवाड़ा)-। शाहपुरा-अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ विद्यालय शिक्षा राजस्थान खंड शाहपुरा की प्रथम बैठक आदर्श विद्या मंदिर गांधी पुरी में आयोजित हुई। प्रथम सत्र के अध्यक्षता राकेश सोनी ने की पालक अधिकारी के रूप में पवन जोशी ने संगठन के स्वरूप, कार्य पद्धति व सिद्धांतों की जानकारी दी। प्रदेश निर्देशानुसार नवीन कार्यकारिणी का मानोनयन किया। जिसमें सर्व समिति से अध्यक्ष नयन बुला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राकेश कुमार सोनी, उपाध्यक्ष पुरुष पंकज सोनगरा, उपाध्यक्ष महिला सुधा पारीक, मंत्री संजय कुमार त्रिपाठी ,महिला मंत्री नयन बाला सोमानी, कोषाध्यक्ष नवरत्न मल बगड़िया ,अध्यापक सदस्य शिवराज धाकड़, वरिष्ठ अध्यापक सदस्य श्रवणकुमार धाकड़,प्रधानाचार्य सदस्य अनिल कुमार बगेरवाल ,प्राध्यापक सदस्य शंकर लाल चौधरी , शारीरिक शिक्षक सदस्य पवन कुमार छिपा, संस्कृत शिक्षा सदस्य कृष्ण गोपाल धाकड़ ,पुस्तकालय अध्यक्ष प्रकाश धोबी सेवानिवृत शिक्षक सदस्य दिनेश शुक्ला, प्रबोधक सदस्य भगवत सिंह चुंडावत, कंप्यूटर शिक्षक सदस्य राहुल दाधीच पंचायत शिक्षक सदस्य सत्यनारायण वैष्णव एवं दस जिला साधारण सभा सदस्य शिवराज कुमार विजय सिंह, सुनील धाभाई,मनोज सोनी ,आशीष कोहली निंबाराम गुर्जर, हिम्मत सिंह भाटी ,मायाकांतआचार्य, मनोनीत किए गए। द्वितीय सत्र की अध्यक्षता नयन बुला ने की उन्होंने संगठन की सदस्यता व संकुल स्तर परप्रवास की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन खंड मंत्री संजय कुमार त्रिपाठी ने किया। बैठक में अजमेर संभाग संगठन मंत्री महेश कुमार शर्मा,जिला मंत्री अमर सिंह चौहान, जिला महिला संगठन मंत्री चंदा सुवालका, जिला महिला मंत्री शांति धाभाई, मोहनलाल कोली सहित कहीं पदाधिकारीउपस्थित रहे।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ सहाड़ा के अध्यक्ष वैष्णव पांचवी बार निर्वाचित

स्मार्ट हलचल

गंगापुर / अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ खंड सहाड़ा की साधारण सभा रविवार को पीएम श्री सकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गंगापुर में प्रारंभ हुई। साधारण सभा में सर्वसम्मति से 3 वर्ष के लिए अध्यक्ष बालमुकुंद वैष्णव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नारायण सिंह चुंडावत, उपाध्यक्ष (पुरुष) मुकेश सिंह बड़वा, उपाध्यक्ष (महिला) पूजा शर्मा, मंत्री विभुराज सिंह चौहान, महिला मंत्री आशा राणावत, कोषाध्यक्ष प्रकाश चंद्र राणवा, अध्यापक सदस्य राम प्रसाद सुवालका, वरिष्ठ अध्यापक सदस्य जगदीश चंद्र जाट, प्राध्यापक सदस्य मोहनलाल प्रजापत, उप प्रधानाचार्य सदस्य सत्यनारायण चेचाणी, शारीरिक शिक्षक सदस्य रूपनारायण बिश्नोई, महिला शिक्षा शिक्षक सदस्य सुमन तेली, संस्कृत शिक्षक सदस्य (संस्कृत विभाग) परमेश वैष्णव, प्रयोगशाला सहायक सदस्य सावन टेलर, सेवानिवृत शिक्षक सदस्य हीरा लाल सुधार, प्रबोधक सदस्य अवधेश शर्मा, कंप्यूटर शिक्षक सदस्य सौरभ शर्मा, पंचायत शिक्षक सदस्य रतनलाल वैष्णव, जिला महा समिति सदस्य रमेशचंद्र वैष्णव, दिनेश कुमार आचार्य, घनश्याम शर्मा, गिरिजेश दाधीच, भूपेश दाधीच, गोवर्धन लाल स्वर्णकार, रेखा जीनगर आदि का निर्विरोध निर्वाचन किया गया। इस अवसर पर प्रहलादराय तेली, हरीश सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक सदस्य उपस्थित रहे।समस्त कार्यक्रम का संचालन जिला सह मीडिया प्रभारी रमेश चंद्र वैष्णव ने किया।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की साधारण सभा बैठक आयोजित, मान सिंह मीणा तीसरी बार बने खंड अध्यक्ष

स्मार्ट हलचल

अलकेश पारीक जहाजपुर। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की साधारण सभा बैठक रविवार को आदर्श विद्या मंदिर जहाजपुर में आयोजित हुई। बैठक में संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिले से नियुक्त जिला पालक हनुमान प्रसाद शर्मा की उपस्थिति में खंड कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिला पालक द्वारा खंड कार्यकारिणी के पांच सदस्यों की नियुक्ति की गई। इस दौरान संगठन की कार्यप्रणाली, आगामी कार्यक्रमों तथा शिक्षकों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से मान सिंह मीणा को लगातार तीसरी बार अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ खंड जहाजपुर के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। उनके लगातार तीसरी बार अध्यक्ष चुने जाने पर उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष संजीव शर्मा की भी गरिमामय उपस्थिति रही। वहीं कमल सिंह मीणा को मंत्री, दिनेश कुमार सेन को उपाध्यक्ष, प्रियंका रानी शर्मा को महिला मंत्री तथा अभिषेक जांगिड़ को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। इसके साथ ही 15 सदस्यीय खंड कार्यकारिणी का मनोनयन किया गया। बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, शिक्षकों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाने तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी कार्यकर्ताओं के साथ विचार-विमर्श किया गया।

दुख की घड़ी में मानवता की मिसाल, मोदी परिवार ने किया नेत्रदान

दो दृष्टिहीनों के जीवन में आएगा उजियारा, सामाजिक उत्तरदायित्व का दिया संदेश

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा / इंसान चला जाता है, लेकिन उसके जाने के बाद भी किसी की जिंदगी रोशन हो सकती है। इसी भावना को साकार करते हुए वर्धमान कॉलोनी निवासी मोदी (गटियाणी) परिवार ने स्व. रामचंद्र मोदी के नेत्रदान की सहमति देकर समाज के सामने संवेदना, सेवा और मानवता का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया। लायन राकेश पगारिया ने बताया की नेत्रदान से प्राप्त कॉर्निया दो दृष्टिहीन व्यक्तियों के जीवन में उजियारा लाने में सहायक होंगे। दुख की घड़ी में भी दूसरों के जीवन में नया सवेरा लाने का मोदी परिवार का यह कदम संपूर्ण समाज के लिए प्रेरणादायक है। लायंस क्लब आई बैंक भीलवाड़ा की ओर से रविवार 30 अगस्त को मोदी परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया गया। स्व. रामचंद्र मोदी पुत्र स्व. अंबालाल मोदी, वर्धमान कॉलोनी निवासी के निधन के बाद परिवार के पुत्र पुष्कर दयाल, दिनेश चंद्र, डॉ. राकेश मोदी, पौत्र सौरभ, अक्षत, अर्थव सहित परिवार के अन्य सदस्यों ने नेत्रदान की सहमति प्रदान की। इस पुनीत कार्य में दीपक लड्ढा एवं लायन राकेश पगारिया का विशेष सहयोग और प्रयास रहा। लायंस क्लब अध्यक्ष ललित सांखला ने कहा कि शोकाकुल वातावरण में परिवार द्वारा लिया गया यह साहसिक और प्रेरणादायक निर्णय अत्यंत सराहनीय है। मीडिया प्रभारी मनीष बंब ने बताया कि डॉ. मोहित जेथलिया, डॉ. तरुणा दरगड़, डॉ. प्रतिष्ठा छिपा एवं नेत्र सहायक चेतन भट्ट के निर्देशन में वरिष्ठ नेत्र सहायक एवं टेक्नीशियन दिनेश बाथम ने मोदी परिवार के वर्धमान कॉलोनी स्थित निवास पर पहुंचकर कॉर्निया उत्सर्जन की प्रक्रिया पूरी की। लायंस क्लब आई बैंक भीलवाड़ा ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त मोदी परिवार के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

देहरादून में प्री-नेशनल प्रतियोगिता में द वॉरियर शूटिंग एकेडमी का शानदार प्रदर्शन

25 से अधिक खिलाड़ियों ने नेशनल प्रतियोगिता के लिए किया क्वालिफाई

स्मार्ट हलचल

सादुलपुर :-देहरादून में आयोजित प्री-नेशनल शूटिंग प्रतियोगिता में द वॉरियर शूटिंग एकेडमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुएबड़ी उपलब्धि हासिल की। प्रतियोगिता में एकेडमी के 25 से अधिक खिलाड़ियों ने नेशनल प्रतियोगिता के लिए क्वालिफाई किया। खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता के दौरान शानदार निशानेबाजी, एकाग्रता और आत्मविश्वास का परिचय दिया। 25 से अधिक खिलाड़ियों का नेशनल के लिए क्वालिफाई करना एकेडमी के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है। इस सफलता पर कोच नरेश झाझड़िया एवं पूरन सिंह ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, नियमित अभ्यास और अनुशासन के चलते यह सफलता हासिल हुई है। कार्यक्रम के आयोजन में धीरज जाट एवं नीरज झाझड़िया का भी विशेष सहयोग रहा। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर अभिभावकों, प्रशिक्षकों और एकेडमी परिवार में खुशी का माहौल है।

संक्षिप्त समाचार

35 का प्याज, दिल्ली में 70 का: कांदा एक्सप्रेस के 453.65 टन प्याज लेकर पहुंचने के बाद भी नहीं मिली राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने महंगे प्याज से राहत देने के लिए नासिक से कांदा एक्सप्रेस चलाकर 453.65 टन प्याज दिल्ली पहुंचाया। बफर स्टॉक के इस प्याज को 35 रुपये किलो की दर से उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का दावा भी किया गया। लेकिन शनिवार को राजधानी के बाजारों में इस दावे की तस्वीर उलट नजर आई। सफल स्टोर पर प्याज 52 से 60 रुपये किलो और खुले बाजार में 60 से 70 रुपये किलो तक बिकता मिला। यानी सरकार की घोषित कीमत और उपभोक्ता की जेब से निकल रही कीमत के बीच 25 से 35 रुपये किलो तक का अंतर है। सीमापुरी में प्याज बेच रहे हसमुद्दीन के मुताबिक, ग्राहक लगातार पूछ रहे हैं कि जब सरकार 35 रुपये किलो प्याज दे रही है तो बाजार में 60 रुपये क्यों। उनका कहना है कि उनके पास सरकारी स्टॉक नहीं आता। मंडी से जिस भाव पर प्याज मिलता है, उसी हिसाब से खुदरा कीमत तय करनी पड़ती है। लक्ष्मी नगर के दुकानदार अबरार ने कहा कि सरकारी सप्लाई बढ़ने का असर थोक बाजार में आने में समय लगेगा। खरीद कीमत कम होने पर ही खुदरा भाव नीचे आएगा। कांदा एक्सप्रेस के जरिए सरकार उत्पादन क्षेत्र से बड़े उपभोग केंद्रों तक प्याज पहुंचाकर कीमतों पर दबाव कम करना चाहती है। पहली खेप दिल्ली पहुंच चुकी है। मोबाइल वैन के जरिये भी सस्ता प्याज बेचने की व्यवस्था की गई है। कई उपभोक्ताओं ने बताया कि उनके इलाकों में उन्हें 35 रुपये किलो प्याज बेचने वाली मोबाइल वैन दिखाई ही नहीं दी। उद्यान मार्ग स्थित सफल स्टोर पर प्याज 52 से 60 रुपये किलो मिला। पंचकुईया मार्ग स्थित सफल स्टोर पर भी भाव 60 रुपये किलो था। प्याज खरीदने पहुंचीं सुमन लता ने कहा कि 35 रुपये किलो प्याज मिलने की खबर से उम्मीद थी लेकिन सफल स्टोर पर भी 50 रुपये से ज्यादा कीमत मिलने से निराशा हुई। एक अन्य ग्राहक अनीता ने कहा कि 35 रुपये किलो की खबर सुनकर उम्मीद बनी थी। पर, बाजार और स्टोर दोनों जगह कीमत ज्यादा मिली। घोषणा और दुकान के रेट में इतना अंतर समझ में नहीं आ रहा है।

टिंबर फैक्टरी में लगी भीषण आग, 25 दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं

नईदिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी दिल्ली में राजधानी मेट्रो स्टेशन के पास रविवार तड़के टिंबर और प्लाईवुड फैक्टरी में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग लगने की सूचना मिलते ही दिल्ली दमकल सेवा की टीम मौके पर पहुंची। दमकल विभाग ने आग पर काबू पाने के लिए 25 दमकल गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। दमकल विभाग की ओर से मामले की जांच की जा रही है।

पांच अस्पतालों में बनेंगे क्रिटिकल केयर ब्लॉक, 400 बेड की क्षमता विकसित करने की प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना महामारी के दौरान क्रिटिकल केयर सुविधाओं की कमी से हुई समस्याओं के मद्देनजर राजधानी के पांच बड़े अस्पतालों में क्रिटिकल केयर ब्लॉक तैयार किए जाएंगे। लोक निर्माण विभाग ने कुल 400 बेड की क्षमता विकसित करने की प्रक्रिया शुरू की है। इनमें भगवान महावीर अस्पताल, महर्षि वाल्मीकि अस्पताल, दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल, बाबा साहेब आंबेडकर अस्पताल और इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन बिहेवियर एंड एलाइड साइंसेज (इबहास) शामिल हैं। डीडीयू, महर्षि वाल्मीकि और भगवान महावीर अस्पताल में सौ-सौ बेड के ब्लॉक बनेंगे। बीएसए अस्पताल और इबहास में पचास-पचास बेड के ब्लॉक प्रस्तावित हैं। इन सुविधाओं के लिए करीब 34 हजार वर्गमीटर क्षेत्रफल निर्धारित किया गया है। इन ब्लॉकों को सामान्य दिनों में अस्पताल के साथ एकीकृत रूप से चलाया जाएगा। महामारी या अन्य स्वास्थ्य आपात स्थिति में इन्हें मुख्य अस्पताल से अलग किया जा सकेगा।

नेपाल की मदद के लिए दिल्ली की 23 संस्थाओं ने बढ़ाए हाथ, खून-पसीने की कमाई से जुटाए 90 लाख रूपये

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में बड़ी संख्या में नेपाली मूल के लोग रहते हैं, रोजी-रोटी की चिंता व बेहतर जिंदगी की उम्मीद उन्हें यहां खिंच लाई है, लेकिन जब से उनके देश में प्रलय आया है तब से उनकी सारी चिंता अपने देश व देशवासियों के आस-पास सिमट गई है। घर व दोस्तों से संपर्क कर अपनों की सलामती जानी जा रही है। जो नहीं रहे, उनके दुख में आंखें जार है। वहां के हालात देखकर कलेजा फटा जा रहा है। ऐसे में वह अपने गाढ़े पसीने की कमाई में से अधिक से अधिक राशि वहां मदद के लिए भेज रहे हैं। दिल्ली में नेपाली मूल की संख्या दो से तीन लाख है। उनमें से अधिकतर नौकरी पेशा है। वे यहां की संस्कृति, भाषा में रच बस गए हैं। लेकिन, बात जब महाप्रलय की, तो सारा ध्यान अब उधर है। दिल्ली में प्रमुख रूप से 23 नेपाली संस्थाएं हैं जो दिल्ली में नेपाली मूल के लोगों के सहयोग, संवाद, संस्कृति से जुड़ी हुई है। उन्होंने कोशिश कर करीब

90 लाख रुपये जुटाकर नेपाल के प्रधानमंत्री राहत कोष में भेजे हैं। ऐसी संस्थाओं के पदाधिकारियों के अनुसार, उनकी कोशिश करीब दो करोड़ भारतीय रुपये इकट्ठा कर भेजने की है। नेपाली मूल के लोगों की संस्था मित्र मंच मानव कल्याण समिति के महासचिव कांशीराम आचार्य के अनुसार, उनका यह योगदान आई विभिषिका के मुकाबले नगण्य है, लेकिन वह लोग कोशिश कर रहे हैं। लगे हुए हैं कि कुछ मदद कर पाए।

जल्द पहुंचाएंगे दवाइयां

कई लोग अपने लोग विभीषिका में बह गए। उनका अता पता नहीं है। उनके बारे में पता करने की कोशिश की जा रही है। इस क्रम में वह दिल्ली स्थित उद्यमियों से संपर्क कर रहे हैं ताकि वह कुछ सहायता सामग्री वहां पहुंचा सके। जल्द ही कोशिश रसद और दवाइयों की एक खेप पहुंचाने की है। कांशीराम आचार्य के अनुसार, वहां जन-धन हानि की कोई कल्पना नहीं है। दिल्ली-नेपाल चैंबर कामर्स आफ इंडस्ट्री के अध्यक्ष युबराज बराल के अनुसार, वह दिल्ली के के उद्यमियों व व्यापारियों से चर्चा कर कोशिश कर रहे हैं कि वह नेपाल की बाढ़ के लिए मदद करें और वह उसके लिए आगे आ रहे हैं।

फ्लाईओवर के नीचे छिपा है 18वीं सदी की सराय का इतिहास, विरासत स्थल घोषित करने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी की भागती सड़कों, फ्लाईओवर और कंक्रीट के बीच इतिहास की पुरानी कहानी सामने आ रही है। मथुरा रोड स्थित मोदी मिल फ्लाईओवर के नीचे हरियाली के बीच मौजूद खंडहरों को 18वीं सदी की 'सराय जुलियाना' के संभावित अवशेष के तौर पर पहचाना गया है। खोजकर्ताओं के अनुसार, यह सराय पुर्तगाली मूल की डोना जुलियाना डियास दा कोस्टा ने वर्ष 1720 में बनवाई थी। मुगल दरबार में खास प्रभाव रखने वाली जुलियाना का नाम सराय से जुड़ना इसे ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण बनाता है। एमसीडी हेरिटेज सेल के सदस्य सचिव डॉ. अकील अहमद के मुताबिक, 17वीं और 18वीं शताब्दी में इस मार्ग से व्यापारी, सैनिक, अधिकारी, तीर्थयात्री और यूरोपीय यात्री आवाजाही करते थे। ऐसे मार्गों पर यात्रियों और उनके पशुओं के ठहरने के लिए कुएं, पेड़, कोस मीनार और सराय बनाई जाती थीं। अवशेषों से संकेत मिलता है कि सराय जुलियाना छोटा पड़ाव नहीं, बल्कि बड़ा परिसर रही होगी। यहां कम से कम 15 कमरों, पशुओं के लिए अलग स्थान और शाकाहारी व मांसाहारी यात्रियों के लिए रसोई हैं।

दिल्ली में होगा 'टोक्यो-बार्सिलोना' जैसा वेस्ट मैनेजमेंट, एमसीडी अपनाएगी दुनिया के बड़े शहरों के मॉडल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में कचरा प्रबंधन की व्यवस्था में बदलाव की तैयारी है। एमसीडी इसके लिए दुनिया के बड़े शहरों के माडल का अध्ययन करेगी। इनमें टोक्यो, न्यूयार्क और बार्सिलोना शामिल हैं। इन शहरों में

अपनाई जा रही व्यवस्थाओं को दिल्ली की जरूरत के अनुसार अपनाने पर विचार होगा।

इस संबंध में एमसीडी आयुक्त संजीव खिरवार ने शनिवार को विश्व बैंक के विशेषज्ञों के साथ बैठक की। बैठक में कचरा संग्रहण, परिवहन और प्रसंस्करण पर चर्चा हुई। वैज्ञानिक निस्तारण को लेकर भी सुझाव लिए गए।

बैठक में कचरा प्रबंधन के तीन अलग-अलग माडल सामने रखे गए। टोक्यो में तकनीक आधारित व्यवस्था पर जोर है। वहां 23 वेस्ट-टू-एनर्जी संयंत्र हैं। इन संयंत्रों में कचरे का प्रसंस्करण किया जाता है।

कचरे से ऊर्जा हासिल करने पर भी जोर है। दिल्ली में भी कचरे से संसाधन हासिल करने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। इससे कचरे के निस्तारण की समस्या को कम किया जा सकता है। साथ ही लैंडफिल पर दबाव घटाने में मदद मिल सकती है। न्यूयार्क के माडल की भी जानकारी दी गई। वहां कचरे के परिवहन और प्रसंस्करण में निजी एजेंसियों की भूमिका है। कचरे को शहर से बाहर स्थित प्रसंस्करण सुविधाओं तक भी भेजा जाता है। दिल्ली में इस मॉडल के उपयोग की संभावनाओं पर चर्चा हुई। बार्सिलोना का माडल अलग है। वहां कचरा कम करने पर जोर दिया जा रहा है। घरों से कचरे का अलग-अलग संग्रह भी बढ़ाया जा रहा है। नागरिकों के व्यवहार में बदलाव के लिए अभियान चलाए जाते हैं। शहर में विकेंद्रीकृत कचरा प्रबंधन सुविधाओं को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। एमसीडी अधिकारियों ने दिल्ली की मौजूदा व्यवस्था की जानकारी दी। इसमें कचरा संग्रहण और परिवहन की स्थिति बताई गई। वर्तमान और प्रस्तावित प्रसंस्करण संयंत्रों की जानकारी भी दी गई। निगम की ओर से किए जा रहे प्रयासों का ब्योरा भी रखा गया। विश्व बैंक की टीम ने दिल्ली के लिए संभावित रणनीतिक माडल पर चर्चा की। इसमें निगम की कार्यक्षमता बढ़ाने पर जोर है। वित्तीय व्यवस्था को मजबूत करने की बात भी कही गई। कचरा प्रबंधन से होने वाले उत्सर्जन को कम करना भी लक्ष्य है निगमायुक्त संजीव खिरवार ने कहा कि दूसरे शहरों के मॉडल को दिल्ली में सीधे लागू नहीं किया जाएगा। स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखा जाएगा। उपयोगी पहलुओं को ही अपनाया जाएगा। उन्होंने समयबद्ध और टिकाऊ रणनीति बनाने पर जोर दिया।उन्होंने कहा कि बेहतर कचरा प्रबंधन के लिए तकनीक और प्रभावी योजना जरूरी है। इसमें नागरिकों की भागीदारी भी अहम होगी।

डीयू में छात्रसंघ चुनाव की सरगर्मी तेज, 18 सितंबर को मतदान; अभाविप और एनएसयूआईने मेनिफेस्टो के लिए मांगे सुझाव

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) चुनाव की तारीख नजदीक आते ही छात्र संगठनों ने कॉलेज परिसरों में प्रचार तेज कर दिया है। इस बार संगठनों का खास जोर नए दाखिला लेने वाले छात्रों यानी फ्रेशर्स तक पहुंच बनाने पर है।

छात्र संगठनों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता कॉलेजों में जाकर छात्रों से उनकी समस्याएं पूछने के साथ ही घोषणापत्र में शामिल किए जाने वाले मुद्दों पर सुझाव भी ले रहे हैं।

एनएसयूआई की ओर से विभिन्न कॉलेजों में छात्रों से संपर्क किया जा रहा है। संगठन प्रचार के दौरान आधारभूत ढांचे, वाई-फाई सुविधा, नियमित कक्षाएं और कैंटीन के भोजन जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठा रहा है। संगठन के एक सदस्य के अनुसार, वर्ष 2025 में उपाध्यक्ष पद जीतने वाले राहुल झांसला ने मेरा कैंपस, मेरा घोषणापत्र अभियान चलाया था। इसी पहल को इस वर्ष भी आगे बढ़ाते हुए छात्रों से सुझाव लिए जा रहे हैं, ताकि उनके मुद्दों को घोषणापत्र में शामिल किया जा सके।

वहीं, एबीवीपी ने फ्रेशर्स से व्यक्तिगत मुलाकातों पर जोर दिया है। संगठन के सदस्य नए छात्रों से वन-टू-वन बातचीत कर उनकी प्राथमिकताएं जान रहे हैं। 'मेरा डीयू, मेरा घोषणापत्र' अभियान के तहत छात्रों से मिले सुझावों को चुनावी घोषणापत्र में शामिल करने की तैयारी है। एआइएसए भी प्रथम वर्ष के छात्रों के बीच अपनी पहुंच बढ़ाने में जुटा है। संगठन की ओर से छात्रों को कैंपस की राजनीति और छात्र मुद्दों से परिचित कराने के साथ प्रगतिशील राजनीतिक संस्कृति से जोड़ने की बात कही जा रही है। संगठन का मुख्य फोकस चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (एफवाईयूपी) और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) से जुड़े मुद्दों पर है।

एआइएसए के एक कार्यकर्ता ने कहा कि दूसरे और तीसरे वर्ष के छात्र एनईपी और एफवाईयूपी से अधिक प्रभावित हुए हैं, इसलिए ये संगठन की प्राथमिकता में हैं।

वहीं, एसएफआइ और एआइएसए के बीच संभावित गठबंधन को लेकर उन्होंने इसे संयुक्त लड़ाई बताया। डूसू चुनाव 18 सितंबर को होंगे और परिणाम 19 सितंबर को घोषित होने की संभावना है।

डीटीसी में नहीं टिकता मुखिया! दो साल में 3 एमडी बदले, बार-बार नेतृत्व परिवर्तन से कैसे दौड़ेगी दिल्ली की बस सेवा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) को राजधानी की लाइफलाइन कहा जाता है, लेकिन इसका मुखिया लगभग हर साल बदल जाता है। कई अधिकारी तो एक साल भी इस पद पर काम नहीं कर सके और उनका तबादला कर दिया गया।

ऐसे में निगम की योजनाओं और प्रबंधन में निरंतरता बनाए रखना चुनौती बना हुआ है। पिछले कुछ वर्षों से यही स्थिति बनी हुई है। अब डीटीसी के मुखिया यानी प्रबंध निदेशक जितेंद्र यादव का तबादला हो गया है, उन्हें केंद्र सरकार ने लक्षद्वीप भेज दिया है। जब डीटीसी में कई योजनाओं पर काम चल रहा है। बसों का बेड़ा बढ़ाने के साथ साथ उनके लिए इलेक्ट्रिक डिपो उपलब्ध कराना भी चुनौती है। बसों की उपलब्धता

और ब्रेकडाउन की समस्या को कम करने पर काम हो रहा है। इसके साथ ही राजस्व बढ़ाने के नए प्रयास शुरू हुए हैं। ऐसे माहौल में डीटीसी में बार बार बदलाव को बेहतर नहीं माना जा रहा है। वैसे यह पहली बार नहीं है। पिछले सालों का रिकार्ड उठा लिया जाए तो तीन साल में कोई भी अधिकारी साल तक नहीं टिक सका है। स्थिति पर गौर करें तो जितेंद्र यादव ने 22 सितंबर 2025 को डीटीसी में ज्वाइन किया था और एक साल भी पूरा नहीं कर पाए हैं और तबादला हो गया है। इनसे पहले प्रिंस धवन ने डीटीसी में इस पद को 16 जून 2025 को संभाला, वह 21 सितंबर 2025 तक इस पद पर रहे। वह करीब तीन माह ही पूरा कर पाए। इनसे पहले सचिन शिंदे ने 12 अगस्त 2024 को इस पद पर ज्वाइन किया और जून 2025 में तबादला हो गया। यानी वह भी एक साल पूरा नहीं कर पाए। मतलब दो साल में तीन प्रबंध निदेशक बदल गए हैं।

बच्चे तो ऐसे रोज पिटते हैं, तुम्हे जो करना है कर लो', डायरेक्टर ने दी ये धमकी

नई दिल्ली, एजेंसी। बच्चे तो ऐसे रोज पिटते हैं, जाओ तुम्हे जो करना है कर लो। ये जवाब स्कूल की महिला डायरेक्टर ने मासूम के पिता को दी। पीड़ित पिता स्कूल की डायरेक्टर से मासूम के साथ दरिंदगी के बारे में पूछ रहे थे। इतना ही नहीं स्कूल की प्रिंसिपल, टीचर्स और दूसरा स्टाफ भी बचाव में जुट गए। मासूम के पिता ने स्कूल से ही पीसीआर कॉल कर पुलिस को खबर दी। इसके बाद पुलिस ने अपनी जांच शुरू की गई। पुलिस मासूम को पहले मेडिकल के लिए जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ले गई। वहां डॉक्टरों ने पाया कि मासूम के बाएं पैर में और एक आंख के पास सूजन है। बाकी जांच के लिए बाल रोग विशेषज्ञ के पास जीटीबी अस्पताल रेफर कर दिया गया। अस्पताल में भी मासूम के साथ दरिंदगी के सबूत मिले। इसके बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के दिशा निर्देश के बाद 28 अगस्त को इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया। फिलहाल मामले में अभी किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। पुलिस ने स्कूल की फुटेज के अलावा कुछ अन्य सबूत भी जुटाए हैं। वहीं मासूम के पिता ने बताया कि उनका बेटा महज 3 साल पांच माह का है। कुछ ही समय पूर्व परिवार ने उसका दाखिला करवाया था। पिछले कुछ दिनों से मासूम बुरी तरह डरा रहने लगा था। उसने घर में बातचीत भी करना छोड़ दिया था। यहां तक कि वह रात को ठीक से सो भी नहीं पा रहा था। जैसे ही उसकी आंख लगती अचानक वह सोते-सोते रोने लगता था।

सीबीएसई जोनल में अंडर-19 टीम इवेंट में लड़कियों ने जीता ब्रॉन्ज मेडल

हिमांशी, याशिका खंडेलवाल और तनीष्का शर्मा ने शानदार प्रदर्शन कर बढ़ाया सादुलपुर का गौरव

स्मार्ट हलचल

सादुलपुर :- अ सीबीएसई जोनल गेम्स में द वारियर शूटिंग अकादमी की अंडर-19 महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम इवेंट में कांस्य पदक (ब्रॉन्ज मेडल) हासिल किया। टीम में हिमांशी, याशिका खंडेलवाल एवं तनीष्का शर्मा शामिल रहीं। तीनों खिलाड़ियों ने बेहतरीन निशानेबाजी का प्रदर्शन करते हुए यह गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की। सीबीएसई जोनल जैसे प्रतिष्ठित स्तर की प्रतियोगिता में पदक जीतना अकादमी और क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। खिलाड़ियों की इस सफलता के पीछे उनकी कड़ी मेहनत, नियमित अभ्यास, अनुशासन और एकाग्रता का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अकादमी के कोच नरेश झाझड़िया एवं पूरन सिंह के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता की तैयारी की। वहीं कार्यक्रम के आयोजन में धीरज जाट एवं नीरज झाझड़िया का विशेष सहयोग रहा। एथलेटिक्स कोच कृष्ण कुमार पुनिया एवं अशोक कुमार (जोधपुर मिष्ठान भंडार) ने बच्चों को माला पहनकर एवं मिठाई खिलाकर उनका स्वागत किया ।

बाबा रामदेव दर्शननाथ पैदल संघ रवाना

स्मार्ट हलचल

गिड़ा। ग्राम पंचायत शहर के धुड़ाणीयो की ढाणी से रविवार को 13 वीं बार बाबा रामदेव पैदल दर्शननाथ जत्था गाजे बाजे के साथ रवाना हुआ, खीयाराम सारण ने बताया की पैदल जत्थे को पूर्व वार्ड पंच रामाराम कड़वासरा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। संघ संचालक महेन्द्र कड़वासरा के नेतृत्व में हर वर्ष की भांति 13वीं बार पैदल यात्रा रणुजा धाम रामदेव बाबा रामसापीर के दर्शन के लिए बालाजी नवयुवक मंडल संघ के 30 सदस्य दर्शन के लिए रवाना हुए यह पैदल दर्शननाथ जत्था 1 नवम्बर को रामदेवरा पहुंचेंगे जहां बाबा रामदेव के दर्शन, पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि के साथ अमन चैन व चैत्र में खुशहाली की कामना करेंगे।

इस अवसर पर ये रहे मौजूद

संघ अध्यक्ष मूलाराम फौजी, पूर्व वार्डपंच रामाराम , अध्यापक सोनाराम,ओमप्रकाश गौड़, दिनेश गौड़, बालाराम, अमराराम, महेन्द्र सारण, मूलाराम, तेजाराम, चोखाराम, गणेश, मदन, राजेन्द्र, कुलदीप, पप्पू सियाग, सतीश वेरड सहित आदि भक्त मौजूद रहे।

अभिषेक बनर्जी की बढ़ीं मुश्किलें : बिलबोर्ड विवाद मामले में टीएमसी सांसद को पुलिस का नोटिस, अब तक 14 गिरफ्तार

कोलकाता, एजेंसी। इस हफ्ते की शुरुआत में पार्टी के निशान वाले बिलबोर्ड को हटाने के विवाद में कोलकाता पुलिस ने टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी को नोटिस जारी किया है। इस विवाद के दौरान अभिषेक बनर्जी के कार्यालय में अधिकारियों और प्राइवेट गार्ड्स के बीच हाथापाई हुई थी। बनर्जी को उनके घर पर यह नोटिस दिया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि डायमंड हार्बर के सांसद से कहा गया है कि वे इस मामले के सिलसिले में मंगलवार दोपहर शेक्सपियर सरणी पुलिस स्टेशन में पेश हों।

अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के सिलसिले में तीन एफआईआर दर्ज की गई हैं, जिनमें से दो में बनर्जी को आरोपी बनाया गया है। एफआईआर में डेरेक ओब्रायन और पूर्व विधायक हुमायूं कबीर समेत पार्टी के अन्य नेताओं के नाम भी शामिल हैं। अधिकारियों के मुताबिक, डेरेक ओ ब्रायन को रविवार को नोटिस दिया गया। गुरुवार को अभिषेक बनर्जी के ऑफिस के प्राइवेट गार्ड्स, उनके समर्थकों और पार्टी के कुछ नेताओं की पुलिस और कोलकाता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों के साथ हाथापाई हुई थी। वे उन्हें कैमक स्ट्रीट पर स्थित इमारत में घुसने और एक अनधिकृत बिलबोर्ड को हटाने से रोकने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि वहां मौजूद टीएमसी के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने प्राइवेट गार्ड्स द्वारा विरोध की कोशिशों की खबरों को फर्जी बताया। उन्होंने कहा कि गार्ड्स इमारत के प्रवेश द्वार पर ड्यूटी पर तैनात थे। इमारत की सबसे ऊपरी मंजिल पर सडक़ की ओर बने लोहे के ढांचे पर लगे टीएमसी के निशान वाले बिलबोर्ड को केएमसी के कर्मचारियों ने हटा दिया, जब पुलिस ज़बरदस्ती अंदर घुस गई। डेरेक ओ ब्रायन ने आरोप लगाया था कि पुलिस एक गैर-कानूनी नोटिस लेकर ऑफिस में घुस गई, वरिष्ठ नेताओं के साथ मारपीट की और पार्टी समर्थकों व ऑफिस के कर्मचारियों के साथ बदसलूकी की।

अखिल भारतीय बैरवा महासभा जयपुर संभाग के चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न

स्मार्ट हलचल

जयपुर/ । अखिल भारतीय बैरवा महासभा राजस्थान के तत्वावधान में जयपुर संभाग के जिला एवं तहसील स्तरीय प्रमुख पदों

के लिए चुनाव रविवार 30 अगस्त 2026 को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुए। जिला जयपुर में मतदान केंद्र बस्सी, चाकसू, सांगानेर एवं डॉ. बी. आर. अम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी झालाना, जयपुर तथा मालपुरा जिला टोंक में मतदाताओं ने उत्साह के साथ मतदान किया। चुनाव व्यवस्था में रोडू राम सुलानिया, मुख्य चुनाव अधिकारी, एडवोकेट शंकरलाल बैरवा, जयपुर संभाग चुनाव अनुशासन समिति, धन्ना लाल बैरवा, जयपुर संभाग पर्यवेक्षक, किशन लाल बंशीवाल, जिला जयपुर चुनाव अधिकारी, हरिराम नागरवाल, राजेंद्र कुमार बैरवा सहायक जिला चुनाव अधिकारी तथा देवा लाल बैरवा, जिला टोंक चुनाव अधिकारी, ओ.पी. बैरवा, जिला पर्यवेक्षक सहित समस्त पीठासीन अधिकारियों एवं मतदान अधिकारियों ने निष्पक्ष एवं निर्बाध रूप से चुनाव संपादित करवाया। इस अवसर पर समाज की कई प्रमुख हस्तियों ने स्वयं मतदान कर मतदान के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। इनमें रामकुमार वर्मा, पूर्व सांसद राज्यसभा, ओमप्रकाश बैरवा पूर्व आईएएस एवं आयुक्त कॉलेज शिक्षा, हरिनारायण बैरवा, राष्ट्रीय मुख्य संरक्षक, रामदयाल बड़ोदिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष, रामनिवास जोनवाल, राष्ट्रीय महामंत्री, कजोड़मल बैरवा, राजस्थान प्रदेश मुख्य संरक्षक, ओमप्रकाश वर्मा मूर्तिकार, प्रदेश अध्यक्ष, अमरचंद बैरवा 'लांका ', प्रदेश महामंत्री, सतीश जारवाल, प्रदेश प्रवक्ता, बाबूलाल महुआ, हरिकिशन माचीवाल, के.डी. बैरवा, बुद्धिप्रकाश देव, हीरालाल हुडला, पांचू राम बैरवा, अर्जुन माल्या, एडवोकेट बाबूलाल बैरवा, विनोद कुमार बैरवा सहित हजारों समाज बंधुओं ने भागीदारी की। उल्लेखनीय है कि महासभा द्वारा संपूर्ण राजस्थान में चार संभाग निर्धारित कर चार चरणों में चुनाव करवाए जा रहे हैं। बूंदी, अजमेर, दौसा संभागों में चुनाव पूर्व चरणों में संपन्न हो चुके हैं। चतुर्थ चरण में जयपुर संभाग का चुनाव रविवार को संपन्न हुआ। सभी संभागों में समाज द्वारा अनुशासन एवं उत्साहपूर्वक मतदान सराहनीय रहा। मुख्य चुनाव अधिकारी रोडू राम सुलानिया ने चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रदेश संयोजक विजय लाल बैरवा, जयपुर संभाग चुनाव अधिकारी शंकर लाल बैरवा सहित समस्त पदाधिकारियों, सहयोगियों एवं मतदाताओं का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

'पेड़ लगाओ-जीवन बचाओ अभियान-2026' के तहत जमवारामगढ़ में भव्य वृक्षारोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम सम्पन्न

'सांसें हो रही हैं कम, आओ पेड़ लगाएं हम- सुमन मीणा

स्मार्ट हलचल

जमवारामगढ़/ भरत देवड़वाल। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से श्री लक्ष्मीनारायण मीणा मेमोरियल ट्रस्ट, कानड़ियावाला एवं टीम सुमन मीणा (TSM), जमवारामगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में चलाए जा रहे 'पेड़ लगाओ-जीवन बचाओ अभियान-2026' के अंतर्गत आज जमवारामगढ़ क्षेत्र में वृहद वृक्षारोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान की शुरुआत सुबह 9:30 बजे कानड़ियावाला कृषि फार्म से हुई। इसके बाद क्रमवार थोलाई मोड़ (10:30 बजे), सायपुर (11:00 बजे), खरड़ (11:30 बजे), भावनी (12:00 बजे), दांतली (1:00 बजे), महंगी (2:00 बजे), कुशलपुरा (3:00 बजे), रायसर (4:00 बजे) तथा देवतीला (5:00 बजे) में पौधारोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम में ग्रामीणों, युवाओं, जनप्रतिनिधियों एवं पर्यावरण प्रेमियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस दौरान ग्रामीणों को पौधे वितरित किए गए तथा उन्हें पौधों की नियमित देखभाल कर पेड़ बनने तक संरक्षण का संकल्प दिलाया गया।

पेड़ हमारे जीवन का आधार — डॉ. हर सहाय मीणा

इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. हर सहाय मीणा, ह्वस ने कहा कि पर्यावरण असंतुलन, बढ़ता तापमान, घटता भूजल स्तर और प्रदूषण आज पूरी मानवता के लिए गंभीर चुनौती है। वृक्षारोपण केवल एक सामाजिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। एक पेड़ अपने जीवनकाल में ऑक्सीजन देने के साथ-साथ तापमान नियंत्रण, मिट्टी एवं जल संरक्षण और जैव विविधता बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है।

हर परिवार लगाए दो पेड़ — सुमन मीणा

पंचायत समिति सदस्य एवं टीम सुमन मीणा (TSM) की संयोजक सुमन मीणा ने कहा कि इस अभियान को एक दिन का कार्यक्रम न बनाकर निरंतर जन-अभियान के रूप में चलाया जाएगा।

उन्होंने आह्वान किया —

'हर साल दो पेड़ लगाएं, धरती मां का कर्ज चुकाएं।
पहला पेड़ अपने लिए, दूसरा पेड़ अपनों के लिए लगाएं। '

सुमन मीणा ने सहयोग करने वाले सभी ग्रामीणों और युवाओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रकृति की रक्षा किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

आयोजकों ने बताया कि आने वाले दिनों में भी क्षेत्र के अन्य गांवों में वृक्षारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम लगातार जारी रहेंगे। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ हुआ।

अभियान का संदेश:

'सांसें हो रही हैं कम, आओ पेड़ लगाएं हम। '
'पेड़ लगाएं—जीवन बचाएं। '

वंडर सीमेंट लि. द्वारा वृक्षों को राखी बांधकर मनाया गया रक्षाबंधन पर्व

स्मार्ट हलचल

निबाहेड़ा / वंडर सीमेंट लिमिटेड, निम्बाहेड़ा के नीव इनिशिएटिव के तहत कंपनी के यूनिट हेड श्री नितिन जैन के निर्देशन में संचालित इक ोग्रीन कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम फाचर अहिरान से बांसा रोड तक वृक्षारोपण कार्य स्राबंधन के दिन आरम्भ किया गया इसके अंतर्गत

ग्रामीण क्षेत्र की बहनो ने वृक्षों को राखी बांधकर उनकी रक्षा का संकल्प लेते हुए समाज को वृक्षारोपण के प्रति जागरूकता का सन्देश दिया उल्लेखनीय है की वंडर सीमेंट द्वारा परियोजना के आरम्भ से ही प्लांट माइंस, एवं आस पास के गांवो में वृक्षारोपण एवं संरक्षण का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम इस वर्ष भी वंडर वृक्ष रथ के माध्यम से ग्राम पंचायत करूण्डा, फलवा, फाचर अहिरान, लसड़ावन एवं बड़ोली माधोसिंह के राजकीय विद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों, स्वास्थ्य संस्थानों तथा कंपनी द्वारा विकसित वंडर सीमेंट पंचफल उद्यान, धनोरा, बड़ोली माधोसिंह एवं लसड़ावन सहित गांवों के प्रमुख मार्गों पर पौधारोपण किया गया है। इसके अंतर्गत वंडर सीमेंट लिमिटेड द्वारा फाचर अहिरान से बांसा रोड तक ट्रीगार्ड और वृक्ष लगाए जायेंगे और वर्ष पर्यन्त इनकी रक्षा भी की जाएगी इससे मार्ग हरा भरा रहेगा और ग्राम वासियो को वृक्षों के प्रति जागरूकता का सन्देश मिलेगा

रेलवे स्टेशन पर टिकट काउंटर बदला, अब नई बिल्डिंग से मिलेंगे सभी टिकट

दोपहर 2 बजे से नई व्यवस्था लागू, यात्रियों को साधारण, प्लेटफार्म व आरक्षित टिकट की सुविधा एक ही जगह मिलेगी

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन ने स्टेशन पर अनारक्षित टिकट बुकिंग एवं यात्री आरक्षण प्रणाली (PRS) की व्यवस्था को नई स्टेशन बिल्डिंग में स्थानांतरित कर दिया है। रविवार दोपहर 2 बजे से नई व्यवस्था लागू कर दी गई। अब यात्रियों को साधारण टिकट, प्लेटफार्म टिकट एवं आरक्षित टिकट के लिए नई स्टेशन बिल्डिंग में स्थित टिकट काउंटर पर ही जाना होगा। पुरानी जगह पर संचालित टिकट विंडो को हटा दिया गया है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि टिकट संबंधी किसी भी कार्य के लिए नई स्टेशन बिल्डिंग में स्थित काउंटर पर ही संपर्क करें, ताकि उन्हें अनावश्यक परेशानी न हो। रेलवे प्रशासन के अनुसार यात्रियों को बेहतर एवं सुविधाजनक सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह व्यवस्था की गई है।

रामदेवरा जातरुओं की सुरक्षा को लेकर ट्रैफिक पुलिस ने शुरू किया रेडियम स्टीकर अभियान

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर। भादवा माह शुरू होते ही बाबा रामदेव के दर्शन के लिए रामदेवरा जाने वाले जातरुओं की संख्या बढ़ने लगी है। पैदल यात्रियों के साथ दुपहिया और अन्य वाहनों से श्रद्धालु धार्मिक यात्रा पर निकल रहे हैं। जातरुओं की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए ब्यावर जिला ट्रैफिक पुलिस ने विशेष अभियान शुरू किया है। ट्रैफिक पुलिस इंचार्ज मंगल सिंह के नेतृत्व में रविवार को सेंदड़ा रोड स्थित खम्मा-खम्मा पैदल यात्री संघ के भंडारा स्थल से रेडियम स्टीकर लगाने के अभियान की शुरुआत की गई। अभियान के तहत पैदल यात्रियों के साथ-साथ वाहनों पर भी रेडियम स्टीकर लगाए जा रहे हैं, जिससे रात के समय अंधेरे में जातरु और वाहन दूर से नजर आ सकें तथा सड़क हादसों की आशंका कम हो। ट्रैफिक पुलिस की ओर से जातरुओं को यातायात नियमों की पालना करने, सड़क पर सावधानी बरतने तथा रात के समय विशेष सतर्कता के साथ यात्रा करने की अपील की गई। पुलिस ने बताया कि भादवा मेले के दौरान रामदेवरा की ओर जाने वाले मार्गों पर श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ जाती है। ऐसे में उनकी सुरक्षा को लेकर पुलिस की ओर से आवश्यक व्यवस्थाएं और जागरूकता अभियान लगातार जारी रहेंगे।

उनियारा में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की खंड कार्यकारिणी का मनोनयन

स्मार्ट हलचल

टोंक/अलीगढ़। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ खंड उनियारा

की खंड कार्यकारिणी का मनोनयन रविवार, 30 अगस्त 2026 को साधारण सभा के दौरान किया गया। सभा में संगठन की रीति-नीति, शिक्षक हितों और आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा करते हुए नए पदाधिकारियों एवं सदस्यों का चयन किया गया। कार्यकारिणी में बृजेश कुमार शर्मा को अध्यक्ष, ललित कुमार शर्मा को मंत्री तथा विशाल स्वामी को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। वहीं सूरजमल कीर को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, बनवारी लाल सैनी को पुरुष उपाध्यक्ष और बबीता जैन को महिला उपाध्यक्ष बनाया गया। माया सैनी को महिला मंत्री का दायित्व सौंपा गया।

विभिन्न वर्गों को कार्यकारिणी में प्रतिनिधित्व

कार्यकारिणी में शिक्षा के विभिन्न वर्गों से प्रतिनिधियों को शामिल किया गया। इनमें अध्यापक सदस्य राकेश कुमार शर्मा, वरिष्ठ अध्यापक चंदन सैनी, प्राध्यापक सदस्य ओमप्रकाश चौपदार, प्रधानाचार्य सदस्य रामप्रसाद मीणा, शारीरिक शिक्षक सदस्य रामस्वरूप माली, महिला शिक्षा शिक्षक पुष्पा गौड़, संस्कृत शिक्षक सदस्य खुशीराम गुर्जर, प्रयोगशाला सहायक सदस्य आशाराम चौधरी, पुस्तकालय सदस्य राजेंद्र कुशवाहा, सेवानिवृत्त शिक्षक सदस्य रामबाबू शर्मा, प्रबोधक सदस्य सीताराम बुरड़ तथा पंचायत शिक्षक सदस्य हेमंत जैन शामिल हैं। सभा का आयोजन दो सत्रों में किया गया। इसमें संगठन की कार्यप्रणाली, रीति-नीति एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। बैठक में पालक के रूप में दिनेश स्वर्णकार मौजूद रहे। जिला संगठन मंत्री मोहर सिंह गुर्जर एवं गिरिराज गुर्जर सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने भी सहभागिता की। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन की जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए शैक्षिक हितों, शिक्षक कल्याण और संगठन को मजबूत बनाने के लिए प्रभावी कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

शंभूपुरा में चलाया सफाई अभियान, युवाओं ग्रामीणों ने लगाई झाड़ू।

स्मार्ट हलचल

ओम जैन शंभूपुरा। शंभूपुरा। लंबे समय से कचरा व गंदगी की जद में शंभूपुरा कस्बा सफाई की पुकार कर रहा था लेकिन ग्राम पंचायत की लापरवाही का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा था, जिसकी वजह से नालियां जाम थी, जगह जगह गंदगी के ढेर लगे हुए, क्योकि राजनीति में आपसी मतभेद के चलते सांसद मद से मिला स्वच्छता रथ पंचायत में खड़ा खड़ा खुद धूल मिट्टी खाता रहा लेकिन कभी शंभूपुरा में नही चला जिसका मुख्य कारण सिर्फ यही था कि स्थानीय सरपंच विधायक गुट से था तो वही स्वच्छता रथ सांसद मद से मिला हुआ था, ओर इसी गुटबाजी का खामियाजा शंभूपुरा की जनता ने पिछले 7 साल तक भुगता, जिससे क्षेत्र कि जनता में इस कार्यकाल को लेकर हमेशा ही खासा रोष देखने को मिला ही। यह रोष अब एक बदलाव में बदल गया और युवाओं ने इसका बीड़ा उठाते हुए रविवार को क्षेत्र में स्वच्छता महाअभियान चलाया ओर रविवार सुबह ही सुबह बड़ी संख्या में युवा और ग्रामीण झाड़ू लेकर सड़को पर निकल पड़े। इस दौरान पूर्व भाजपा महामंत्री रामप्रसाद जाट, टीम प्रवाह और शंभूपुरा क्षेत्र के बड़ी संख्या में युवाओ ओर ग्रामीणों द्वारा सावा चौराहा, सावा रोड और सांवरिया जी शनि महाराज मंदिर परिसर की सफाई की। रामप्रसाद जाट ने कहा कि इस स्वच्छता महाअभियान की शुरुआत रविवार से की गई है, अब शंभूपुरा क्षेत्र में यह सफाई अभियान निरन्तर चलाया जाएगा, सफाई में समय तो लगेगा क्योकि बरसो से यहाँ गंदगी जमी जो किसी ने साफ नही कि, बरसो से नाले जाम, सड़को के किनारे कचरे के ढेर लगे जिनको ट्रेक्टर जेसीबी की मदद से हटाया गया, अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा और जो बीड़ा सफाई का उठाया है, तो शंभूपुरा को स्वच्छ और सुंदर बनाकर ही अभियान पूर्ण करेंगे। सभी क्षेत्रवासियों ओर युवाओं का अच्छा सहयोग रहा जिसके लिए अभी का आभार प्रकट करता हु।

भवानी मंडी नगर निकाय चुनाव निकाय चुनाव में उमड रही युवा दावेदारों की भारी भीड़.

वर्षों से निकाय चुनाव में प्रभावी रहे वरिष्ठ नेता हुए दरकिनार.

स्मार्ट हलचल

रणवीर सिंह चौहान भवानी मंडी. भवानी मंडी नगर निकाय चुनाव चरम पर है दोनों ही पार्टी के संभावित दावेदार अपने अपने आवेदन फॉर्म जमा करने में लगे हुए हैं लेकिन आज फॉर्म भरने के आखिरी दिन से एक दिन पहले भी दोनों ही पार्टियों ने अपने पत्ते नहीं खोले हैं बस दावेदारों से यह कह दिया है कि फॉर्म जमा करो दोनों ही पार्टियों अपने पत्ते कल शायद आखरी दिन खोलेंगे जिस दावेदार का सिंबल पहुंच जाएगा वही दावेदार माना जाएगा. भवानी मंडी नगर निकाय चुनाव में सरगर्मियां चरम पर है शहर की सभी 40 वार्डों में दोनों ही पार्टियों से एक से अधिक दावेदार कतार में है दोनों ही पार्टियों अभी अपने पत्ते नहीं खोल रही है शायद उन्हें. बागीयों का डर सता रहा है पिछली बार पालिका अध्यक्ष में हुई खरीद फरोख्त के चलते दोनों ही पार्टियां सतर्क बनी हुई है दोनों ही पार्टियों अपने-अपने दलों में जीताउ और टिकाऊ उम्मीदवारों की तलाश में है और शायद इसीलिए नामांकन फॉर्म भरने के एक दिन पहले तक दोनों ही पार्टियों अपने-अपने वार्डों से प्रत्याशियों की घोषणा नहीं कर पाई है इस चुनाव में जो भवानी मंडी शहर में वर्षों से नगर पालिका चुनाव में सीनियर नेता अपनी भूमिका महत्वता से निभाते थे इस बार में अलग-थलग पड़े दिखाई देते हैं भाजपा में मैं मैं मंडल अध्यक्ष युवा नेता प्रदीप जैन उधर कांग्रेस में युवा नेता मंडल अध्यक्ष विनय आसतोलिया पूरे जोर शोर के साथ लगे हुए हैं दावेदारों में भी इस बार युवाओं के चेहरे दोनों ही दलों से ज्यादा दिखाई पड़ रहे हैं कल नामांकन फॉर्म भरने का आखिरी दिन है ऐसा प्रतीत होता है कि कल ही दोनों दल अपने-अपने दावेदारों के सिंबल प्रदान करेंगे भीतर घात का खतरा दोनों ही दलों को बराबर बना हुआ है कल दोनों ही दलों के दावेदारों को सिंबल अलौट होने के बाद राजनीतिक चुनाव की पिक्चर साफ होगी आज और कल दोनों दिन नामांकन फार्म जमा होंगे सिंबल मिलने के बाद ही पिक्चर क्लियर होगी की दोनों दलों में पालिका अध्यक्ष पद के कौन-कौन दावेदार हैं किसका होगा पलड़ा भारी और कौन बनेगा नगर पालिका अध्यक्ष सिंबल मिलने के पश्चात ही सारी पिक्चर क्लियर हो पाएगी

विश्वकर्मा प्रबंध समिति की नई कार्यकारिणी ने ली शपथ

सुभाष चंद्र नागल बने प्रधान, समाजहित में एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर। श्री विश्वकर्मा प्रबंध समिति, जांगिड़ समाज चारों पट्टियां ब्यावर की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह शनिवार को मेवाड़ी गेट बाहर स्थित विश्वकर्मा भवन में आयोजित हुआ। समारोह का शुभारंभ सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ एवं भगवान श्री विश्वकर्मा जी की आरती के साथ किया गया।

गत 12 अगस्त को हुए प्रधान पद के चुनाव में सुभाष चंद्र नागल को सर्वसम्मति से प्रधान निर्वाचित किया गया था। शनिवार को उनकी नवीन कार्यकारिणी का विधिवत शपथ ग्रहण कराया गया। उपप्रधान सुगनचंद लेखरा, मंत्री अरुण आसलिया, उपमंत्री मुकेश बुढ़ल तथा कोषाध्यक्ष रमेशचंद पखारोट सहित अन्य कार्यकारिणी सदस्यों ने पद एवं कर्तव्यों की शपथ ली। समारोह में श्री विश्वकर्मा मंदिर मेड़ता के प्रधान पुखराज पालड़िया, मंत्री शिवप्रकाश लदोया, निमाज से मोतीलाल, समाज के वरिष्ठजन जसराज जायलवाल, पूर्व प्रधान शंभूलाल लेखरा, मुख्य संरक्षक बसंत कुमार गेपाल, किशनलाल किंजा, किशन बुढ़ल, मांगीलाल ढीवान, ओमप्रकाश खंडेलवाल, अशोक छड़ियां सहित समाज के अनेक गणमान्यजन एवं सदस्य उपस्थित रहे। समाजबंधुओं ने नवनिर्वाचित प्रधान एवं कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए समाजहित में एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। नई कार्यकारिणी से समाज के विकास, संगठन की मजबूती तथा सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों को गति देने की उम्मीद जताई गई। समारोह सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

बनेठा में रिटायर्ड आरपीएस अधिकारी के फार्म हाउस पर चोरों का धावा-ताला तोड़कर डीपी से तांबे के तार व बिजली उपकरण चोरी,

उनियारा सर्किल क्षेत्र में चोरी की घटनाओं पर नहीं है कोई अंकुश-पुलिस की रात्रि गश्त पर उठे सवाल

स्मार्ट हलचल

टोंक/अलीगढ़। उनियारा सर्किल अंतर्गत बनेठा थाना क्षेत्र में सुरेली रोड पर नहर के पास स्थित एक फार्म हाउस में अज्ञात चोरों ने धावा बोलकर बिजली उपकरण व तांबे के तार चोरी कर लिए। बदमाशों ने फार्म हाउस के लोहे के मुख्य गेट का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और डीपी ट्रांसफार्मर, बिजली मीटर सहित अन्य सामान को निशाना बनाया। बनेठा थाना पुलिस में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार, फार्म हाउस मालिक एवं सेवानिवृत्त आरपीएस अधिकारी वृद्धि चंद गुर्जर ने बताया कि वारदात 28 अगस्त 2026 की मध्यरात्रि करीब 1 बजे से 4 बजे के बीच हुई। अज्ञात बदमाशों ने मुख्य गेट का ताला तोड़ने के बाद परिसर में लगे डीपी ट्रांसफार्मर को खंभे से तोड़कर नीचे गिरा दिया। इसके बाद डीपी के अंदर से कॉपर के तार निकालकर चोरी कर लिए। चोरों ने बिजली मीटर को भी तोड़कर नुकसान पहुंचाया। वहीं फार्म हाउस परिसर में बने एक कमरे का कुंदा तोड़कर अंदर रखे तांबे के तार भी चोरी कर लिए गए। इसके अलावा प्लास्टिक पाइप के जरिए किए गए बिजली कनेक्शन को भी तोड़ दिया गया तथा पाइप में लगे तांबे के तार निकाल लिए गए। वारदात के दौरान बदमाशों ने बिजली व्यवस्था से जुड़े पाइपों में भी तोड़फोड़ की। फार्म हाउस मालिक को चोरी की जानकारी 29 अगस्त को दिन में फार्म हाउस पहुंचने पर हुई। इसके बाद उन्होंने बनेठा थाना पुलिस को टेलीफोन के जरिए घटना की सूचना दी और कार्रवाई की मांग की। मामले में बनेठा थानाधिकारी हीरालाल वर्मा, पुलिस निरीक्षक ने परिवाद दर्ज कर जांच सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) अचल सिंह सांसी को सौंपी है। पुलिस अज्ञात चोरों की तलाश करने के साथ चोरी हुए बिजली उपकरणों एवं तांबे के तारों का पता लगाने में जुटी है।

रात्रि गश्त पर उठे सवाल

इधर, उनियारा सर्किल क्षेत्र में लगातार सामने आ रही चोरी की घटनाओं को लेकर आमजन में भी चिंता है। रात के समय बनेठा कस्बा में आबादी से सटे एरिया में फार्म हाउस जैसे सुनसान स्थान पर मुख्य गेट का ताला तोड़कर डीपी को खंभे से नीचे गिराने और उसके अंदर से तांबे के तार निकालने जैसी वारदात ने पुलिस की रात्रि गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों ने क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने तथा पूर्व में हुई चोरी की वारदातों का खुलासा कर चोर गिरोह पर शिकंजा कसने की मांग की है।

भवानी मंडी नगर निकाय चुनाव निकाय चुनाव में उम्र रही युवा दावेदारों की भारी भीड़.

वर्षों से निकाय चुनाव में प्रभावी रहे वरिष्ठ नेता हुए दरकिनार.

स्मार्ट हलचल

रणवीर सिंह चौहान भवानी मंडी. भवानी मंडी नगर निकाय चुनाव चरम पर है दोनों ही पार्टी के संभावित दावेदार अपने अपने आवेदन फॉर्म जमा करने में लगे हुए हैं लेकिन आज फॉर्म भरने के आखिरी दिन से एक दिन पहले भी दोनों ही पार्टियों ने अपने पत्ते नहीं खोले हैं बस दावेदारों से यह कह दिया है कि फॉर्म जमा करो दोनों ही पार्टियां अपने पत्ते कल शायद आखरी दिन खोलेंगे जिस दावेदार का सिंबल पहुंच जाएगा वही दावेदार माना जाएगा. भवानी मंडी नगर निकाय चुनाव में सरगर्मियां चरम पर है शहर की सभी 40 वार्डों में दोनों ही पार्टियों से एक से अधिक दावेदार कतार में है दोनों ही पार्टियां अभी अपने पत्ते नहीं खोल रही है शायद उन्हें. बागीयों का डर सता रहा है पिछली बार पालिका अध्यक्ष में हुई खरीद फरोख्त के चलते दोनों ही पार्टियां सतर्क बनी हुई है दोनों ही पार्टियां अपने-अपने दलों में जीताउ और टिकाऊ उम्मीदवारों की तलाश में है और शायद इसीलिए नामांकन फॉर्म भरने के एक दिन पहले तक दोनों ही पार्टियां अपने-अपने वार्डों से प्रत्याशियों की घोषणा नहीं कर पाई है इस चुनाव में जो भवानी मंडी शहर में वर्षों से नगर पालिका चुनाव में सीनियर नेता अपनी भूमिका महत्वता से निभाते थे इस बार में अलग-थलग पड़े दिखाई देते हैं भाजपा में मैं मैं मंडल अध्यक्ष युवा नेता प्रदीप जैन उधर कांग्रेस में युवा नेता मंडल अध्यक्ष विनय आसतोलिया पूरे जोर शोर के साथ लगे हुए हैं दावेदारों में भी इस बार युवाओं के चेहरे दोनों ही दलों से ज्यादा दिखाई पड़ रहे हैं कल नामांकन फॉर्म भरने का आखिरी दिन है ऐसा प्रतीत होता है कि कल ही दोनों दल अपने-अपने दावेदारों के सिंबल प्रदान करेंगे भीतर घात का खतरा दोनों ही दलों को बराबर बना हुआ है कल दोनों ही दलों के दावेदारों को सिंबल अलौट होने के बाद राजनीतिक चुनाव की पिक्चर साफ होगी आज और कल दोनों दिन नामांकन फार्म जमा होंगे सिंबल मिलने के बाद ही पिक्चर क्लियर होगी की दोनों दलों में पालिका अध्यक्ष पद के कौन-कौन दावेदार हैं किसका होगा पलड़ा भारी और कौन बनेगा नगर पालिका अध्यक्ष सिंबल मिलने के पश्चात ही सारी पिक्चर क्लियर हो पाएगी

घाड कस्बा में हाईकोर्ट के आदेशानुसार अतिक्रमण पर चला 5 जेसीबी का पीला पंजा,

नगरफोर्ट मार्ग पर प्रशासन ने भारी पुलिस सुरक्षा के बीच सरकारी जमीन से हटाए अतिक्रमण,कई पक्के-कच्चे निर्माण ध्वस्त

स्मार्ट हलचल

टोंक। देवली उपखंड क्षेत्र की दूनी तहसील के घाड़ कस्बे में दूनी-नगरफोर्ट मार्ग पर सरकारी जमीन पर वर्षों से किए गए अतिक्रमण के खिलाफ रविवार, 30 अगस्त 2026 को प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। राजस्थान उच्च न्यायालय की जयपुर खंडपीठ के आदेश की अनुपालना में उपखंड प्रशासन एवं राजस्व विभाग की टीम ने भारी पुलिस सुरक्षा के बीच अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। मौके पर 5 जेसीबी मशीनों की मदद से कच्चे, अर्धपक्के और पक्के निर्माण हटाए गए। यह कार्रवाई राजस्थान उच्च न्यायालय की जयपुर खंडपीठ के न्यायमूर्ति इन्द्रजीत एवं संदीप तनेजा द्वारा विजय कुमार पहाड़िया बनाम प्रमुख सचिव, राज्य सरकार मामले में डीबी सिविल रिट याचिका संख्या 19408/2025 में पारित आदेश दिनांक 6 अगस्त 2026 की अनुपालना में की जा रही है।

24 और 25 अगस्त की कार्रवाई प्रशासनिक कारणों से हुई थी निरस्त

घाड़ में अतिक्रमण हटाने के लिए पूर्व में 24 अगस्त तथा संशोधित कार्यक्रम के अनुसार 25 अगस्त 2026 की तारीख निर्धारित की गई थी, लेकिन प्रशासनिक कारणों के चलते कार्रवाई स्थगित कर दी गई थी। इसके बाद रविवार 30 अगस्त को तहसीलदार दूनी अजय कुमार पांडे के नेतृत्व में राजस्व टीम पुलिस जाप्ते के साथ सुबह करीब 8 बजे खसरा नंबर 1555 पर पहुंची और कार्रवाई शुरू की। जहां 6.90 हेक्टेयर सरकारी भूमि पर अतिक्रमण का मामला राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार घाड़ कस्बे के नगरफोर्ट मार्ग स्थित खसरा नंबर 1555, रकबा 6.90 हेक्टेयर, किस्म गैर-मुमकिन पहाड़ सिवायचक भूमि पर करीब 25 लोगों द्वारा कथित रूप से अतिक्रमण कर मकान, दुकान, व्यावसायिक स्थल और बाड़ेबंदी कर रखी गई थी। तहसीलदार दूनी द्वारा गठित राजस्व टीम ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया शुरू की। कार्रवाई शुरू होते ही मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई और कुछ लोगों ने विरोध भी किया।

50 पुरुष और 20 महिला पुलिसकर्मी तैनात

कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौके पर भारी पुलिस जाप्ता तैनात किया गया। कार्रवाई के दौरान 50 पुरुष पुलिस जवान और 20 महिला पुलिसकर्मी मौजूद रहे। इसके अलावा अग्निशमन व्यवस्था तथा अश्रुगैस के गोले भी तैयार रखे गए। पुलिस को भीड़ को नियंत्रित करने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। कार्रवाई के दौरान एक महिला बेहोश होकर गिर पड़ी, जिसे मौके पर मौजूद लोगों ने संभाला।

पक्के निर्माण हटाने को लेकर अधिकारियों ने दिये निर्देश

कार्रवाई की शुरुआत में कुछ कच्चे निर्माण और चारदीवारी हटाई गई। बताया गया कि पक्के निर्माण नहीं हटाने को लेकर मौके पर निर्देश दिए गए थे। इसी दौरान उपखंड अधिकारी रूबी अंसार मौके पर पहुंचीं और अधिकारियों को खसरा नंबर 1555 से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई प्रभावी रूप से करने के निर्देश दिए। इसके बाद उपखंड अधिकारी ने जिला कलेक्टर टीना डाबी से पक्के निर्माण हटाने की स्वीकृति लेने के बाद कई पक्के मकानों एवं मैरिज गार्डन सहित अन्य निर्माणों को हटाने की कार्रवाई शुरू करवाई।

अतिक्रमियों को सामान निकालने का भी दिया गया समय

प्रशासन की ओर से करीब दो दर्जन स्थानों पर कार्रवाई की गई। कुछ अतिक्रमियों को उनके मकानों से घरेलू सामान एवं अन्य सामग्री निकालने के लिए एक-दो दिन का समय भी दिया गया, ताकि निर्माण हटाए जाने के दौरान सामान के नुकसान से बचा जा सके।

ये अधिकारी रहे मौके पर मौजूद

कार्रवाई के दौरान उपखंड अधिकारी देवली रूबी अंसार, पुलिस उपाधीक्षक देवली मदनलाल डाका, तहसीलदार दूनी अजय कुमार पांडे, घाड़ थानाधिकारी हरिराम वर्मा, खण्ड विकास अधिकारी पंचायत समिति देवली सहित प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारी मौजूद रहे। राजस्व टीम में सूरजमल भू-अभिलेख निरीक्षक, जसवंत सिंह भू-अभिलेख निरीक्षक, बाबूलाल मीना भू-अभिलेख निरीक्षक, पटवारी प्रियंका मीना, वेणी प्रसाद नागर, बुद्धि प्रकाश मीना, योगेंद्र योगी और भंवर सिंह शामिल रहे। उच्च न्यायालय के आदेश की अनुपालना में हुई इस कार्रवाई को लेकर घाड़ कस्बे में दिनभर हलचल बनी रही और अलीगढ़ कस्बा के माना तालाब पेटा जमीन के अवैध पक्के अतिक्रमण को हटाने व तोड़ने के बाद जिले की यह सबसे बड़ी हाईकोर्ट के आदेश पर कार्यवाही बताई जा रही हैं।

लोकप्रिय आईएएस अफसर दिव्या ने 13 साल की IAS सेवा को किया अलविदा!

भावुक पोस्ट में छलका जनसेवा का दर्द और लोगों का प्यार!

स्मार्ट हलचल

(शीतल निर्भीक/नीरज पाण्डेय) लखनऊ। उत्तर प्रदेश कैडर की 2013 बैच की लोकप्रिय आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल ने 13 वर्षों की प्रशासनिक सेवा के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट साझा कर अपने इस्तीफे की जानकारी दी। दिव्या मित्तल ने लिखा कि उन्होंने अपनी इच्छा से 13 वर्षों की अविस्मरणीय यात्रा को विराम देते हुए ड्डस से त्यागपत्र दे दिया है। साधारण परिवेश में पली-बढ़ीं दिव्या ने बेहतर जीवन का सपना देखा और दिन-रात मेहनत कर ड्डड्ड दिल्ली व ड्डड्डू बैंगलोर से पढ़ाई की। इसके बाद लंदन में नौकरी मिली, लेकिन सब कुछ हासिल करने के बाद भी मन में एक खालीपन बना रहा। अपने देश से दूर रहना उन्हें खलता था। उन्होंने महसूस किया कि उनकी पढ़ाई, आत्मविश्वास और दुनिया में कहीं भी

सिर उठाकर चलने की ताकत इसी मिट्टी का कर्ज है। इसी कर्ज को चुकाने के लिए वह भारत लौटीं और ड्डस अधिकारी बनने का सौभाग्य मिला। प्रशासनिक सेवा के दौरान देवरिया और मीरजापुर समेत विभिन्न क्षेत्रों में काम करने का मौका मिला। दिव्या ने लिखा कि देवरिया ने उन्हें सिखाया कि सही के साथ खड़ा होना विकल्प नहीं, बल्कि कर्तव्य है, जबकि मीरजापुर ने सिखाया कि 'असंभव' कोई तथ्य नहीं, बल्कि केवल एक राय है। मां विंध्यवासिनी के चरणों में उन्होंने यह सीखा कि शक्ति किसी पद से नहीं, बल्कि लोगों के विश्वास और आशीर्वाद से मिलती है। दिव्या के मुताबिक, सेवा के दौरान उन्हें परिवारों को जमीन का अधिकार दिलाने, दिव्यांगों को सम्मान से जीने का अवसर देने और किसानों के खेतों तक पानी पहुंचाने जैसे कार्य करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि हर सरकारी फाइल के पीछे एक व्यक्ति होता है और उसकी गरिमा बनाए रखना ही न्याय है। लोगों से मिले स्नेह को याद करते हुए दिव्या ने लिखा कि वह यह सोचकर आई थीं कि कुछ देने आई हैं, लेकिन सच यह है कि सबसे ज्यादा उन्होंने ही पाया। लोगों ने उनकी खुशी में उनसे ज्यादा खुशी मनाई और जब वह खुद थकी या टूटी हुई थीं, तब भी लोगों ने उन्हें उसी विश्वास से देखा। उन्होंने अपने साथ काम करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों और सहयोगियों का भी आभार जताया। अपनी पोस्ट के अंत में दिव्या ने लहुरिया दह की पहाड़ी की एक वृद्ध महिला का भावुक प्रसंग साझा किया। उन्होंने बताया कि गांव में पहली बार पानी पहुंचने पर बुजुर्ग महिला ने कुछ नहीं कहा, बल्कि कांपते हाथों से उनका सिर छूकर आशीर्वाद दिया। दिव्या ने लिखा कि पद तो आज छूट गया, लेकिन वह स्पर्श जीवन भर नहीं छूटेगा और देश की मिट्टी ने जो सपना दिया, वह भी नहीं छूटेगा। दिव्या मित्तल की यह भावुक विदाई उनके 13 वर्ष के प्रशासनिक सफर की यादों और जनसेवा के प्रति उनके जुड़ाव को बयां करती है।

35 साल से निभा रही धार्मिक परंपरा, माहेश्वरी पंचायत का ब्राह्मण भोज आयोजन

पीढ़ियों से संस्कारों की विरासत को संजोए है – राजेश कृष्ण बिरला

श्रावण पूर्णाहुति पर सेवा-संस्कार का संगम, श्री माहेश्वरी पंचायत ने करवाया 101 ब्राह्मण भोज

स्मार्ट हलचल

कोटा। श्रावण मास की पूर्णाहुति के पावन अवसर पर श्री माहेश्वरी पंचायत, कोटा की ओर से ब्राह्मण भोज का आयोजन किया गया। धार्मिक परंपरा और सेवा भाव से ओतप्रोत इस आयोजन में 101 ब्राह्मणों को विधिवत एवं श्रद्धापूर्वक भोजन कराया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के उपसभापति राजेश कृष्ण बिरला ने आराध्य देव भगवान महेश से समाज एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन हमारी समृद्ध परंपराओं को आगे बढ़ाने के साथ ही समाज में सेवा, संस्कार, सद्भाव और एकजुटता की भावना को भी मजबूत करते हैं।

श्री माहेश्वरी पंचायत के अध्यक्ष कृष्ण गोपाल जाखेटिया ने बताया कि पंचायत द्वारा यह आयोजन विगत 35 वर्षों से अधिक समय से निरंतर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि श्रावण मास की पूर्णाहुति पर आयोजित ब्राह्मण भोज हमारी धार्मिक एवं सामाजिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है और समाज की सेवा भावना को निरंतर आगे बढ़ाने का माध्यम भी है।

पंचायत के मंत्री रामचरण धूत ने बताया कि कार्यक्रम में 101 ब्राह्मणों को श्रद्धापूर्वक भोजन कराया गया। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी समाजबंधुओं एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर अध्यक्ष कृष्ण गोपाल जाखेटिया, मंत्री रामचरण धूत, कोषाध्यक्ष बृजगोपाल भराड़िया, पूर्वी राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष महेशचंद अजमेरा, जिला अध्यक्ष सुरेश काबरा, माहेश्वरी समाज के उपाध्यक्ष नंदकिशोर काल्या, गोरधन खुवाल, सेवा संस्थान अध्यक्ष प्रमोद भंडारी, सचिव दामोदर मूंदड़ा, मनीष नकलक, राजेंद्र शारदा, घनश्याम मूंदड़ा, किशनलाल काबरा, पंचायत उपाध्यक्ष सत्यनारायण चाड़क, पुरुषोत्तम बलदुआ, रविंद्र झंवर, पुरुषोत्तम गुप्ता, दयाशंकर लड्ढा, विनय काबरा, किशनबिहारी आगसूद सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे।

धाकड़ समाज सेवा समिति कर्मचारी परिषद (108 गाँव) के शांतिलाल को निर्विरोध अध्यक्ष पद के लिए चुना गया,

समाज की एकता और आपसी विश्वास की बनी मिसाल-नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने ली शपथ

स्मार्ट हलचल

टोंक/उनियारा। धाकड़ समाज छात्रावास नैनवा में धाकड़ समाज सेवा समिति कर्मचारी परिषद (108 गाँव) के चुनाव सर्वसम्मति एवं निर्विरोध रूप से संपन्न हुए। निर्विरोध चुनाव के माध्यम से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसे समाज की एकता, भाईचारे और आपसी विश्वास की मिसाल बताया गया। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी में शांतिलाल नागर को अध्यक्ष, अंजनी कुमार नागर को उपाध्यक्ष, प्रकाश चंद्र नागर को सचिव, विकास कुमार धाकड़ को कोषाध्यक्ष, मनीष कुमार धाकड़ को संगठन मंत्री, कमलेश नागर को प्रवक्ता तथा शकुंतला धाकड़ को महिला मंत्री बनाया गया।

शपथ ग्रहण समारोह में पूर्व अध्यक्ष एवं संरक्षक रामस्वरूप धाकड़ ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं सदस्यों को माला पहनाकर पद एवं समाज के प्रति निष्ठा की शपथ दिलाई। कार्यक्रम का मंच संचालन कवि रामावतार ने किया। समारोह में समाज के लगभग 500 कर्मचारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। इस दौरान समाजबंधुओं ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को बधाई देते हुए समाजहित में एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। निर्विरोध चुनाव संपन्न होने से समाज में हर्ष और उत्साह का माहौल रहा। उपस्थित समाजबंधुओं ने कहा कि यह चुनाव किसी व्यक्ति विशेष की जीत नहीं, बल्कि पूरे धाकड़ समाज की एकता, संगठन शक्ति और आपसी सद्भाव की जीत है। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने समाज के कर्मचारियों एवं सदस्यों के हितों, संगठन को मजबूत करने तथा समाज की प्रगति के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

स्व. श्री राजेश चौधरी जी की स्मृति में रक्तदान शिविर का आयोजन, 75 से अधिक यूनिट रक्त एकत्रित

स्मार्ट हलचल

जयपुर। स्वर्गीय श्री राजेश चौधरी (राजेश भैया) की तृतीय पुण्यतिथि के अवसर पर आज ईवी पॉइंट, निर्माण नगर, जयपुर में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर को अल्प सूचना के बावजूद अभूतपूर्व जनसमर्थन मिला। जानकारी के अनुसार लगभग 75 लोगों ने रक्तदान किया जबकि 100 से अधिक लोग रक्तदान के उद्देश्य से शिविर में पहुंचे। कुछ लोग स्वास्थ्य कारणों से रक्तदान नहीं कर पाए, लेकिन उनका संकल्प और सहयोग भी सराहनीय रहा। इस अवसर पर स्व. श्री राजेश चौधरी जी के छोटे भाई श्री केदार चौधरी ने बताया कि 'हमारे बड़े भाई ने कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बहादुरी के साथ संघर्ष किया। उनकी इसी संघर्ष यात्रा ने हमें समाज के लिए कुछ सार्थक करने की प्रेरणा दी। उनकी स्मृति में किया गया यह रक्तदान शिविर उनकी आत्मा को सच्ची श्रद्धांजलि है। ' उन्होंने आगे कहा कि 'आज परिवार, मित्रों, कार्यस्थल के साथियों और पूरे जयपुर से जो प्यार और समर्थन मिला है, उससे हमारा पूरा परिवार भावुक और कृतज्ञ है। जनता के उत्साह को देखते हुए हमने निर्णय लिया है कि अब से हर वर्ष 29 अगस्त को उनकी स्मृति में इसी प्रकार रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा, ताकि कैंसर जैसी घातक बीमारियों से जूझ रहे जरूरतमंद लोगों की मदद की जा सके। ' चौधरी परिवार ने शिविर में पधारे सभी रक्तदाताओं, स्वयंसेवकों और सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

सेन्थी शांतिभवन में प्रवचन में उमड़ रहा श्रद्धा और आस्था का सैलाब, दर्जनों गांवों से पहुंच रहे श्रावक श्राविकाएं

स्मार्ट हलचल

ओम जैन शंभूपुरा। शंभूपुरा।सेन्थी स्थित शांति भवन मे जैन सिद्धान्ताचार्य श्री प्रतिभा श्री जी म.सा. आदि ठाणा 4 का आध्यात्मिक चातुर्मास गतिमान है। प्रवक्ता रोशनलाल चोपड़ा ने बताया कि रविवार को स्पष्ट वक्ता साध्वी श्री प्रेक्षा श्री जी म.सा. ने फरमाया कि मानव कर्मो के आवरण से दबा हुआ होने से अपूर्ण है। जैसे एक पैर वाले व्यक्ति को बैसाखी की आवश्यकता होती है उसी प्रकार सांसारिक जीवन मे आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए सहारे की आवश्यकता होती है। समाज मे रहते हुए व्यक्ति को सहारा तो मिल जाता है किन्तु व्यक्ति एक सीमा तक ही कामयाब हो पाता है, क्योंकि यह सहारे अपूर्ण है। यह मानव मन की दुर्बलता है कि वह हर किसी को सहारा समझ बैठता है। वह हर किसी के सामने अपनी समस्या का बखान कर देता है, जबकि आपको पता है कि वह समाधान करने मे असमर्थ है। मनुष्य मनोबल की कमजोरी के कारण ऐसे सहारो को भी स्वीकार कर लेता है। कुछ सहारे ऐसे भी होते है जो कुछ हद तक कामयाब भी होते है किन्तु वे भी अपूर्ण ही है क्योंकि उनके भीतर राग द्वेष आदि छिपे रहते है। यह सहारे स्वार्थ सिद्धि तक ही सीमित है। निकटतम सम्बन्धी भी बिना स्वार्थ के सहारा नही बनते है। चातुर्मासिक अनवरत जाप की श्रृंखला मे 31 अगस्त सोमवार का जाप जोधसिंह मारू की तरफ से रखा गया है अधिकाधिक संख्या मे पधारकर धर्म आराधना कर कर्म निर्जरा करने का आव्हान किया। बाहर से आये अतिथियों का श्रीसंघ सेन्थी ने अभिनन्दन किया।

सावन के रंग, सिंजारा के संग कार्यक्रम में छाया उल्लास

महिलाओं ने नृत्य, रैंपवॉक व मनोरंजक खेलों में लिया उत्साह से भाग

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर। श्री अग्रवाल मारवाड़ी पंचायत संस्था की ओर से फतेहपुरिया बगीची में 'सावन के रंग, सिंजारा के संग' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने राजस्थानी परिधानों में सजकर सावन की खुशियां मनाईं और राजस्थानी गीतों पर नृत्य, रैंपवॉक सहित विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा अग्रसेनजी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण से हुआ। एकल नृत्य प्रतियोगिता में संस्कृति गोयल, जबकि ग्रुप डांस में अंतिमा बंसल, निशा गर्ग, कृष्णा गोयल व जयश्री बंसल विजेता रहीं। रैंपवॉक में अंतिमा सिंघल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं पूजा अग्रवाल को तीज क्वीन चुना गया। कार्यक्रम स्थल पर झूले, सेल्फी पॉइंट, चाट चौपाटी सहित अन्य आकर्षणों ने महिलाओं का ध्यान खींचा। सावन के गीत-संगीत और रंगारंग प्रस्तुतियों के बीच कार्यक्रम में पूरे समय उत्साह और उल्लास का माहौल बना रहा।

भारत विकास परिषद भवानीमंडी के नेत्र शिविर में 117 व्यक्तियों की आंखों की जांच, 32 मरीजों को मिलेगी नई रोशनी-

स्मार्ट हलचल

रणवीर सिंह चौहान भवानी मंडी भारत विकास परिषद द्वारा भाविप चिकित्सालय कोटा के सहयोग से तथा प्रदीप गुप्ता एवं नवरत्नमल गुप्ता मेमोरियल फाउंडेशन मुंबई के सौजन्य से भवानीमंडी में निशुल्क नेत्र जांच एवं शल्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसके माध्यम से 32 मरीजों का मोतियाबिंद का ऑपरेशन होगा। परिषद शाखा के नेत्रदान प्रभारी कमलेश गुप्ता दलाल ने बताया कि सीताराम अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित चिकित्सा शिविर का शुभारंभ नेत्र चिकित्सक डॉ नेहा जैन, डॉ दीपेश शर्मा, प्रेरक सीताराम नवाल एवं प्रांतीय

समन्वयक ओमप्रकाश चतुर्वेदी के द्वारा दीप प्रज्वलन करके किया गया। इस शिविर में शाखा संरक्षक धर्मचंद गोटावाला, गोविंद भराड़िया, अध्यक्ष ओमप्रकाश गुप्ता, सचिव संदीप राठौर, शिविर प्रभारी उमाशंकर पोरवाल, मनमोहन जायसवाल, डीके गुप्ता, गुरभेजसिंह छाबड़ा, श्याम चौधरी, परमजीत सिंह, प्रमोद नागोरी, कमलेश गुप्ता दलाल आदि का सहयोग रहा। शुभारंभ कार्यक्रम में प्रेरक सीताराम नवाल को माला पहनकर एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, संचालन जितेंद्र गर्ग एवं आभार अध्यक्ष ओमप्रकाश गुप्ता के द्वारा किया गया। शिविर में 117 मरीजों की आंखों की जांच की गई, बीपी शुगर इत्यादि की जांच करने के पश्चात 32 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया, जिन्हें भोजन पैकेट देकर बस के द्वारा भारत विकास परिषद के कोटा स्थित चिकित्सालय में भेजा गया, जहां इनका अत्याधुनिक फेको पद्धति से मोतियाबिंद का ऑपरेशन किया जाकर इन्हें वापस भवानीमंडी लाया जाएगा, शिविर में सभी पंजीकृत मरीज के आंखों की निशुल्क जांच की गई एवं जरूरतमंद मरीजों को दवाइयां दी गई। नेत्र चिकित्सा प्रभारी महेशचंद्र शर्मा, उमाशंकर पोरवाल एवं मनमोहन जायसवाल के अनुसार पिछले 14 वर्षों से लगातार आयोजित नेत्र चिकित्सा शिविर श्रृंखला का यह 146 वां कैंप आयोजित हुआ है, अभी तक इन शिविर के माध्यम से 32574 मरीजों की निशुल्क आंखों की जांच करके रिकॉर्ड 10,047 मरीजों का निशुल्क मोतियाबिंद का ऑपरेशन करवाया जा चुका हैं

संक्षिप्त समाचार

9/11 की बरसी पर बदला ट्रंप का प्लान: पेंटागन के कार्यक्रम में होंगे शामिल, कहा- अपनों को याद करने का है दिन

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पेंटागन में 11 सितंबर के हमलों की 25वीं बरसी पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। ट्रंप ने शुक्रवार को अपने इस कार्यक्रम की पुष्टि की। व्हाइट हाउस ने बताया कि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस न्यूयॉर्क में होने वाले कार्यक्रम में शामिल होंगे। वहीं, प्रशासन के अन्य अधिकारी पेंसिल्वेनिया के शैंक्सविले में आयोजित समारोह में जाएंगे। इस साल अल-कायदा के आतंकवादियों की ओर से हाईजैक किए विमानों से किए गए हमलों को 25 साल पूरे हो रहे हैं। इन हमलों में तीन जगहों पर लगभग 3,000 लोगों की जान गई थी। इसने अमेरिकी विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा को पूरी तरह बदल दिया था। शुक्रवार को ह्यूस्टन की यात्रा से लौटने के बाद, एयर फोर्स वन के पास पत्रकारों ने ट्रंप से पूछा कि वे न्यूयॉर्क में होने वाले समारोह में क्यों शामिल नहीं होंगे? जैसा कि कुछ प्रकाशित रिपोर्टों में कहा गया था। उन्होंने जवाब दिया,क्योंकि मैं पेंटागन जा रहा हूं। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, ट्रंप ने 9/11 को पीड़ितों और उनके प्यारे परिवार के सदस्यों को याद करने का दिन बताया। पिछले साल, ट्रंप ने पेंटागन में सालाना समारोह में इस दिन को याद किया। वहां उन्होंने उस दिन की घटनाओं का जिक्र किया, जिसमें हाईजैक किए गए विमानों में सवार यात्रियों की बातचीत के कुछ अंश भी शामिल थे।

डाक से मतदान वाले आदेश पर लगी रोक, प्रशासन ने फैसले के खिलाफ दायर की अपील; जज ने क्या कहा

वाशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने उस फैसले के खिलाफ अपील की है, जिसमें एक जज ने राष्ट्रपति के आदेश पर रोक लगा दी थी। इस आदेश में डाक के जरिये मतदान को लेकर कुछ नई शर्तें रखी गई थीं। यह मामला ऐसे समय अदालत पहुंचा है, जब मध्यावधि चुनाव के लिए कुछ राज्यों में 4 सितंबर से मतपत्र भेजे जाने हैं। शुक्रवार को इस फैसले के खिलाफ ट्रंप प्रशासन ने अपील दायर की। इससे पहले बोस्टन की संघीय अदालत के जज ने ट्रंप के कार्यकारी आदेश पर अगले दो हफ्तों के लिए रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने पहले प्रक्रिया से जुड़े आधार पर इस योजना को आगे बढ़ने की अनुमति दी थी। लेकिन अदालत ने अभी यह फैसला नहीं किया है कि यह योजना कानूनी है या नहीं। ट्रंप के आदेश के मुताबिक, अमेरिकी डाक सेवा कुछ राज्यों के मतपत्र पहुंचाने से इनकार कर सकती थी। इसके लिए राज्यों को उन मतदाताओं की सूची देनी होगी, जो वोट देने के योग्य हैं। साथ ही मतपत्र भेजने के लिए एक तय तरह के लिफाफे का इस्तेमाल करना होगा। अमेरिकी जिला अदालत की जज इंदिरा तलवानी ने कहा कि राज्यों के पास नए मतपत्र तैयार करने और छापने के लिए पर्याप्त समय या पैसा नहीं है। उन्हें अपनी व्यवस्था में बदलाव करना होगा। साथ ही अधिकारियों को मतदाताओं की जानकारी डाक सेवा पर डालने के लिए प्रशिक्षण भी देना होगा।

ट्रंप को झटका: हश मनी केस की सजा खत्म कराने की कोशिश नाकाम, याचिका खारिज कर जज ने क्या कहा?

अल्बानी, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक बार फिर झटका लगा है। वह अपनी हश मनी यानी चुप रहने के लिए पैसे देने से जुड़े मामले में मिली सजा खत्म कराना चाहते थे। लेकिन उनकी कोशिश नाकाम हो गई। शुक्रवार को एक संघीय जज ने ट्रंप की याचिका खारिज कर दी। ट्रंप चाहते थे कि न्यूयॉर्क की राज्य अदालत में चले इस मामले को संघीय अदालत में भेज दिया जाए। इसके बाद मामले को राष्ट्रपति की कानूनी छूट के आधार पर खत्म कर दिया जाए। जज एल्विन के. हेलरस्टीन ने ट्रंप की याचिका खारिज करने का अपना पहले का फैसला बरकरार रखा। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने मामला संघीय अदालत में भेजने के लिए जो नए कारण बताए हैं, वे न तो नए हैं और न ही कानून के हिसाब से पर्याप्त हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप यह भी नहीं बता पाए कि उन्होंने मामला संघीय अदालत में भेजने में इतनी देर क्यों की। वह यह भी साबित नहीं कर पाए कि उन्होंने इस मामले में समय पर और पूरी गंभीरता से कार्रवाई की। यह तीसरी बार है, जब हेलरस्टीन ने ट्रंप की कोशिश रोकी है। ट्रंप चाहते थे कि मैनहट्टन की अमेरिकी जिला अदालत इस मामले को न्यूयॉर्क की अदालत से अपने हाथ में ले ले। इसी न्यूयॉर्क अदालत में ट्रंप पर मुकदमा चला था। वहीं उन्हें दोषी भी ठहराया गया था। ट्रंप को मई 2024 में दोषी ठहराया गया था। उस समय वह राष्ट्रपति पद पर नहीं थे। वह अपने पहले और दूसरे कार्यकाल के बीच थे।

नेपाल बाढ़ लाइव: त्रिशुली में रुका बचाव अभियान, अब तक 616 लोगों की मौत; 1900 से ज्यादा लापता

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में अचानक आई बाढ़ के कारण 579 से अधिक लोगों की मौत हुई है। 1900 से अधिक लोग अब भी लापता हैं। इनमें करीब 30 देशों के नागरिक शामिल हैं। भारत के कई पर्यटकों ने सुरक्षित स्वदेश वापसी के बाद राहत की सांस ली। हालांकि, उन्होंने जलप्रलय और बाढ़ की विभीषिका पर रोंगटे खड़े करने वाले विवरण साझा किए हैं। नेपाल बाढ़ त्रासदी में मरने वालों का आंकड़ा 616 पहुंच गया है। वहीं, लापता लोगों का आंकड़ा भी 2000 से ज्यादा हो गया है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, चीनी सरकारी मीडिया ने बताया है कि तिब्बत में भूस्खलन के मलबे के बीच बनी झील में जलस्तर एक बार फिर बढ़ रहा है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि इसकी वजह से एक बार फिर से भूस्खलन या मिट्टी के खिसकने का खतरा लगातार बना हुआ है। वहीं, नेपाल में राहत एवं बचाव कार्य में जुटे खोज दल जीवित बचे लोगों को खोजने के लिए मौसम के अनुकूल सीमित समय का पूरा फायदा उठा रहे हैं। सड़क को दोबारा खोलने के प्रयास भी जारी हैं।

बाढ़ राहत कार्यों में सहायता के लिए नेपाल पहुंचा 11 सदस्यीय भारतीय बचाव दल : अचानक आई बाढ़ में 500 से अधिक लोगों की मौत हो गई और लगभग 2,000 अन्य लापता हो गए। इस बचाव अभियान में स्थानीय अधिकारियों की सहायता के लिए 11

सदस्यीय भारतीय दल शनिवार को नेपाल पहुंचा। भारतीय दूतावास के सूत्रों के अनुसार, चिकित्सा कर्मियों और सुरंग बचाव विशेषज्ञों सहित इस टीम को नेपाल सरकार के अनुरोध पर भेजा गया था। टीम को हिमालयी देश में अचानक आई बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में भेजा जा रहा है, जहां बड़े पैमाने पर बचाव और राहत अभियान चलाए जा रहे हैं। बुधवार को रसुवा और मध्य नेपाल के अन्य हिस्सों में भीषण बाढ़ आई, जिसमें 500 से अधिक लोगों की मौत हो गई और बस्तियों, सड़कों, पुलों और जलविद्युत अवसंरचना को व्यापक क्षति पहुंची। शुक्रवार को नेपाल ने कहा कि वह अपने सुरक्षा बलों की अधिकतम तैनाती को ÷प्राथमिकता÷ देना चाहता है, जो स्थानीय पर्यावरणीय परिस्थितियों और दुर्गम भूभाग से भलीभांति परिचित हैं। हालांकि, विदेश मंत्री शिसिर खनाल ने कहा कि सरकार उन कठिन मामलों में अंतरराष्ट्रीय सहायता लेने के लिए तैयार है, जहां अत्यंत जटिल भौतिक संरचनाओं के लिए विशेष तकनीकी कौशल की आवश्यकता होती है।

मौसम बिगड़ने से रुका राहत और बचाव कार्य : त्रिशुली नदी में भारी बारिश के कारण मौसम की स्थिति बिगड़ने से बचाव अभियान अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। जानकारी के अनुसार खराब मौसम के चलते हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर पा रहे हैं। नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने के कारण, आसपास के क्षेत्रों के लोगों को एहतियात के तौर पर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

राहत कार्यों में विदेशी मदद लेने को तैयार हुआ नेपाल : नेपाल ने अपना फैसला बदलते हुए बाढ़ राहत कार्यों के लिए विदेशी मदद लेने पर सहमति जताई है। जिन देशों के नागरिक लापता हैं, उन देशों के दबाव के कारण सरकार को अपने फैसले से पीछे हटना पड़ा। अधिकारियों का कहना है कि वे टनल में बचाव कार्य और शवों की पहचान में अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की मदद लेंगे। भोटेकोशी बाढ़ की कवरेज करने वाले विदेशी पत्रकारों के लिए नेपाल ने नए नियम लागू किए हैं। पत्रकारों को पासपोर्ट और वीजा, अपने संगठन द्वारा जारी पहचान पत्र, वेतन और भत्तों का विवरण आदि जमा करना होगा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) नेपाल में आई बाढ़ को लेकर अपनी मदद का दायरा बढ़ा रहा है, जिसके तहत तत्काल 150,000 अमेरिकी डॉलर की धनराशि जारी की गई है। आवश्यकता आकलन जारी रहने के साथ-साथ अतिरिक्त संसाधन जारी किए जाने की उम्मीद है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक ने टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि आपदा शुरू होने के कुछ ही घंटों के भीतर, डब्ल्यूएचओ ने आपातकालीन आपूर्ति भेजी, जिसमें अंतर-एजेंसी आपातकालीन स्वास्थ्य आपूर्ति भी शामिल थी, जो लगभग 10,000 लोगों को 3 महीने तक आवश्यक सामग्री प्रदान कर सकती है। इसके अलावा, इसमें टेंट, 10,000 मास्क, दस्ताने और हैंड सैनिटाइजर भी शामिल थे। नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के बीच लापता हुए पश्चिम बंगाल के 39 पर्यटकों में से दो पर्यटकों से संपर्क स्थापित हो गया है, जबकि 37 लोग अब भी लापता हैं।

नॉर्वे के महाराजा हेराल्ड पंचम का निधन, 89 की उम्र में ली आखिरी सांस, पीएम मोदी ने दुख जताया

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। नॉर्वे के पांचवें महाराजा हेराल्ड का 89 साल की उम्र में निधन हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किंग हेराल्ड के निधन पर शोक जताया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। शाही महल की ओर से गुरुवार को जानकारी दी गई थी कि किंग की हालत काफी गंभीर है और उनका इलाज ओस्लो के नेशनल हॉस्पिटल में चल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ÷नॉर्वे के किंग हेराल्ड पंचम के निधन से मुझे गहरा दुख हुआ। इस साल की शुरुआत में अपनी नॉर्वे यात्रा के दौरान महामहिम से हुई मुलाकात को मैं स्नेहपूर्वक याद करता हूं और राष्ट्र के प्रति उनकी गर्मजोशी और सेवा की गहरी भावना से मैं अत्यंत प्रभावित हुआ था। शाही परिवार और नॉर्वे के लोगों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं।

यूरो न्यूज की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, किंग हेराल्ड की बिगड़ती सेहत को लेकर चिंता बढ़ने पर सैकड़ों लोग ओस्लो रॉयल पैलेस के बाहर फूल और मोमबत्तियां लेकर इकट्ठा हुए। यूरोप के सबसे उम्रदराज शासक किंग हेराल्ड 17 अगस्त से हीमोलिटिक एनीमिया के कारण अस्पताल में भर्ती थे। बाद में बैक्टीरियल ब्लडस्ट्रीम इंफेक्शन से उनकी स्थिति और गंभीर हो गई। हालत बिगड़ने पर क्रीन सोन्या और क्राउन प्रिंस हाकोन, जो रीजेंट के तौर पर काम कर रहे हैं, ने अपने

आधिकारिक कार्यक्रम रद्द कर दिए और शाही परिवार के अन्य सदस्यों के साथ नॉर्वे किंग के पास पहुंचे। इस खबर के बाद ओस्लो में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। सैकड़ों लोग रॉयल पैलेस के बाहर इकट्ठा हुए, जहां उन्होंने फूल रखे, मोमबत्तियां जलाईं और राजा के लिए हाथ से लिखे संदेश और चित्र छोड़े। नॉर्वे के अन्य शहरों में भी इसी तरह लोगों के जुटने की खबरें आईं, जहां लोग राजा के स्वास्थ्य पर आगे की जानकारी का इंतजार कर रहे थे। यूरो न्यूज ने बताया कि तबीयत बिगड़ने के बाद सरकार के वरिष्ठ नेताओं ने भी अपने कार्यक्रमों में बदलाव किया। प्रधानमंत्री जोनास गाहर स्टोरे ने जर्मनी की अपनी नियोजित यात्रा रद्द कर दी और कहा कि वह पूरे देश के साथ राजा और शाही परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। संसद अध्यक्ष मसूद घराहखानी ने भी अपनी विदेश यात्रा बीच में ही रोककर नॉर्वे लौटने का फैसला किया। हेराल्ड 1991 से नॉर्वे के राजा थे और हाल के वर्षों में उन्हें कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ा है।

ट्रंप के चेहरे जैसी दवा पर नीदरलैंड में अलर्ट; संघर्षविराम के बावजूद गाजा में आईडीएफ के हमले, पांच की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। नीदरलैंड के ट्रिंबोस इंस्टीट्यूट ने ट्रंप के सिर के आकार जैसी दिखने वाली एक्स्टसी गोलियों को लेकर चेतावनी जारी की है। संस्थान ने लोगों से इन गोलियों का इस्तेमाल नहीं करने को कहा है। हाल में ड्रग टेस्टिंग केंद्रों पर ऐसी कई गोलियां पहुंची हैं। इन गोलियों में नाम का खतरनाक रसायन मिला है। इसकी मात्रा काफी अधिक बताई गई है। तुलना में देर से होता है। इससे व्यक्ति को लग सकता है कि गोली ने काम नहीं किया। वह दूसरी गोली ले सकता है। इससे ओवरडोज का खतरा बढ़ जाता है। संस्थान के मुताबिक, ज्यादा मात्रा जानलेवा साबित हो सकती है। हालांकि, अभी ऐसी गोलियों से गंभीर बीमारी या मौत का कोई मामला सामने नहीं आया है। नीदरलैंड में एक्स्टसी का उत्पादन और इस्तेमाल गैरकानूनी है। इससे पहले 2017 में जर्मनी में भी ट्रंप के चेहरे वाली हजारों गोलियां जब्त हुई थीं। संघर्षविराम के बावजूद गाजा में इस्राइली सेना के हमले, पांच की मौत अमेरिका की मध्यस्थता में हुए संघर्षविराम के बावजूद गाजा में इस्राइली सेना के हवाई हमले जारी हैं। शुक्रवार को इन हमलों में पांच लोगों की मौत हुई। स्थानीय अस्पताल अधिकारियों के मुताबिक, खान यूनिस के पास एक घर पर हुए हमले में दो भाइयों समेत तीन लोगों की जान गई। गाजा सिटी में अलग-अलग हमलों में दो अन्य लोगों की मौत हुई। ईरान ने अमेरिकी आर्थिक प्रतिबंधों को 'आर्थिक आतंकवाद' बताया है। दूसरी ओर, फिनलैंड ने को सहायता देने का समझौता आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। ब्रिटेन ने गाजा संघर्षविराम निगरानी केंद्र से अपने अधिकारियों को हटाने के किसी भी इस्राइली कदम का विरोध किया है। अमेरिका के एक न्यायाधीश ने रक्षा मुख्यालय पेंटागन की तरफ से एंथ्रोपिक को काली सूची में डालने के फैसले पर रोक लगा दी। कैलिफोर्निया की संघीय अदालत में एंथ्रोपिक के मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने अपनी अधिकार-सीमा से बाहर जाकर क्लाउड बनाने वाली कंपनी एंथ्रोपिक को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आपूर्ति श्रृंखला जोखिम करार दिया।

नेपाल बाढ़: विदेश से मदद लेने पर बालेन सरकार का यू-टर्न, लापता लोगों की तलाश में भारत समेत ये देश देंगे साथ

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सरकार ने भोटेकोशी में आई बाढ़ से प्रभावित इलाकों में अंतरराष्ट्रीय खोज और बचाव टीमों को न आने देने के अपने फैसले को बदल दिया है। यह फैसला उन देशों के राजनयिक दबाव के बाद लिया गया है, जिनके नागरिक इस आपदा के बाद से लापता हैं।

नेपाल सरकार ने पहले क्या फैसला लिया था : सरकार ने बुधवार को कहा था कि नेपाली बचावकर्मी खोज अभियान संभालने में सक्षम हैं। विदेशी बचाव टीमों को अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि, एक दिन के भीतर ही अधिकारियों ने सुरंग से बचाव कार्य, डीएनए टेस्टिंग और फोरेंसिक जांच जैसे विशेष क्षेत्रों में सीमित अंतरराष्ट्रीय मदद लेने का फैसला किया।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने क्या बताया : सरकार के एक वरिष्ठ

अधिकारी ने द काठमांडू पोस्ट को बताया, अंतरराष्ट्रीय समुदाय की ओर से हम पर भारी दबाव था कि कम से कम खोज और बचाव दलों और कुछ विशेषज्ञों को आने की अनुमति दी जाए, क्योंकि बाढ़ में उनके नागरिक भी लापता हो गए हैं। हम कुछ खास इलाकों में सीमित संख्या में विशेषज्ञों को आने की अनुमति दे रहे हैं।

विदेश मंत्री ने क्या कहा : विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने रॉयटर्स को बताया, चीन के साथ हिमालयी सीमा पर आई विनाशकारी बाढ़ के बाद नेपाल को उन खास और तकनीकी क्षेत्रों में विदेशी मदद की जरूरत है जिनमें उसके पास विशेषज्ञता की कमी है लेकिन खोज और बचाव कार्यों के लिए उसे विदेशी मदद की जरूरत नहीं है।

किन देशों को मिली है मंजूरी : नेपाल के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के आकलन के आधार पर, एक अंतर-मंत्रालयी समन्वय समिति ने भारत, चीन, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया से मदद को मंजूरी दी है। इन चार देशों के विशेषज्ञ और तकनीशियन सुरंग से बचाव अभियान, डीएनए टेस्टिंग और फोरेंसिक जांच में मदद करेंगे। राहत सहायता की पेशकश करने वाले कई अन्य देशों ने भी विशेषज्ञ टीमें भेजने की इच्छा जताई है। हालांकि, नेपाल ने ऐसी मांगों को स्वीकार नहीं किया है। काठमांडू में कम से कम दो विदेशी दूतावासों के अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने अपने लापता नागरिकों का पता लगाने में मदद के लिए टीमें भेजने का बार-बार अनुरोध किया था, लेकिन उन्हें कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला। इसके साथ ही नेपाल सरकार ने बाढ़ की कवरेज करने वाले घरेलू और विदेशी मीडिया संस्थानों के लिए नए नियम लागू किए हैं। सूचना और संचार मंत्रालय के तहत सूचना प्रशासन और प्रेस शाखा के अनुसार, विदेशी पत्रकारों को अपने पासपोर्ट और वैध वीजा की कॉपी के साथ-साथ अपने मीडिया संस्थान से मिला अपॉइंटमेंट लेटर या एग्रीमेंट जमा करना होगा।

टीम बिना कोई चैंपियन नहीं: जरूरत पर मदद लेना कमजोरी नहीं, मजबूत सहयोगी होने के संकेत; सफल इंसान की पहचान क्या

अल्बानी, एजेंसी। मियामी तट के पास अटलांटिक महासागर की तेज लहरों में 86 वर्षीय मां पानी निगलकर बेहोश हो चुकी थी। फेफड़ों में भरता पानी और थमती सांसें। बेटी ने अपनी पूरी ताकत से हाथ-पैर मारकर मां को खींचने की कोशिश की, लेकिन समंदर की ताकत के आगे उसकी हर कोशिश नाकाम हो रही थी।

जब लगा कि दोनों डूब जाएंगे, तभी बेटी ने अपनी रणनीति बदली। एक हाथ से मां का सिर पानी के ऊपर रखा और दूसरा हाथ हवा में लहराते हुए पूरी ताकत से चीख पड़ी...मदद करो। रेस्क्यू बोट के प्रशिक्षित तैराकों ने तुरंत छलांग लगाई, दोनों को पानी से निकाला और समय पर अस्पताल पहुंचाया। यह दास्तान किसी आम इंसान की नहीं, बल्कि जुनून और दृढ़

संकल्प पर दुनिया की सबसे चर्चित बेस्टसेलर किताब लिखने वाली प्रसिद्ध साइकोलॉजिस्ट डॉ एंजेला डकवर्थ की है। डकवर्थ लिखती हैं, उस दिन मेरी और मां की जान समंदर की लहरों से अकेले लड़ने से नहीं बची, बल्कि सही समय पर मदद की गुहार लगाने से बची।

अकेले जीतने का भ्रम : समाज में थॉमस एडिसन के हजारों प्रयोगों या स्टीव जॉब्स के अकेले दम पर क्रांति लाने की कहानियां गढ़कर लोगों को यह सिखाया जाता है कि हर मुश्किल से अकेले जूझना ही मर्दानगी या असली कामयाबी है।

रिसर्च का निष्कर्ष : दुनिया के शीर्ष सफल लोगों का गहन अध्ययन करने के बाद डकवर्थ कहती हैं, शीर्ष स्तर के सफल लोगों ने अपनी सफलता का श्रेय उन लोगों को दिया जिन्होंने मुश्किल वक्त में उनका हाथ थामा। मदद मांगना कमजोरी नहीं = रिसर्च से साबित हुआ है कि जो लोग सलाह और सहयोग मांगने में संकोच नहीं करते, वे अकेले जूझने वालों के मुकाबले कई गुना ज्यादा तेजी से सीखते हैं।

सबसे बड़े वेल्थ फंड के सीईओ निकोलाई टैंगेन : निकोलाई अपनी लीडरशिप किताब में अपनी निजी खूबियों से ज्यादा अपनी असिस्टेंट ग्रेटे स्टारहाइम की भूमिका को विस्तार से दर्ज करते हैं। निकोलाई कहते हैं, मैं उस पर आंख मूंदकर भरोसा करता हूं। जब वह कहती है कि मैं गलत हूं, तो मैं अपनी गलती मान लेता हूं। क्या यह स्वीकार करने में कोई शर्म है कि हमें दूसरों की मदद की जरूरत है? कोनन ओ%ब्रायन की हार्वर्ड स्पीच = प्रसिद्ध टीवी होस्ट कोनन ओ%ब्रायन ने हार्वर्ड के दीक्षांत समारोह में कहा था, अगर मैं आज उन सभी लोगों को यहां बुला लूं जिन्होंने मुझे इस मुकाम तक पहुंचाने में मदद की है, तो पूरा शहर खचाखच भर जाएगा।

मोहन भागवत ने किया इस्कॉन मंदिर का दौरा, लोगों में उत्साह; विरोध करने वाला यूएससीआईआरएफ क्या बोला

अल्बानी, एजेंसी। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के अमेरिका दौरे के बीच न्यूयॉर्क में उनका 26 सेकंड एवेन्यू जाना चर्चा में रहा। यह वही स्थान है जहां स्वामी प्रभुपाद ने इस्कॉन का पहला मंदिर स्थापित किया था। भागवत ने जरूरतमंद और बेघर लोगों के लिए आयोजित भोजन वितरण कार्यक्रम में भी भाग लिया।

अमेरिका के न्यूयॉर्क में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है। इस बीच मोहन भागवत ने शुक्रवार को न्यूयॉर्क में 26 सेकंड एवेन्यू का दौरा किया। इसी स्थान पर स्वामी प्रभुपाद ने पहला इस्कॉन मंदिर स्थापित किया था। इस दौरान भागवत ने शहर में बेघर लोगों की मदद के लिए आयोजित भोजन वितरण अभियान में भी हिस्सा लिया। न्यूयॉर्क के 26 सेकंड एवेन्यू पर इस्कॉन की स्थापना के 60 वर्ष पूरे होने के मौके पर समारोह हो रहा है। वहीं, मोहन भागवत की अमेरिका यात्रा को लेकर अमेरिका की विश्व हिंदू परिषद की अध्यक्ष तेजल शाह ने कहा, यह ऐसा आयोजन है, जो बहुलता, विविधता में एकता और पूरे समुदाय के एक साथ आने का संदेश देता है। हम केवल रक्षाबंधन का त्योहार ही नहीं मना रहे हैं, बल्कि यह भी जता रहे हैं कि समुदाय का हर सदस्य एक-दूसरे के साथ किस तरह संबंध रख सकता है।

न्यूयॉर्क में रक्षाबंधन के कार्यक्रम में शामिल होंगे आरएसएस प्रमुख : तेजल शाह ने आगे कहा, इसके नतीजतन हम आने वाले समय में दुनिया को बेहतर जगह बना सकते हैं। संदेश बिल्कुल स्पष्ट है कि आगे आएं, मतभेदों को एक तरफ रखें, मानवता के लिए मिलकर काम करें और बेहतर भविष्य के लिए मिलकर काम करें। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत न्यूयॉर्क में भारतीय समुदाय के लोगों के साथ मुलाकात करेंगे और रक्षाबंधन के एक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

यूएससीआईआरएफ क्यों चाहता है भागवत के साथ बातचीत : लॉस एंजिलिस में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के साथ खुले संवाद की संभावना पर अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग के आयुक्त डॉ. आसिफ महमूद ने कहा, अगर ऐसा कोई अवसर मिलता है तो मैं निश्चित रूप से उनके साथ बैठकर बातचीत करने के लिए तैयार हूं। अगर इसकी व्यवस्था की जा सकती है तो हमें उनके साथ बैठकर बातचीत करने और अधिक जागरूकता पैदा करने में खुशी होगी। उन्होंने कहा, हो सकता है कि कुछ आश्वासन और गारंटी हों, जो वे दे सकते हैं और इससे हमारी सोच बदल सकती है।

भारतीय पेशेवरों पर संकट: अमेरिका में नौकरी गई तो 60 दिन की राहत हो सकती है खत्म, प्रस्ताव की समीक्षा पूरी

वॉशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी और अन्य विदेशी पेशेवरों की नौकरी खत्म होने के बाद मिलने वाली 60 दिन की विवेकाधीन राहत अवधि को समाप्त करने के प्रस्ताव की समीक्षा पूरी कर ली है। इससे हजारों भारतीय कर्मचारियों और उनके परिवारों पर असर पड़ सकता है। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने %विवेकाधीन 60 दिन की राहत अवधि समाप्त करना शीर्षक वाला प्रस्ताव छह अगस्त को व्हाइट हाउस के सूचना और नियामक मामलों के कार्यालय को भेजा था।

आधिकारिक नियामक रिकॉर्ड के अनुसार, प्रस्ताव की समीक्षा 27 अगस्त को पूरी हुई। इसमें कार्रवाई की स्थिति बदलाव के साथ अनुरूप दर्ज की गई है। इसका मतलब है कि प्रस्ताव कुछ बदलावों के साथ व्हाइट हाउस की समीक्षा प्रक्रिया से आगे बढ़ गया है। हालांकि, प्रस्ताव अभी प्रकाशित नहीं हुआ है और इसके पूरे प्रावधान उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए मौजूदा 60 दिन की राहत अवधि फिलहाल लागू है।

समीक्षा पूरी होने के बाद अब आगे क्या होगा : अगले चरण में प्रस्तावित नियम को आम तौर पर संघीय रजिस्टर में प्रकाशित किया जाएगा। इसके बाद लोगों और संगठनों से इस पर सार्वजनिक टिप्पणियां मांगी जाएंगी। गृह सुरक्षा विभाग को इन टिप्पणियों पर विचार करने के बाद अंतिम नियम जारी करना होगा। इसके बाद ही कोई बदलाव प्रभावी हो सकेगा।

इस प्रस्ताव का नियामक सूचना नंबर 1615-एडी22 है और इसे अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा द्वारा तैयार किया जा रहा है। नियामक रिकॉर्ड में इसे ऐसा प्रस्तावित नियम बताया गया है, जिसका आर्थिक प्रभाव महत्वपूर्ण नहीं है और इसे लागू करने की कोई कानूनी समयसीमा नहीं है। मौजूदा नियम के तहत पात्र कर्मचारियों को नौकरी खत्म होने के बाद लगातार 60 दिनों तक या उनके अधिकृत प्रवास की अवधि खत्म होने तक, इनमें से जो अवधि कम हो, उतनी राहत मिल सकती है। एच-1बी लाभार्थियों में सबसे ज्यादा भारतीय इस

अवधि में प्रभावित कर्मचारी ऐसे नए नियोक्ता की तलाश कर सकते हैं, जो उन्हें प्रायोजित करने के लिए तैयार हो। वे अपनी आव्रजन स्थिति में बदलाव के लिए आवेदन कर सकते हैं या अमेरिका छोड़ने की तैयारी कर सकते हैं। यह प्रावधान एच-1बी, एल-1, ओ-1 और कई अन्य अस्थायी रोजगार वीजा धारकों पर लागू होता है।

एच-1बी लाभार्थियों में भारतीय नागरिकों की संख्या सबसे अधिक है। ऐसे में अगर प्रशासन इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाता है तो भारतीय पेशेवरों के सामने विशेष रूप से अनिश्चितता पैदा हो सकती है। एशियाई अमेरिकी, मूल हवाईवासी और प्रशांत द्वीपवासी मामलों पर राष्ट्रपति की सलाहकार समिति के पूर्व सदस्य अजय जैन भूटोरिया ने प्रस्तावित बदलाव की आलोचना की। उन्होंने कहा कि मौजूदा राहत अवधि को खत्म करने के बजाय बढ़ाया जाना चाहिए।

भारतीय समुदाय ने की प्रस्तावित बदलावों की आलोचना : भूटोरिया ने कहा, मैं गृह सुरक्षा विभाग की इस प्रस्तावित नीति की कड़ी निंदा करता हूं और इसका विरोध करता हूं। 60 दिन की राहत अवधि खत्म करना अमानवीय और व्यावहारिक रूप से असंभव है। जब किसी उच्च कौशल वाले कर्मचारी को अचानक नौकरी से निकाल दिया जाता है, तब भी 60 दिन का समय बहुत कम था। इस सुरक्षा को पूरी तरह खत्म करने से हजारों कानून का पालन करने वाले लोगों के पास अपनी जिंदगी समेटने के लिए बिल्कुल भी समय नहीं बचेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अचानक नौकरी खत्म होने के बाद प्रभावित परिवारों के पास अपना घर, बच्चों की पढ़ाई और अन्य निजी मामलों को संभालने के लिए पर्याप्त समय नहीं हो सकता है। भूटोरिया ने कहा कि 2023 में उन्होंने राष्ट्रपति की सलाहकार समिति से राहत अवधि को 60 दिन से बढ़ाकर 180 दिन करने की सिफारिश को सर्वसम्मति से मंजूरी दिलाई थी। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा और इंजीनियरिंग क्षेत्रों में भर्ती प्रक्रिया में अक्सर कई चरणों में साक्षात्कार होते हैं। इसके बाद नए नियोक्ता के पास कर्मचारी की आव्रजन स्थिति स्थानांतरित करने के लिए जरूरी कागजी कार्रवाई भी करनी पड़ती है।

भूटोरिया ने कहा, नौकरी से निकाले गए एच-1बी कर्मचारियों के लिए 60 दिन की राहत अवधि खत्म करना एक बड़ा कदम पीछे जाने जैसा है। जब मैंने मार्च 2023 में राष्ट्रपति की सलाहकार समिति के सामने इस अवधि को बढ़ाकर 180 दिन करने की सिफारिश रखी थी, तो वह कंपनियों में होने वाली भर्ती की वास्तविक स्थिति पर आधारित थी।

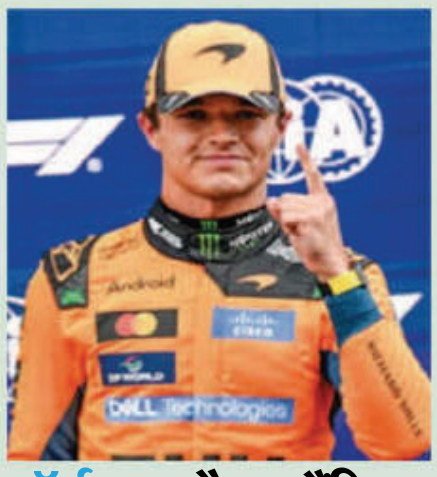

फॉर्मूला 1: मौजूदा चैंपियन लैंडो नॉरिस ने मैकलारेन के साथ बढ़ाया करार

नई दिल्ली। मौजूदा फॉर्मूला 1 चैंपियन लैंडो नॉरिस ने मैकलारेन के साथ अपना करार आगे बढ़ाने का फैसला किया है। वह कम से कम 2030 सीजन के आखिर तक ब्रिटिश टीम के लिए रेस करेंगे। इस डील में 2030 के बाद भी कई साल तक जुड़े रहने का विकल्प शामिल है।

2017 में टीम से जुड़े थे नॉरिस

इस करार के बढ़ने से नॉरिस 'पपाया' (मैकलारेन टीम का उपनाम) के साथ एक दशक से ज्यादा समय तक बने रहेंगे। वह 2017 में टेस्ट और डेवलपमेंट ड्राइवर के तौर पर टीम से जुड़े थे और 2019 में उन्हें ग्रिड पर रेस करने का मौका मिला था। एफ1 की रिपोर्ट के अनुसार, नॉरिस ने कहा, मैं बहुत ज्यादा उत्साहित हूं। फॉर्मूला 1 में मेरे करियर की शुरुआत से ही मैकलारेन मेरा घर रहा है और मैं चाहता हूं कि यह आगे भी ऐसा ही बना रहे। हमारे पिछले कुछ साल बहुत अच्छे रहे हैं और मुझे भरोसा है कि हम आगे भी कई बार ऐसी सफलता हासिल कर सकते हैं। इसलिए मैं यहीं बने रहना चाहता हूं। माना जा रहा था कि नॉरिस की पिछली डील 2027 सीजन के आखिर में खत्म हो जाएगी, लेकिन इस नई डील के साथ वह कम से कम 12 साल तक 'पपाया' के लिए रेस करेंगे। मैकलारेन उन्हें एमसीएल39 कार तोहफे में देगी, जिससे उन्होंने रेस की और 2025 का टाइटल जीता। उन्होंने कहा, मुझे पता है कि आने वाले कई वर्षों तक मैं सुरक्षित महसूस करूंगा क्योंकि मेरे पास नौकरी है। मैं वहीं हूं जहां मैं रहना चाहता हूं और उन लोगों के साथ हूं जिनके साथ मैं रहना चाहता हूं और यह बात मुझे सुकून देती है। उन्होंने आगे कहा, मैं अपने काम पर ध्यान दे सकता हूं और एक टीम के तौर पर हम उस काम पर भी ध्यान दे सकते हैं जो हम करना चाहते हैं। लोग अक्सर नतीजों को ही सबसे अहम मानते हैं और 99 प्रतिशत मामलों में वे अहम होते भी हैं, लेकिन मैं कहूंगा कि इसमें कुछ गुंजाइश भी होती है उन लोगों के साथ होने का फायदा भी मिलता है जिनके साथ मैं रहना चाहता हूं और जिनके साथ अपने करियर का सफर तय करने में मुझे मजा आता है।

भारतीय गेंदबाज को मिला काउंटी क्रिकेट का टिकट, सरे के लिए खेलेंगे कश्मीर के स्टार पेसर

नई दिल्ली: जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज औकीब नबी इंग्लैंड के काउंटी चैंपियनशिप डिविजन-1 में सरे के लिए थोड़े समय के लिए खेलते नजर आ सकते हैं। नबी को इंग्लैंड जाने का वीजा मिल गया है और वह रविवार को नई दिल्ली से इंग्लैंड के लिए रवाना होने वाले हैं। सब कुछ ठीक रहा तो वह 2 सितंबर से द ओवल में यॉर्कशायर के खिलाफ शुरू होने वाले मुकाबले में सरे का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं।

रणजी ट्रॉफी में मचाया था तहलका

औकीब नबी ने पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में शानदार प्रदर्शन करते हुए सबसे ज्यादा 60 विकेट हासिल किए थे। उन्होंने 12.56 की औसत से विकेट चटकाकर जम्मू-कश्मीर को पहली बार रणजी ट्रॉफी चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। उनके इस प्रदर्शन के बाद उन्हें भारतीय टीम के भविष्य के लिए एक उपयोगी तेज गेंदबाजी विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। नबी हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ भारत की 1-0 से टेस्ट सीरीज जीतने वाली टीम का हिस्सा थे, लेकिन उन्हें दोनों टेस्ट मैचों में खेलने का मौका नहीं मिला।

इंग्लैंड में स्विंग गेंदबाजी पर होगी नजर

नबी के काउंटी कार्यकाल का एक अहम उद्देश्य उन्हें इंग्लैंड की तेज गेंदबाजों के अनुकूल परिस्थितियों में खेलने का अनुभव देना है। भारतीय टीम मैनेजमेंट और राष्ट्रीय चयनकर्ता यह भी देखना चाहते हैं कि नबी इंग्लैंड के मौसम और परिस्थितियों में गेंद को कितना स्विंग करा सकते हैं। आगामी टेस्ट दौरे पर न्यूजीलैंड में भी सीम और स्विंग के लिए अनुकूल परिस्थितियां मिलने की उम्मीद है। ऐसे में लाल कूकाबुरा गेंद से नबी का अनुभव उनके लिए काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सरे के साथ तीन मैच खेलने की संभावना

सरे के लिए नबी का संभावित कार्यकाल 2 सितंबर से शुरू होने वाले यॉर्कशायर के खिलाफ मुकाबले से शुरू हो सकता है। इसके बाद सरे को 8 सितंबर को होव में ससेक्स और 15 सितंबर को द ओवल में ग्लैमरगन के खिलाफ खेलना है। नबी इन मुकाबलों के लिए भी उपलब्ध रह सकते हैं। सरे की मौजूदा टीम में भारत के लेग स्पिनर राहुल चाहर और अनकैप्ड बल्लेबाजी ऑलराउंडर महिपाल लोमरोर भी शामिल हैं।

उथप्पा को आईपीएल से मिले थे 3.2 करोड़: अचानक मिले पैसों से डिप्रेशन में गए थे, बोले- आत्महत्या तक के ख्याल आए

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने अपने प्रोफेशनल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म लिंक्डइन पर एक बेहद भावुक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने बताया कि कैसे साल 2008 में मिले उनके पहले 3.2 करोड़ रुपये के आईपीएल कॉन्ट्रैक्ट ने उन्हें मानसिक रूप से पूरी तरह तोड़ दिया था।

उथप्पा ने कहा, 21-22 साल की उम्र में इतनी बड़ी रकम (3.2 करोड़ रुपये) मिली, जो उनकी कई पीढ़ियों ने भी नहीं कमाई थी। उनके आस-पास कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं था जो इतनी बड़ी रकम को संभालने या निवेश करने की सही सलाह दे सके। अचानक मिले इस पैसे ने उनके रिश्तों और फैसलों को बदल दिया। साल 2009 तक आते-आते वे गंभीर अवसाद (क्लिनिकल डिप्रेशन) के शिकार हो गए।

उन्होंने खुलासा किया कि वे साउथ अफ्रीका के एक होटल की 23वीं मंजिल की खिड़की पर बैठकर खुदकुशी करने के विचार से जूझ रहे थे। उस वक्त उनकी करोड़ों की कमाई का कोई मोल नहीं रह गया था। उथप्पा ने आज के युवा एथलीट्स, स्टार्टअप फाउंडर्स और आंत्रप्रेन्योर्स को सीख दी है कि 'पैसा कभी आपकी जीत नहीं होता, बल्कि यह आपकी परीक्षा होता है। उथप्पा ने कहा,मुझे मेरा पहला आईपीएल कॉन्ट्रैक्ट 2008 में मिला था। मैं सिर्फ 21 साल का था। मैंने कभी सपने में भी इतने पैसों की उम्मीद नहीं की थी। 30 साल की उम्र में भी नहीं, 40 में भी नहीं। शायद कभी भी नहीं। आज मैं हर उस युवा खिलाड़ी, आंत्रप्रेन्योर (उद्यमी) या स्टार्टअप फाउंडर को बताना चाहता हूं, जिसे अचानक बड़ी कामयाबी या पैसा मिलता है जब बहुत सारा पैसा आता है, तो बहुत सारे लोग भी आते हैं। आपके दिमाग में दस लाख विचार आते हैं। उन विचारों से लाखों उलझनें पैदा होती हैं। उन उलझनों से आपसी बातचीत में गलतफहमियां होती हैं और यह सब आपको बहुत ही मुश्किल हालातों में लाकर खड़ा कर देते हैं।

अर्जेंटीना की टीम बनी चैंपियन

महिला हॉकी विश्वकप: नौ बार की चैंपियन नीदरलैंड को शूटआउट में हराया

एम्सटेलवीन, एजेंसी। अर्जेंटीना ने शनिवार को रोमांचक फाइनल में सह-मेजबान नीदरलैंड को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से हराकर महिला हॉकी विश्व कप का खिताब अपने नाम कर लिया। निर्धारित समय में दोनों टीमें 1-1 से बराबर रहीं, जिसके बाद मुकाबले का फैसला शूटआउट से हुआ। अर्जेंटीना ने शूटआउट में संयम दिखाते हुए बाजी मार ली और तीसरी बार विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

अर्जेंटीना की ओर से विक्टोरिया ग्रानाटो, ब्रिसा ब्रगेसेर और सोफिया काइरो ने गोल किए। वहीं डियाज जो का प्रयास अमान्य करार दिया गया। नीदरलैंड के लिए केवल वीन मारिन गोल कर सकीं, जबकि पियेन सैंडर्स, फेलिस अलबर्स और मोएस फ्रीके अपने प्रयासों को गोल में नहीं बदल सकीं।

इस जीत के साथ अर्जेंटीना ने पिछली बार की हार का हिसाब भी बराबर कर लिया। पिछले विश्व कप में नीदरलैंड ने अर्जेंटीना को 3-1 से हराकर खिताब जीता था। खास बात यह है कि अर्जेंटीना ने इससे पहले 2002 और 2010 में भी नीदरलैंड को हराकर विश्व कप ट्रॉफी अपने नाम की थी। नौ बार की विश्व चैंपियन नीदरलैंड के पास रिकॉर्ड 10वां खिताब जीतने का मौका था, लेकिन अर्जेंटीना ने उसके अभियान पर विराम लगा दिया। लगातार चौथी बार विश्व कप जीतने का डच टीम का सपना भी टूट गया।

यिब्बी के गोल से नीदरलैंड आगे

वेगनेर स्टेडियम में नारंगी रंग से सराबोर दर्शकों के सामने नीदरलैंड ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। शुरुआती 15 मिनट में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला, लेकिन कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। दूसरे क्वार्टर के आखिरी मिनट में नीदरलैंड को पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला। दुनिया की नंबर एक ड्रैग-फ्लिकर मानी जाने वाली यिब्बी यानसेन ने शानदार ड्रैग फ्लिक लगाकर गेंद को गोल में पहुंचा दिया। यह टूर्नामेंट में उनका आठवां गोल था और नीदरलैंड ने 1-0 की बढ़त बना ली।

ग्रानाटो ने दिलाई बराबरी

ब्रेक के बाद अर्जेंटीना ने लगातार दबाव बढ़ाया। उसे कई पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन नीदरलैंड की अनुभवी गोलकीपर एन्ने वीनेंनडाल ने शानदार बचाव करते हुए अर्जेंटीना को बराबरी करने से रोके रखा। अर्जेंटीना ने हमले जारी रखे और मैच के 54वें मिनट में आखिरकार उसे सफलता मिली। गोरजेलानी की फ्लिक को रोकने की कोशिश में डच गोलकीपर फिसल गईं और गोल के पास मौजूद कप्तान मारिया ग्रानाटो ने रिबाउंड पर गेंद को गोल में डाल दिया। स्कोर 1-1 हो गया।

शूटआउट में डच खिलाड़ियों पर दबाव

इसके बाद दोनों टीमों ने निर्णायक बढ़त हासिल करने की कोशिश की, लेकिन कोई गोल नहीं हुआ। मुकाबला शूटआउट में पहुंचा, जहां अर्जेंटीना के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। नीदरलैंड की ओर से सिर्फ वीन मारिन सफल रहीं। इसके बाद अर्जेंटीना के गोल और डच खिलाड़ियों के चूके प्रयासों ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। अंततः अर्जेंटीना ने 3-1 से शूटआउट जीतकर तीसरी बार विश्व कप ट्रॉफी उठा ली।

साइकिल चलाते दिखे कोच गंभीर, दिया बड़ा संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने देश में फिटनेस को बढ़ावा देने वाली सरकार की 'फिट इंडिया' पहल की जमकर सराहना की है। रविवार को दिल्ली में आयोजित 'संडे ऑन साइकिल विद रन एंड राइड' कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए गंभीर ने कहा कि फिटनेस को केवल किसी एक दिन या कार्यक्रम तक सीमित नहीं रखना चाहिए। उनके मुताबिक, स्वस्थ और फिट नागरिक ही मजबूत और आत्मनिर्भर भारत की नींव बन सकते हैं।

गौतम गंभीर ने केंद्रीय मंत्री मनसुख एल. मंडाविया और अभिनेत्री मधुरिमा तुली के साथ साइकिलिंग पहल में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को साइकिल चलाने, शारीरिक गतिविधियों में हिस्सा लेने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना था। क्रिकेट के मैदान पर फिटनेस और अनुशासन को बेहद अहम मानने वाले गंभीर ने खुद इस अभियान में शामिल होकर लोगों को सक्रिय जीवनशैली का संदेश दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में फिटनेस प्रेमियों और अन्य लोगों ने भी हिस्सा लिया।

गंभीर ने 'फिट इंडिया' पहल को लेकर कहा कि इसका महत्व किसी एक आयोजन से कहीं ज्यादा है। उन्होंने इसे एक ऐसे अभियान के रूप में देखने की अपील की, जिसे लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। गंभीर ने कहा, 'सरकार की ओर से आयोजित यह फिट इंडिया कार्यक्रम एक शानदार पहल है, क्योंकि मेरा मानना है कि भारत जितना फिट होगा, उतना ही मजबूत होगा और उतना ही अधिक आत्मनिर्भर बनेगा।

छांगटे को 'इंडियन फ़ुटबॉलर ऑफ़ द ईयर 2026' का मिला खिताब

मिज़ोरम के फ़ुटबॉल खिलाड़ी लालियानज़ुआला छांगटे को साल 2026 का सर्वश्रेष्ठ भारतीय फ़ुटबॉलर चुना गया है। 29 वर्षीय चांगते हाल ही में मुंबई फ़ुटबॉल क्लब से मोहन बागान में शामिल हुए हैं। उन्होंने कल रात भारतीय फ़ुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ी बाइचुंग भूटिया से यह सम्?मान मिला है। फ़ुटबॉल प्लेयर्स एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया द्वारा आयोजित यह पुरस्कार साथी खिलाड़ियों के वोटों के आधार पर तय किया जाता है।

त्रिनबागो नाइटराइडर्स का बड़ा फैसला

ब्रावो की जर्सी नंबर 47 अब कोई नहीं पहन सकेगा

त्रिनिदाद। कैरेबियन क्रिकेट के दिग्गज ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो को त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने ऐसा सम्मान दिया है, जो कैरेबियन प्रीमियर लीग के इतिहास में इससे पहले किसी खिलाड़ी को नहीं मिला। फ्रेंचाइजी ने ब्रावो की मशहूर नंबर 47 जर्सी को हमेशा के लिए रिटायर करने का फैसला किया है। टीम ने यह कदम ब्रावो के फ्रेंचाइजी, सीपीएल और त्रिनिदाद एवं टोबैगो क्रिकेट में असाधारण योगदान के सम्मान में उठाया।

पहली बार किसी खिलाड़ी की जर्सी रिटायर

जमैका किंग्समेन के खिलाफ मुकाबले से पहले आयोजित समारोह में नाइट राइडर्स ग्रुप के सीईओ वेंकी मैसूर ने इस फैसले की घोषणा की। इसके साथ ही ब्रावो सीपीएल इतिहास में जर्सी रिटायर होने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। मैसूर ने कहा, 'नाइट राइडर्स और सीपीएल में ड्वेन ब्रावो के योगदान को मापना असंभव है। नंबर 47 को रिटायर करना यह सुनिश्चित करने का हमारा तरीका है कि उनकी विरासत हमेशा इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनी रहे। सीपीएल इतिहास में यह सम्मान पाने वाला उनसे बेहतर खिलाड़ी कोई और नहीं हो सकता।'

पांच बार बने सीपीएल चैंपियन

ब्रावो का सीपीएल करियर खिताबों से भरा रहा है। उन्होंने 2015 के बाद खिलाड़ी के तौर पर कुल पांच सीपीएल खिताब जीते। त्रिनबागो नाइट राइडर्स के कप्तान के रूप में उन्होंने 2017 और 2018 में लगातार दो खिताब दिलाए। इसके बाद 2021 में उन्होंने सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स की कप्तानी करते हुए टीम को सीपीएल चैंपियन बनाया। ब्रावो ने 2013 से 2024 तक सीपीएल में हिस्सा लिया और इस दौरान त्रिनबागो नाइटराइडर्स तथा सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स के लिए कुल 107 मुकाबले खेले।

त्रिनबागो नाइटराइडर्स के मुख्य कोच हैं ब्रावो

खिलाड़ी के तौर पर फ्रेंचाइजी को ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाले ब्रावो अब टीम के मुख्य कोच की भूमिका निभा रहे हैं। यानी मैदान पर उनकी जर्सी भले ही रिटायर हो गई हो, लेकिन टीम के साथ उनका रिश्ता अभी भी कायम है। सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में ब्रावो तीसरे स्थान पर हैं। उनसे आगे सुनील नरेन (139 मैच) और इमरान ताहिर (135 मैच) हैं।

पूरन ने बताया 'बिग ब्रदर'

मौजूदा त्रिनबागो नाइटराइडर्स कप्तान निकोलस पूरन ने भी ब्रावो के योगदान को याद किया। फ्रेंचाइजी द्वारा जारी वीडियो में पूरन ने कहा, 'प्रेरणा और आदर्श बनने के लिए धन्यवाद। हम बहुत खुश हैं कि आप हमारे साथ हैं। हमारे बड़े भाई बनने के लिए धन्यवाद। कई मौकों पर पिता की तरह हमारा मार्गदर्शन करने के लिए धन्यवाद। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मेरी जिंदगी में प्रेरणा बनने के लिए धन्यवाद।'

15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने दलीप ट्रॉफी में रचा इतिहास

ईशान की जगह मिली टीम की कप्तानी!

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार के समस्तीपुर के रहने वाले 15 साल के युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी रविवार को बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में सेंट्रल जोन के खिलाफ दुलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल मैच में ईस्ट जोन के कार्यवाहक कप्तान बनकर इतिहास रच दिया। बाएं हाथ के ओपनिंग बल्लेबाज इस मैच में उप-कप्तान के तौर पर उतरे थे, लेकिन रेगुलर कप्तान ईशान किशन के चोटिल होने के बाद अचानक उन पर कप्तानी सौंपी गई। किशन के मैदान से बाहर जाने के बाद इस युवा खिलाड़ी ने सेंट्रल जोन की पारी के 19वें ओवर में टीम की कमान संभाली।

शुभमन गिल (19 साल, 334 दिन) ने 2019 दिलीप ट्रॉफी के दौरान इंडिया ब्लू की कप्तानी करते हुए इस प्रतियोगिता के इतिहास में सबसे कम उम्र में आधिकारिक तौर पर नियुक्त कप्तान बनने का रिकॉर्ड बनाया था।

लेकिन सूर्यवंशी को किशन के चोटिल होने के बाद यह मौका मिला जोकि नियमों के तरह कप्तान के चोटिल होने के बाद उप-कप्तान को मिलने वाली जिम्मेदारी है।

विकेटकीपिंग के दौरान किशन की दाहिनी कलाई पर चोट लगी और टीम के फिजियो ने तुरंत उनका इलाज किया। इसके बाद वे आगे की जांच के लिए मैदान से बाहर चले गए और बाद में हाथ पर पट्टी बंधवाकर लौटे। झारखंड के उनके साथी खिलाड़ी कुमार कुशाग्र ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली। किशन के उपलब्ध न होने पर सूर्यवंशी ने टीम की कप्तानी संभाली, यह सीनियर पुरुष टीम के कप्तान के तौर पर उनका पहला अनुभव था।

यह मौका उन्हें ईस्ट जोन का उप-कप्तान बनाए जाने के कुछ ही हफ्तों बाद मिला जिस पर काफी बहस हुई थी। चयनकर्ताओं ने अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा था कि यह कदम टीम की तत्काल जरूरतों को पूरा करने के बजाय उनके लंबे समय के विकास में योगदान देने के लिए उठाया गया था। ईस्ट जोन चयन समिति का हिस्सा रहे झारखंड के चयनकर्ता मनीष वर्धन ने क्रिकइन्फो से कहा था, 'हम सिर्फ वर्तमान के बारे में नहीं सोच रहे हैं।' सूर्यवंशी को यह जिम्मेदारी उनके फर्स्ट-क्लास करियर की शुरुआत में ही मिल गई। सेंट्रल जोन के खिलाफ यह मैच सूर्यवंशी का दूसरा दुलीप ट्रॉफी मैच है। इससे पहले 2024 की शुरुआत में रणजी ट्रॉफी में डेब्यू करने के बाद से वे 9 फर्स्ट-क्लास मैच खेल चुके थे।

सूर्यवंशी का पिछला प्रदर्शन

सेमीफाइनल में उनका खेलना टूर्नामेंट में उनके मिले-जुले पहले अनुभव के बाद हुआ। नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ ईस्ट जोन की शुरुआती दौर की जीत के दौरान, सूर्यवंशी अपनी पहली दुलीप ट्रॉफी पारी में सिर्फ आठ रन ही बना पाए थे। हालांकि, बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया और दो विकेट लिए, जिससे ईस्ट जोन ने पारी से जीत हासिल की। उनके कुल मिलाकर फर्स्ट-क्लास बैटिंग के आंकड़े बताते हैं कि वे अभी भी अपने विकास के शुरुआती दौर में हैं।सूर्यवंशी ने 9 मैचों में 16.53 की औसत से 215 रन बनाए हैं, जिसमें एक अर्धशतक शामिल है। सूर्यवंशी ने इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था। यह मौका उन्हें शानदार ढक्कसीजन के बाद मिला जिसमें उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के लिए 776 रन बनाए थे। इसके बाद जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में 200 से ज्यादा रन बनाने के कारण उन्हें 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com